ಶುಭ್ ಲಾಭ್

खबरें जो सोच बदल दे

शुभ लाभ

DAILY

हिन्दी दैनिक समाचार पत्र

Postal Regd.No. HQ/SD/523/2023-25 | गुरुवार, 17 जुलाई, 2025 | हैदराबाद और नई दिल्ली से प्रकाशित | website : https://www.shubhlabhdaily.com | संपादक : गोपाल अग्रवाल | पृष्ठ : 14 | मूल्य-6 रु. | वर्ष-7 | अंक-196

क्या कांग्रेस सचमुच अनुसूचित जातियों, जनजातियों और अन्य पिछड़ा.@ नम्मा बेंगलूरु

ऑपरेशन सिंदूर पर बोले सीडीएस जनरल अनिल चौहान

पाकिस्तान के खोखले ड्रोन से भारत को कोई नुकसान नहीं हुआ

नई दिल्ली, 16 जुलाई (एजेंसियां)।

भारतीय सेना के चीफ ऑफ डिफेंस स्टाफ (सीडीएस) जनरल अनिल चौहान ने बुधवार को कहा कि 10 मई को ऑपरेशन सिंदूर के दौरान पाकिस्तान ने जो ड्रोन और गोला-बारूद का इस्तेमाल किया, उनमें से किसी से भी भारतीय सैन्य या नागरिक बुनियादी ढांचे को कोई नुकसान नहीं पहुंचा। अधिकांश को निष्प्रभावी कर दिया गया और कुछ को लगभग सही हालत में बरामद भी किया गया।

चीफ ऑफ डिफेंस स्टाफ जनरल अनिल चौहान ने मानेकशॉ सेंटर में यूएवी और सी-यूएएस के क्षेत्रों में विदेशी निर्माताओं से आयात किए जा रहे महत्वपूर्ण उत्पादों के स्वदेशीकरण पर लगी प्रदर्शनी के दौरान कहा कि ऑपरेशन सिंदूर ने हमें दिखाया है कि हमारे इलाके के लिए स्वदेशी रूप से विकसित काउंटर-यूएएस सिस्टम क्यों महत्वपूर्ण हैं? हमें अपनी सुरक्षा के लिए निवेश और निर्माण करना होगा। युद्ध में ड्रोन के इस्तेमाल पर उन्होंने कहा, आपको क्या लगता है कि ड्रोन युद्ध में विकासवादी बदलाव ला रहे हैं या क्रांतिकारी बदलाव ला रहे हैं? मुझे लगता है कि ड्रोन विकासवादी बदलाव है और युद्ध में उनका इस्तेमाल क्रांतिकारी है। जैसे-जैसे ड्रोन की तैनाती और दायरा बढ़ा, सेना ने क्रांतिकारी तरीके से ड्रोन का इस्तेमाल करना शुरू कर दिया। दुनिया ने कई युद्धों में ऐसा देखा है।

यूएवी और सी-यूएएस प्रौद्योगिकी में आत्मनिर्भरता जरूरी है

सीडीएस जनरल अनिल चौहान ने कहा कि वैश्विक स्तर पर हाल के संघर्षों ने यह साफ हुआ है कि ड्रोन किस तरह से सामरिक संतुलन को असमान रूप से बदल सकते हैं। ड्रोन, युद्ध के बड़े पारंपरिक प्लेटफार्मों को कमजोर बना रहा है और सेनाओं को युद्ध सिद्धांतों में समयानुकूल विकासात्मक बदलाव के पहलुओं पर पुनर्विचार करने के लिए प्रेरित कर रहा है। सीडीएस ने कहा, हम आयातित विशिष्ट प्रौद्योगिकियों पर भरोसा नहीं कर सकते, जो हमारे आक्रामक और रक्षात्मक मिशनों के लिए महत्वपूर्ण हैं। विदेशी तकनीक पर निर्भरता हमारी तैयारियों को कमजोर करती है। उत्पादन बढ़ाने की हमारी क्षमता को सीमित करती है और इससे चौबीस घंटे बिल्कुल तैयार रहने वाले महत्वपूर्ण पुर्जों की उपलब्धता में कमी हो जाती है। सीडीएस ने कहा कि गैर-पारंपरिक युद्ध के तेजी से विकसित हो रहे परिदृश्य में यूएवी एक परिवर्तनकारी शक्ति के रूप में उभरे हैं। भारत जैसे राष्ट्र के लिए यूएवी और सी-यूएएस प्रौद्योगिकियों में आत्मनिर्भरता न केवल एक रणनीतिक अनिवार्यता है, बल्कि यह भारत को अपना भविष्य बनाने, अपने हितों की रक्षा करने और भविष्य के अवसरों का लाभ उठाने के लिए सशक्त बनाने के लिए भी जरूरी है। ▶10पर

अमेरिकी की तरह नाटो ने भी बंदर घुड़की के अंदाज में कहा

रूस के साथ व्यापार किया तो लगेंगे कड़े प्रतिबंध

ब्रूसेल्स, 16 जुलाई (एजेंसियां)।

रूस पर लगे अमेरिकी और नाटो देशों के प्रतिबंध (सैंक्शन) के पूरी तरह बेअसर होने से अमेरिका और नाटो देश बौखला उठे हैं। अमेरिका की तरह नाटो ने भी बंदर घुड़की देने के अंदाज में कहा है रूस के साथ व्यापारिक संबंध जारी रखने वाले देशों पर भी कड़े प्रतिबंध लगाए जाएंगे। जाहिर है, यह धमकी खास तौर पर भारत के लिए है। इस धमकी के दायरे में ब्राजील भी आता है। नाटो की धमकी का चीन पर भी कोई असर नहीं पड़ने वाला। प्रतिबंध के बाद रूस से भारत को कच्चे तेल की आपूर्ति हो रही है और यही कच्चा तेल भारत से परिष्कृत होने के बाद यूरोपीय देश खरीद रहे हैं। अमेरिकी प्रतिबंध को रूस पूरी तरह नजरअंदाज कर रहा है। एससीओ के विदेश मंत्रियों की बैठक में रूस के विदेश मंत्री सर्गेई लावरोव ने ताल ठोक कर कहा कि प्रतिबंधों का सामना करने के लिए हम तैयार हैं।

डोनाल्ड ट्रंप के रूस के साथ व्यापार करने पर रोक लगाने के बाद अब नाटो ने भी दुनिया भर के देशों को रूस के साथ व्यापार करने पर अल्टीमेटम दिया है। इसमें उन्होंने साफ तौर पर भारत का नाम लिया है। ट्रंप ने मंगलवार को रूस को चेतावनी दी थी कि यूक्रेन के साथ उसे 50 दिन के अंदर शांति समझौता करना पड़ेगा अन्यथा रूस पर 100 प्रतिशत टैरिफ के साथ उसके साथ व्यापार करने वाले अन्य देशों पर भी सेकंड्री टैरिफ लगाया जाएगा। इस कड़ी में ट्रंप ने नाटो के सेक्रेटरी जनरल मार्क रूट से भी मुलाकात की थी। अपनी मुलाकात में ट्रंप ने रूट से कहा था कि शांति समझौता न करने पर रूस के सामानों पर 100 प्रतिशत तक टैरिफ लगेगा। साथ ही जो देश रूस के साथ व्यापार करते हैं, उन पर भी सेकंड्री टैरिफ या सैंक्शन लगाए जाएंगे।

मार्क रूट ने कहा कि ब्राजील, चीन और भारत समेत कोई भी अन्य देश अगर रूस के साथ व्यापार जारी रखता है तो उन देशों पर कड़े प्रतिबंध लगाए जाएंगे। असल में यह सभी प्रतिबंध रूस और यूक्रेन के बीच चल रहे संघर्ष को रोकने के लिहाज से लगाए जाने की कयास लग रहे हैं। ▶10पर

प्रतिबंधों के बेअसर रहने से बौखलाया अमेरिका और नाटो

वोटर लिस्ट से 40 लाख नाम हटाएगा चुनाव आयोग

13 लाख मृतक भी थे बिहार में वोटर

नई दिल्ली/पटना, 16 जुलाई (एजेंसियां)।

बिहार में मुस्लिम तुष्टिकरणवादी राजनीतिक दलों ने बांग्लादेशी घुसपैठियों के साथ-साथ बड़ी तादाद में मृतकों को भी वोटर बना रखा था। सत्ता पाने के लिए सारे ओछे हथकंडे इस्तेमाल करने की हरकतों पर जब राष्ट्रीय चुनाव आयोग सख्त हुआ तब इनमें बौखलाहट बढ़ गई और लगे धरना प्रदर्शन करने। लेकिन धरना प्रदर्शन से असलियत पर पर्दा डाले रखने में वे कामयाब नहीं हो पाए। चुनाव आयोग अब बिहार की मतदाता सूची से करीब 40 लाख लोगों के नाम हटाने जा रहा है। इनमें बांग्लादेश, म्यांमार (रोहिंग्या) और नेपाल के घुसपैठियों के अलावा करीब 13 लाख मुर्दे भी शामिल हैं।

घुसपैठियों के साथ-साथ मुर्दों को भी वोटर बना दिया था

चुनाव आयोग की कोशिश है कि कोई वास्तविक मतदाता भी छूट न जाए। इसके लिए चुनाव आयोग पूरी कोशिश कर रहा है। बिहार के 261 शहरी स्थानीय निकायों के 5,683 वार्डों में विशेष शिविर लगाए गए हैं। अब तक 88 फीसदी मतदाताओं का वेरिफिकेशन चुनाव आयोग कर चुका है। तीसरे राउंड में फिर चुनाव आयोग के बीए-लओ घर-घर भेजे जा रहे हैं।

बिहार में अब तक करीब 7.90 करोड़ लोगों में से 6.60 करोड़ मतदाताओं का गणना फॉर्म जमा कराया जा चुका है यानि करीब 88 फीसदी मतदाताओं का वेरिफिकेशन हो चुका है। अब तक 5.74 करोड़ फॉर्म चुनाव आयोग की वेबसाइट पर अपलोड किया जा चुका है। बीएलओ अभी भी घर-घर जाकर फॉर्म जमा कर रहे हैं और 963 एईआरओ लगातार इस पूरी प्रक्रिया पर नजर बनाए हुए हैं। चुनाव आयोग ने कहा, करीब एक लाख बीएलओ जल्द ही घर-घर जाकर तीसरे राउंड का दौरा शुरू करेंगे। सभी राजनीतिक दलों के 1.5 लाख बूथ-स्तर के एजेंट हर दिन 50 मतदाता पहचान पत्र सत्यापित और जमा कर सकते हैं। बिहार के 261 शहरी स्थानीय निकायों (यूएलबी) के सभी 5,683 वार्डों में विशेष शिविर भी लगाए जा रहे हैं ताकि कोई भी मतदाता वोटर लिस्ट में शामिल होने से वंचित न रह जाए।

अब तक की कवायद में ही करीब करीब 40 (35.50 लाख से ज्यादा) लाख मतदाताओं के नाम वोटर लिस्ट से हटाए जा चुके हैं जिनमें मृतकों के नाम, डुप्लीकेट मतदाता या घुसपैठियों के नाम शामिल हैं। इनमें 1.59 फीसदी मृत मतदाता, 2.2 फीसदी स्थायी रूप से राज्य से बाहर गए मतदाता, 0.73 फीसदी ऐसे मतदाता हैं जिन्होंने एक से अधिक जगहों पर अपना नाम वोटर लिस्ट में रखा हुआ है। ये पूरा आंकड़ा 4.52 फीसदी है जिसे संख्या के हिसाब से बात की जाए तो ये 35.69 लाख से ज्यादा हैं। चुनाव आयोग को नेपाल, बांग्लादेश और म्यांमार जैसे देशों के कुछ विदेशी नागरिक भी मिले, जो मतदाता के रूप में पंजीकृत थे। उनके नाम मतदाता सूची से हटा दिए जाएंगे। जो मतदाता अस्थायी रूप से राज्य से बाहर हैं, उनसे या तो सीधे संपर्क किया जा रहा है या उन्हें अखबारों में विज्ञापन देकर जानकारी दी है ताकि वे अपने गणना फॉर्म भर सकें।

चुनाव आयोग ने कहा, अस्थायी रूप से राज्य से बाहर रहने वाले मतदाता अपने मोबाइल फोन का उपयोग करके ईसीआई ऐप या आयोग की वेबसाइट पर ऑनलाइन गणना फॉर्म भर सकते हैं। अगर उनके परिवार का कोई सदस्य राज्य में मौजूद है तो व्हाट्सएप या किसी ▶10पर

संसद का मानसून सत्र शुरू होगा 21 जुलाई से

आठ विधेयक पेश करने की तैयारी में केंद्र सरकार

नई दिल्ली, 16 जुलाई (एजेंसियां)।

संसद का मानसून सत्र 21 जुलाई से शुरू हो रहा है। इस मानसून सत्र में सरकार आठ नए विधेयक पेश करेगी। इनमें मणिपुर में राष्ट्रपति शासन से जुड़ा विधेयक भी शामिल है। सरकार मणिपुर में राष्ट्रपति शासन बढ़ाने पर विचार कर रही है। मणिपुर में 13 फरवरी को राष्ट्रपति शासन लागू किया गया था। राष्ट्रपति शासन के लिए सरकार को हर छह महीने में संसद की मंजूरी लेनी होती है। फिलहाल राज्य में राष्ट्रपति शासन की समयसीमा 13 अगस्त है। संसद के आगामी सत्र में सरकार मणिपुर वस्तु एवं सेवा कर (संशोधन) विधेयक 2025, जन विश्वास (प्रावधानों में संशोधन) विधेयक 2025, भारतीय संस्थान प्रबंधन (संशोधन) विधेयक 2025, कराधान विधि (संशोधन) विधेयक 2025, भू-विरासत स्थल एवं भू-अवशेष (संरक्षण एवं रखरखाव) विधेयक 2025, खान एवं खान (विकास एवं विनियमन) संशोधन विधेयक 2025, राष्ट्रीय खेल प्रशासन विधेयक 2025 ▶10पर

केंद्र सरकार ने लिए कई अहम फैसले, शुभांशु को दी बधाई

पीएम धन-धान्य कृषि योजना मंजूर

नई दिल्ली, 16 जुलाई (एजेंसियां)।

केंद्रीय कैबिनेट ने 36 योजनाओं को मिलाकर 24,000 करोड़ रुपए प्रति वर्ष के परिव्यय वाली प्रधानमंत्री धन-धान्य कृषि योजना को मंजूरी दे दी है। इसके साथ ही नवीकरणीय ऊर्जा से जुड़े कई फैसले भी लिए गए हैं। सूचना एवं प्रसारण मंत्री अश्विनी वैष्णव ने कैबिनेट के फैसलों के बारे में जानकारी देते हुए बताया कि सरकार ने एनएलसीआईएल को नवीकरणीय ऊर्जा में निवेश के लिए 7,000 करोड़ रुपए की भी मंजूरी दे दी है। इसके अलावे कैबिनेट ने एनटीपीसी को नवीकरणीय ऊर्जा में निवेश के लिए 20,000 करोड़ रुपए की मंजूरी देने पर भी अपनी मुहर लगा दी है।

मंत्रिमंडल ने बुधवार को छह साल की अवधि के लिए प्रधानमंत्री धन-धान्य कृषि योजना को मंजूरी दी है। इसके तहत हर वर्ष 24,000 करोड़ रुपए खर्च किए जाएंगे और इसमें 100 जिले शामिल होंगे। केंद्रीय बजट में घोषित यह कार्यक्रम 36 मौजूदा योजनाओं को एकीकृत करेगा और फसल विविधीकरण और टिकाऊ कृषि पद्धतियों को अपनाने मदद देगा। ▶10पर

पाकिस्तान सीमा और सुरक्षित एवं आक्रामक होगी

सीमा पर तैनात होंगे अपाचे लड़ाकू हेलीकॉप्टर

नई दिल्ली, 16 जुलाई (एजेंसियां)।

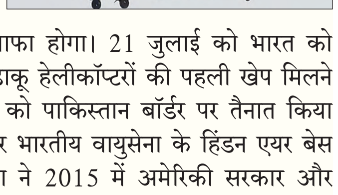

पाकिस्तान से लगने वाली भारतीय सीमा को और सुरक्षित रखने के लिए भारत सरकार कुछ बड़े कदम उठाने जा रही है। इससे न सिर्फ बॉर्डर की सुरक्षा बढ़ेगी बल्कि आक्रामक क्षमता में भी इजाफा होगा। 21 जुलाई को भारत को अमेरिका से तीन अपाचे लड़ाकू हेलीकॉप्टरों की पहली खेप मिलने जा रही है। इन हेलीकॉप्टरों को पाकिस्तान बॉर्डर पर तैनात किया जाएगा। यह तीनों हेलीकॉप्टर भारतीय वायुसेना के हिंडन एयर बेस पर उतरेंगे। भारतीय वायुसेना ने 2015 में अमेरिकी सरकार और बोइंग के साथ हुए एक समझौते के तहत 22 अपाचे हेलीकॉप्टर की खरीद के लिए समझौता किया था। जुलाई 2020 में भारतीय वायुसेना को सभी 22 अपाचे लड़ाकू हेलीकॉप्टर की आपूर्ति कर दी गई थी। 2020 में जब अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप भारत आए थे तो 60 करोड़ डॉलर के एक सौदे पर हस्ताक्षर हुए थे ▶10पर

राहुल गांधी के बयान पर सीएम सरमा का कटाक्ष

हमको जेल भेजेंगे, जो खुद जमानत पर हैं

गुवाहाटी, 16 जुलाई (एजेंसियां)।

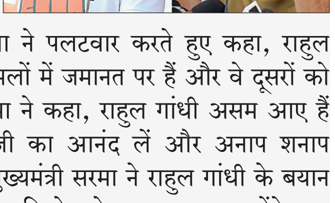

कांग्रेस नेता राहुल गांधी ने असम दौरे पर कांग्रेस नेताओं से कहा कि कांग्रेस की सरकार आएगी तो हिमंत बिस्व सरमा को जेल भेजा जाएगा। इस पर असम के मुख्यमंत्री हिमंत बिस्व सरमा ने पलटवार करते हुए कहा, राहुल गांधी खुद देशभर में कई मामलों में जमानत पर हैं और वे दूसरों को जेल भेज रहे हैं। सीएम सरमा ने कहा, राहुल गांधी असम आए हैं तो असम की मेहमाननवाजी का आनंद लें और अनाप शनाप बयानबाजी से परहेज करें। मुख्यमंत्री सरमा ने राहुल गांधी के बयान को दुर्भावना और राजनीतिक प्रतिशोध से ग्रस्त बताया। उन्होंने कहा कि राहुल गांधी को राजनीतिक मंचों का इस तरह दुरुपयोग नहीं करना चाहिए। मुख्यमंत्री सरमा के मुताबिक, राहुल गांधी देश के कई हिस्सों में आपराधिक मामलों का सामना कर रहे हैं और इन मामलों में उन्हें जमानत मिली हुई है। ▶10पर

सर्राफ़ा बाज़ार

(24 कैरेट गोल्ड)

सोना : 1,01,270/- (प्रति 10 ग्राम)

चाँदी : 1,14,600/- (प्रति किलोग्राम)

मौसम बेंगलूरु

अधिकतम : 29°

न्यूनतम : 20°

यूआईडीएआई के आधिकारिक खुलासे ने बढ़ा दी देश की चिंता

हर साल मर रहे 83 लाख, पर उनके आधार कार्ड सक्रिय क्यों?

नई दिल्ली, 16 जुलाई (एजेंसियां)।

भारतीय विशिष्ट पहचान प्राधिकरण (यूआईडीएआई) के आधिकारिक खुलासे ने देश की चिंता काफी बढ़ा दी है। जब हर हर साल देश में 83 लाख लोग मर रहे हैं तो उन मृतकों के आधार कार्ड सक्रिय क्यों हैं? यूआईडीएआई ने 14 साल में केवल 1.15 करोड़ आधार कार्ड निष्क्रिय किए। यानि, करोड़ों की संख्या में मृतकों के आधार कार्ड अब भी सक्रिय हैं और देश की तमाम योजनाओं का धन, सुविधाएं और अनाज उन निष्क्रिय आधार कार्ड के खाते में जा रहा है। यह खुलासा भीषण भ्रष्टाचार और घोटाले का संकेत दे रहा है।

भारतीय विशिष्ट पहचान प्राधिकरण (यूआईडीएआई) ने 14 साल पहले कार्यक्रम की शुरुआत के बाद से अब तक केवल 1.15 करोड़ आधार नंबरों को निष्क्रिय किया है। यह आंकड़ा देश की मृत्यु दर को देखते हुए काफी कम है। देश में हर साल औसतन 83 लाख लोगों की मौत हो रही है। दूसरी ओर, भारतीय विशिष्ट पहचान प्राधिकरण (यूआईडीएआई) 14 साल पहले कार्यक्रम की शुरुआत के बाद से केवल 1.15 करोड़ आधार नंबरों को ही निष्क्रिय कर पाया है। आधिकारिक तौर पर बताया गया है कि जून 2025 तक भारत में 142.39 करोड़ आधार कार्ड धारक हैं। संयुक्त राष्ट्र जनसंख्या कोष के आकलन के अनुसार अप्रैल 2025 तक देश की कुल जनसंख्या 146.39 करोड़ हो गई। नागरिक पंजीकरण प्रणाली (सीआरएस) के आधिकारिक आंकड़ों से पता चलता है कि भारत में 2007 से 2019 के बीच हर साल औसतन 83.5 लाख मौतें हुईं। इसके बावजूद, यूआईडीएआई की ओर से मृत लोगों के आधार नंबर निष्क्रिय करने की गति आश्चर्यजनक रूप से कम है। कुल अनुमानित मौतों में से 10 प्रतिशत से भी कम मामलों में आधार नंबर को निष्क्रिय किया गया है। अधिकारियों ने स्वीकार किया है कि आधार नंबर को निष्क्रिय करने की प्रक्रिया जटिल है और काफी हद तक राज्य सरकारों की ओर से जारी मृत्यु प्रमाण पत्र और परिवार के सदस्यों की ओर से दी गई जानकारी जैसे बाहरी आंकड़ों पर निर्भर करती है।

14 साल में केवल 1.15 करोड़ आधार कार्ड निष्क्रिय हुए

निष्क्रिय आधार कार्ड के नाम पर हो रहा भारी घोटाला

यूआईडीएआई यह भी बताया है कि वह आधार के निष्क्रिय होने या जो लोग मृत हो चुके हैं, उसके बाद भी उनके आधार कार्ड सिस्टम में सक्रिय हैं, ऐसा कोई डेटा अपने पास नहीं रखता है। ▶10पर

कार्टून कॉर्नर

बेंगलूरु में प्रवासी संवाद कार्यक्रम में अशोक गहलोत का भव्य स्वागत

विभिन्न मांगों से कराया अवगत

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो। राजस्थान के पूर्व मुख्यमंत्री अशोक गहलोत मंगलवार को अपने दो दिवसीय दौरे के तहत बेंगलूरु पहुंचे। जहां पर दोपहर दो बजे प्रवासी राजस्थानी कर्नाटका संघ की तरफ से आयोजित प्रवासी संवाद व अभिनंदन कार्यक्रम में शरीक होने के लिए उन्होंने मागडी रोड, टोल गेट सर्कल पर स्थित कर्नाटका पटेल भवन का दौरा किया। प्रवासी राजस्थानी कर्नाटका संघ के महामंत्री व लूनी के पूर्व सरपंच डॉ. जवरीलाल लूनावत ने बताया कि मारवाड़ की परंपरा के अनुसार प्रवेश द्वार पर ढोल थाली व तिलक लगाकर स्वागत किया गया।

कार्यक्रम स्थल पर पहुँचने के बाद गणपति भगवान की प्रतिमा के आगे पंडितजी के मंत्रों के साथ सभी समाजों के अध्यक्ष व गांधीनगर ब्लाक कांग्रेस कमेटी के अध्यक्ष किरणकुमार ने दीप प्रज्वलित किया। गहलोत का स्वागत सभी समाजों के अध्यक्ष व कार्यकर्ताओं द्वारा फूलों की माला, शाल व साफे से किया गया। गहलोत के अभिनंदन व स्वागत कार्यक्रम में जैन समाज, राजपूत समाज, श्री राजाराम आँजना पटेल समाज, राजपुरोहित समाज, जाट चौधरी समाज, सिरवी समाज, देवासी समाज, माहेश्वरी समाज, श्रीमाली व शर्मा व ब्राह्मण समाज, प्रजापत समाज, जांगिड समाज, रावणा राजपूत समाज, चारण समाज, कुमावत समाज, सैन समाज, वैष्णव समाज, विश्नोई समाज, खत्री समाज, दर्जी समाज, घांची समाज, गौस्वामी-गिरी व पुरी समाज व नाथ समाज के अध्यक्ष व सचिव सहित समस्त पदाधिकारियों ने भाग लिया। डॉ. लूनावत ने स्वागत भाषण में सभी समाजों का आभार व्यक्त किया व बेंगलूरु में राजस्थान भवन बनाने हेतु कर्नाटक सरकार से जमीन आवंटन की मांग गहलोत के मार्फत की। साथ ही प्रवासी बंधुओं के आवागमन हेतु बेंगलूरु से जोधपुर, जालोर, सिरोही, बाड़मेर व नागोर के लिये कर्नाटका सरकार की लक्जरी बसों को प्रतिदिन चलाने और संगठन में प्रवासी बंधुओं को उचित पद देने हेतु कर्नाटका के प्रदेश अध्यक्ष को सिफारिश करने का आग्रह किया। कर्नाटका पटेल भवन के सचिव भीमाराम पटेल ने अपने उद्बोधन में सभी समाजों का स्वागत कर आभार व्यक्त किया व प्रवासी राजस्थानी कर्नाटका संघ का विशेष आभार व्यक्त कर कहा कि संघ ने हमारे समाज के भवन में जननायक के अभिनंदन कार्यक्रम में सभी 36 कौम के समाजों को आमंत्रित किया जो हमारे लिये गौरव की बात है। गहलोत ने अपने संबोधन की शुरुआत उपस्थित 36 कौम के समाजों का नाम लेकर करते हुए कहा आज पूरे राजस्थान के सभी समाजों से मिलने का सुनहरा मौका मिला व सभी समाजों की उपस्थिति देखकर मेरा दिल गदगद हो गया। गहलोत ने कहा कि मैने चालीस वर्षों के समर्पित व लूनी के अग्रणी निःस्वार्थ कार्यकर्ता लूनावत से बात की और उन्होंने कम समय मिलने के बावजूद इतनी भारी तादाद में सभी समाजों को एक ही मंच पर मिलवा दिया। मैं पूरी टीम का धन्यवाद व आभार व्यक्त करता हूँ। गहलोत ने कहा कि मुझे पार्टी ने बहुत कुछ दिया व मैंने तीन बार मुख्यमंत्री पद पर रहते हुए सभी वर्गों के लिये अनेक कल्याणकारी योजनाओं पर कार्य किया। कोविड काल के समय राजस्थान प्रदेश में शानदार प्रबंधन किया, जिसकी सराहना स्वयं प्रधानमंत्री ने कई बार की व पूरे शासन व प्रशासन का सराहनीय सहयोग रहा। गहलोत ने कहा कि भारत में राजस्थान प्रदेश अब विश्व का सबसे पसंदीदा पर्यटन राज्य बन गया है व राजस्थान हर क्षेत्र में चहुमुखी विकास की तरफ अग्रसर है। राजस्थान के प्रत्येक जिले में अनेक तरह के उद्योग व व्यापार प्रगति कर चुके हैं। अतः प्रवासी बंधुओं को कर्नाटका के साथ राजस्थान में भी निवेश करने के लिये सोचना चाहिये। मंच का संचालन व धन्यवाद केवलचंद सालेचा, अविनाश गुलेच्छा, डूंगरमल पारख व राजेन्द्रसिंह कुंपावत ने किया।

संसार का रहस्य दो ही तत्वों में समाया है जीव और अजीव: साध्वी उपासना

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो। जीवन विशाल है, पर आत्मा की ओर जाने वाला मार्ग संकीर्ण और सूक्ष्म है। इन्हीं सारगर्भित वचनों के साथ प्रवचन में साध्वी निर्मलाजी के सानिध्य में साध्वी उपासना ने आत्म-जागरण और वाणी संयम का महत्व बताते हुए कहा कि तप का वास्तविक अर्थ है अपने 'रूप' और 'अहम' को कम करते जाना। जितना हम बाह्य रूप से अलग होंगे, उतना ही आत्मा से जुड़ाव गहरा होगा। उन्होने बताया कि संसार का विस्तार बाहरी नहीं, अंतःकरण से होता है।

यदि हमारी वाणी कटु, कठोर और अपवित्र है, तो वह केवल शब्द नहीं, बल्कि पाप का अर्जन बन जाती है। अगर हमारी यही वाणी मीठी हो तो पुण्य का अर्जन करती है। वाणी वह शक्ति है, जिससे हम किसी का मनोबल बढ़ा सकते हैं या गिरा सकते हैं। साध्वीजी ने घड़ी के दूसरे घंटे का प्रतीकात्मक संदर्भ देते हुए कहा कि वह हमें स्मरण दिलाता है कि इस संसार का समस्त रहस्य दो ही तत्वों में समाया हुआ है जीव और अजीव। जीव वह तत्व है जिसमें चेतना, ज्ञान, दर्शन, अनुभव और कर्म का भोग होता है। जीव स्वयं को जान सकता है, समझ सकता है और मोक्ष की प्राप्ति कर सकता है। अजीव वह तत्व है जिसमें चेतना नहीं होती, जो केवल जीव के साथ संबंध में आकर कर्मबंधन का कारण बनता है।

जिसने आत्मा को जाना, उसने सब कुछ जाना और जिसने अजीव में ही सब कुछ देखा वह भटका, उलझा, और संसार में खो गया। आत्मा में असीम शक्ति, ज्ञान और प्रकाश है, लेकिन वह अज्ञानवश अजीव से आकृष्ट होकर राग-द्वेष, मोह और कर्मों में बंध जाती है। यही बंधन उसे जन्म-मरण के चक्र में डालता है। आगे उन्होंने कहा कि जीवन बहता जा रहा है, और हमें यह सोचना होगा कि हम अपने कर्मों, वाणी और दृष्टिकोण से आत्मा को बांध रहे हैं या मुक्त कर रहे हैं। पूर्व में साध्वी ऋषिता ने स्तवन की प्रस्तुति दी। साध्वी नंदिनी ने चौमुखी नवकार महामंत्र जाप की अखंड साधना जो प्रतिदिन दोपहर 2.30 से 3.30 बजे तक गतिमान है की जानकारी दी। सभा में उपस्थित सभी श्रद्धालुओं को गुरुवर्या ने मांगलिक प्रदान किया। इस मौके पर दोड्डबल्लापुर, मैसूरु व अन्य क्षेत्रों से अनेक सदस्य मौजूद रहे। हेमा नवीन मुणोत एवं प्रिया अजय धोका ने आठ -आठ उपवास के पच्चक्खान लिए। आभार ज्ञापन अध्यक्ष प्रकाशचंद चानोदिया ने किया और संचालन संघ मंत्री नेमीचंद दलाल ने किया।

जीवन में सुख की प्राप्ति करनी है तो उसे प्रभु की भक्ति में अर्पित कर देना चाहिए: साध्वी

दावणगेरे/शुभ लाभ ब्यूरो। श्री शंखेश्वर पार्श्व राजेन्द्र सूरि गुरुमंदिर संघ काईपेट दावणगेरे में चातुर्मासार्थ विराजित साध्वी भव्यगुणा श्री ने कहा कि जीवन में सुख की प्राप्ति करनी है तो उसे प्रभु की भक्ति में अर्पित कर देना चाहिए। आध्यात्मिक सुखों के समक्ष भौतिक सुख तुच्छ होते है। जिनवाणी हमे आध्यात्मिक सुख पाने का मार्ग दिखाती है। जिनवाणी श्रवण कर उसे जीवन में उतारने वाले को भौतिक सुखों में आनंद महसूस नहीं होता और वह तप, त्याग व साधना के मार्ग पर बढ़ता जाता है। उन्होंने कहा कि जिनवाणी चंचल मन को एकाग्र बना साधना व स्वाध्याय से जोड़ने का कार्य करती है। जब भी मन अशांत हो तब जिनवाणी व धर्म का शरण लेना चाहिए शांति की अनुभूति होगी।

चातुर्मास जीवन में धर्म साधना व आराधना के लिए होता है। धर्म साधना में तीन तत्व तन का रोग, इन्द्रियों का भोग और मन का लोभ बाधक बनते है। अज्ञान व इन्द्रिय भोग की वृति से तन का रोग उत्पन्न होता है। अज्ञानता दूर कर इन्द्रिय निग्रह कर हम स्वस्थ बने रह सकते है। उन्होंने कहा कि इन्द्रियों पर नियंत्रण रखने पर तन स्वस्थ ओर मन प्रसन्न रहता है। ऐसा किए बिना हम धर्म आराधना और तप त्याग नहीं कर सकते है। साध्वी शीतल गुणा ने कहा कि हम जो स्वयं के लिए करते हैं, वह हमारे साथ ही खत्म हो जाता है लेकिन दूसरों के लिए और दुनिया के लिए जो हम करते हैं, वह सदा रहता है और अमर हो जाता है। आज से हम सभी के लिए अच्छा सोचें और अच्छा करें। श्री शंखेश्वर पार्श्व राजेन्द्र गुरुमंदिर संघ अध्यक्ष पूनमचंद सोलंकी ने बताया कि बेंगलूरु से सिमंधर स्वामी राजेंद्र सूरि संघ मामूलपेट के ट्रस्ट मंडल अध्यक्ष धीरज भंडारी, नेमिचंद वेदमुथा, तिलोकचंद भंडारी, बाबुलाल तोगाणी, जयंतीलाल जैन, कोयम्बत्तूर से विशाल जैन ने दर्शन का लाभ लिया। संघ की ओर से बहुमान किया गया। वियासणा लाभार्थी शेषमल परिवार का बहुमान किया गया। शंखेश्वर भगवान की आरती का लाभ सिमंदरस्वामी जैन मंदिर ट्रस्ट बेंगलूरु, मंगल दिवो जगदीश प्लास्टिक, गुरुदेव की आरती श्री नाकोड़ा जैन उपकरण भंडार दावणगेरे ने लिया।

भिक्षु चेतना वर्ष की शुरूआत में नौ रंगी तप अभिनंदन समारोह आयोजित

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो। शांतिदूत महातपस्वी युगप्रधान आचार्य श्री महाश्रमणजी की सुशिष्या साध्वी श्री पुण्ययशाजी के पावन सान्निध्य में भिक्षु चेतना वर्ष के शुभारंभ के अवसर पर राजराजेश्वरी नगर में नौ रंगी तप में भाग लेने वाले 91 तपस्वियों का एक समारोह के रूप में तप अभिनंदन कार्यक्रम आयोजित किया गया। जिसमें साध्वी पुण्ययशाजी की सहयोगी साध्वी विनितयशाजी सहित 21 तपस्वियों ने नौ, आठ, ग्यारह और तेरह की तपस्या के प्रत्याख्यान किये। इस नौ रंगी में के.जी.एफ में चातुर्मास रत साध्वी पावन प्रभाजी की सहयोगी साध्वी रम्यप्रभाजी ने नौ रंगी में साध्वीश्री पुण्ययशा जी को तप की भेंट दी।

साध्वी श्री पुण्ययशाजी ने अपने मंगल उद्बोधन में कहा दो अक्षर का एक छोटा सा शब्द 'तप' है। जिसकी शब्द संरचना जितनी लघु है उसका कार्य उतना ही महान है।

भगवान महावीर ने तप को मोक्ष का एक मार्ग बताया है। अणु से भी कई गुणा शक्ति तप में होती है। तपस्या से जन्म-जन्म के कर्म क्षीण हो जाते हैं। नौ रंगी में भाग लेने वाले सभी तपस्वियों ने आत्मबल, मनोबल, गुरुबल से तप में चार चांद लगाए है। तप एक प्रकार की औषध है। अनेकों रोगों का उपचार तप के द्वारा होता है। तप से शारीरिक, मानसिक भावनात्मक एवं आध्यात्मिक सिद्धियां और शक्तियां जागृत होती है। साध्वी वर्धमानयशाजी के मंगलाचरण से कार्यक्रम का शुभारंभ हुआ। भाइयों एवं महिला मंडल की बहनों ने तप अभिनंदन गीत प्रस्तुत किया। महासभा से प्रकाश लोढ़ा, सभा के पूर्व अध्यक्ष कमलसिंह दुगड़, तेयुप अध्यक्ष विक्रम महेर, महिला मंडल अध्यक्ष मंजू बोथरा, संघ संवाद प्रवक्ता जितेन्द्र घोषल एवं तपस्वियों के परिवार वालों आदि ने वक्तव्य एवं गीतिका के द्वारा तप अनुमोदना की। साध्वी जी ने हम पर विश्वास कर हमारी क्षमता को पहचाना एवं ऐसा सुनहरा वातावरण बनाया जिससे घर-घर में तपस्या का सुर्ख रंग चढ़ गया है। इस प्रेरणा के लिए पूरे श्रावक समाज की ओर से साध्वीवृन्द के प्रति कृतज्ञता ज्ञापित की गई। सभी तपस्वियों का सम्मान अभिनंदन पत्र, जैन पट्ट एवं साहित्य से किया गया। तपस्वियों से संपर्क करने एवं सूची बनाने में जयंती कोठारी एवं पदमा महेर ने समय व श्रम नियोजित किया। तपोमय वातावरण में साध्वी बोधिप्रभा जी ने मंच का संचालन कुशलता से किया। सम्मान समारोह संचालन मंत्री गुलाब बाँठिया ने तथा आभार दिनेश मरोठी ने व्यक्त किया। अच्छी संख्या में श्रावक श्राविकाओं की उपस्थिति रही।

जिन्हें अपनी गति की चिंता होती है वे कभी गलती नहीं करते

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो। श्वेतांबर स्थानकवासी जैन श्रावक संघ, अलसूर के तत्वावधान में महावीर भवन में आयोजित प्रवचन में साध्वी श्री इंदुप्रभा जी ने कहा कि जिन्हें अपनी गति की चिंता होती है वे कभी गलती नहीं करते हैं। गति सुधारने का सुगम मार्ग यही है कि साधक ज्ञान दर्शन चारित्र और तप की सम्यक आराधना करे। हम यहां अल्प समय के लिए ही आए हैं और समझदार अल्पकालीन यात्रा में ज्यादा पसारा नही करता हैं। हमे यहां से जाना है याद रखें और समझदारी पूर्वज अवसरों का उपयोग कर लेवें। जिनवाणी का सहारा हमे मिल गया है। जिनवाणी हम कान से नहीं प्राण से सुने। जीवन में विनय बढ़ाएं और अहंकार से स्वयं को मुक्त रखें। प्रवचन के प्रारंभ में साध्वी श्री वृद्धिप्रभा जी ने कहा कि चातुर्मास पानी और वाणी का संगम प्रसंग है। पानी से जगत में हरियाली बढ़ती है तो वाणी से आत्मा अधिक उपजाऊ बनती है। जैसे तरुण पुरुष को राग रंग में, भूखे को खीर भोजन में और अनपढ़ को पढ़ाई का अवसर मिलने पर आनंद की अनुभूति होती है वैसे ही अनुभूति हमे प्रभु वाणी सुन कर होनी चाहिए। जिनवाणी को आयना बना कर हमे स्वयं का निरीक्षण करना चाहिए कि हम दिखावे में जी रहे हैं या हकीकत में। प्रवचन सभा में शांत क्रांति संघ के पदाधिकारी भी उपस्थित थे। संघ मंत्री अभय कुमार बांठिया ने सभा का संचालन किया। अध्यक्ष धनपत राज बोहरा ने अतिथियों का स्वागत किया। साध्वी शशिप्रभा जी ने मंगलपाठ सुनाया।

सुख, शांति, समाधि, संपत्ति सबकुछ पुण्य के अधीन

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो। प्रवचनकार प.पू. मुनिराज श्री आर्यशेखरविजयजी ने कहा कि मेहनत से ही सब कुछ मिलता होता तो मजदूर सबसे बड़ा धनवान होता, बुद्धि से ही सब कुछ होता तो पंडितों के पास सबसे ज्यादा संपति होती। सवाल हमारा ये है आपके पास ही धन दौलत ज्यादा क्यों है? जवाब है पुण्य।

सुख, शांति, समाधि, संपत्ति सबकुछ पुण्य के अधीन है। पूर्व में गोवा में बीस हजार जैनों को तोपों से उड़ाकर मार दिया गया क्योंकि उन्होंने क्रिश्चियन धर्म स्वीकार नहीं किया था। आज ऐसे लोगों के स्कूलों में हम अपने बच्चों को पढ़ाने भेजते हैं। स्कूल ऐसी होनी चाहिए जिसमें शिक्षा नंबर 1 तो हो ही लेकिन संस्कार भी नंबर 1 वाले ही मिलने चाहिए। हमने मंदिर तो अच्छे बना लिए, उपाश्रय और भवन भी अच्छे बना लिए, अब उसमें आने वाले अच्छे श्रावक तैयार करने की जरूरत है। माथे पर काले बाल वाला आदमी क्या नहीं कर सकता। संकल्प अगर बुलंद हो तो क्या नहीं हो सकता। बाह्य जगत में सत्ता और साम्राज्य पाने के लिए साधना करनी पड़ती है तो आंतरिक दुश्मनों पर विजय प्राप्त करने के लिए कैसी साधना करनी चाहिए। सांड को आगे से, गधे को पीछे से, शेर को नजदीक से कभी नहीं छेड़ना चाहिए लेकिन क्रोधी को तो कहीं से भी नहीं छेड़ना चाहिए। जो भी मिला है हमें वो दादा आदिनाथ प्रभु की कृपा से मिला है। मंदिर में आते है तो दादा की कृपा प्राप्त करने आते है। दादा की कृपा से मिला है, ऐसी तख्ती हम कहीं नहीं लगाते तो जब हम दादा के मंदिर में या संघ में कुछ अर्पण करतें है तो अपने नाम लगाने की अपेक्षा क्यों रखतें है?

मल्लिकार्जुन खड़गे को प्रधानमंत्री पद का उम्मीदवार घोषित करें

क्या कांग्रेस सचमुच अनुसूचित जातियों, जनजातियों और अन्य पिछड़ा वर्गों की परवाह करती है: विजयेंद्र

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो।

भाजपा के प्रदेश अध्यक्ष और विधायक बी.वाई. विजयेंद्र ने भारत में पिछड़े वर्गों, अनुसूचित जातियों (एससी), अनुसूचित जनजातियों (एसटी) और अल्पसंख्यकों के प्रति कांग्रेस पार्टी और मुख्यमंत्री सिद्धरामैया की ईमानदारी पर सवाल उठाए हैं। भाजपा के प्रदेश कार्यालय, जगन्नाथ भवन में एक संवाददाता सम्मेलन में विजयेंद्र ने सिद्धरामैया की आलोचना करते हुए कहा वह खुद को पिछड़े वर्गों और अल्पसंख्यकों (अहिंदा) का हिमायती कहते हैं। उन्होंने कांताराजू आयोग की रिपोर्ट को कैबिनेट में पेश करने का दावा किया था। लेकिन दिल्ली से एक फोन कॉल और राहुल गांधी के निर्देश के बाद, 165 करोड़ की लागत वाली इस रिपोर्ट को कूड़ेदान में फेंक दिया गया। तब पिछड़े वर्गों के लिए आपकी चिंता कहाँ थी? उन्होंने हाल ही में बेंगलूरु में हुई अखिल भारतीय कांग्रेस कमेटी (एआईसीसी) की ओबीसी समिति की बैठक का जिक्र किया, जहाँ सिद्धरामैया ने दावा किया था कि देश की प्रगति के लिए सामाजिक न्याय जरूरी है और भारत के विकास के लिए वंचित वर्गों का उत्थान जरूरी है। विजयेंद्र ने सिद्धरामैया के दावों को सिरे से खारिज करते हुए कड़ी प्रतिक्रिया दी और कहा कि भाजपा कभी भी सामाजिक न्याय विरोधी नहीं रही है। उन्होंने याद दिलाया कि कांग्रेस ने ही अपने कार्यकाल में मंडल आयोग की अनदेखी की थी और 1956 में प्रधानमंत्री जवाहरलाल नेहरू के कार्यकाल में काका कालेलकर रिपोर्ट को खारिज कर दिया था। उन्होंने सवाल किया क्या सिद्धरामैया को यह इतिहास नहीं पता? विजयेंद्र ने नेहरू गांधी परिवार पर पिछड़े और अल्पसंख्यक समुदायों के साथ नौकरों जैसा व्यवहार करने का आरोप लगाया और कहा कि ऐसी पार्टी उन्हें कभी न्याय नहीं दिला सकती। उन्होंने आरोप लगाया कि सिद्धरामैया और एआईसीसी द्वारा ओबीसी तक पहुँच और भावनात्मक अपील सिर्फ इसलिए की जा रही है क्योंकि बिहार चुनाव नजदीक हैं। उन्होंने बताया कि आजादी के बाद से अब तक 75 सालों में से लगभग 55, 60 साल कांग्रेस ने देश पर राज किया, और लगभग 50 साल तक केंद्र में एक ही परिवार सत्ता में रहा। अगर 2025 में भी अन्याय हो रहा है, तो इसके लिए कौन जिम्मेदार है? उन्होंने कहा कि कांग्रेस को जिम्मेदारी लेनी चाहिए। विजयेंद्र ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के सफर पर प्रकाश डालते हुए कहा कि उनका जन्म किसी राजनीतिक परिवार में नहीं हुआ था, बल्कि वे एक अति पिछड़े वर्ग से आते हैं, उन्होंने कड़ी मेहनत की और गुजरात के मुख्यमंत्री (2001-2014) और पिछले 11 सालों से भारत के प्रधानमंत्री बने।

सिद्धरामैया, जो खुद को पिछड़े वर्ग का नेता बताते रहते हैं, के विपरीत, मोदी ने कभी भी पहचान की राजनीति नहीं की, बल्कि सबका साथ, सबका विकास, सबका विश्वास, सबका प्रयास को बढ़ावा दिया। उन्होंने यह भी कहा कि कांग्रेस भाजपा को अल्पसंख्यक-विरोधी और सामाजिक न्याय-विरोधी बताने की कोशिश करती है, लेकिन उन्हें याद दिलाया कि राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू, जो एक आदिवासी महिला थीं, भाजपा के शासनकाल में चुनी गई थीं, और इससे पहले एपीजे अब्दुल कलाम को भी भाजपा ने ही राष्ट्रपति बनाया था। वर्तमान में, भाजपा के 6 मुख्यमंत्री अनुसूचित जाति जनजाति समुदायों से और 4 अन्य पिछड़ा वर्ग से हैं। ऐसे तथ्य जिनकी तुलना कांग्रेस नहीं कर सकती। अगर कांग्रेस को वाकई पिछड़े समुदायों की परवाह है, तो मल्लिकार्जुन खड़गे को अपना प्रधानमंत्री पद का उम्मीदवार घोषित करें। लेकिन वे ऐसा नहीं करेंगे, क्योंकि राहुल गांधी और सोनिया गांधी इसे कभी स्वीकार नहीं करेंगे। विजयेंद्र ने कांग्रेस पर विभिन्न जातियों में जहर फैलाने, राजनीतिक लाभ के लिए समाज को बांटने और अल्पसंख्यकों के प्रति झूठी चिंता दिखाने का आरोप लगाया। उन्होंने कहा कि इसके विपरीत, मोदी की नीतियाँ हमेशा समावेशी और दूरदर्शी रही हैं। उन्होंने तीन तलाक पर मोदी के साहसिक फैसले की भी प्रशंसा की, जिससे मुस्लिम महिलाओं को फायदा हुआ।

भाजपा उनसे नहीं डरती

उन्होंने राहुल गांधी और सिद्धरामैया के बयानों को खारिज करते हुए कहा कि भाजपा उनसे नहीं डरती। उन्होंने कहा जाति जनगणना के पीछे मोदी की मंशा नेक है। लेकिन सिद्धरामैया का नाटक और राजनीतिक ड्रामा अब और नहीं चलेगा। उन्होंने दावा किया कि कांग्रेस विधायक हताश और भ्रमित हैं, उन्हें समझ नहीं आ रहा कि सिद्धरामैया का समर्थन करें या डीके शिवकुमार का। उन्होंने कहा कांग्रेस पार्टी के भीतर स्पष्ट रूप से विधायकों की खरीद फरोख्त चल रही है। एक अन्य प्रश्न पर, उन्होंने कहा कि कर्नाटक में ड्रग माफिया कोई नई बात नहीं है और गुलबर्गा में, जहाँ प्रियांक खड़गे प्रभारी मंत्री हैं, समस्या गंभीर है। उन्होंने दावा किया कि ड्रग माफिया से जुड़े एक व्यक्ति के प्रियांक खड़गे से घनिष्ठ संबंध हैं, और उन्होंने कर्नाटक में ड्रग माफिया के खिलाफ सख्त कार्रवाई की मांग की।

अखिल भारतीय कांग्रेस कमेटी के महासचिव सुरजेवाला ने मंत्रियों के साथ अलग से बैठक की

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो।

अखिल भारतीय कांग्रेस कमेटी के महासचिव रणदीप सिंह सुरजेवाला ने बुधवार को कुछ मंत्रियों के साथ अलग से बैठक की। सुरजेवाला, जिन्होंने विधायकों के साथ बैठक कर उनके निर्वाचन क्षेत्रों और पार्टी संगठन की समस्याओं पर चर्चा की थी, मंत्रियों के साथ बैठक की। सुबह, उन्होंने प्रत्येक मंत्री के साथ अलग से बैठक की और प्रशासनिक व्यवहार, विभाग प्रबंधन, पार्टी नेताओं, कार्यकर्ताओं और पार्टी संगठन पर दिए जाने वाले जोर जैसे मुद्दों पर उनकी राय ली। सुबह, उन्होंने मंत्री ईश्वर खंड्रे के साथ बैठक की और आवश्यक जानकारी प्राप्त की। उच्च पदस्थ सूत्रों ने बताया कि मंत्री ने सुरजेवाला को वन अतिक्रमण हटाने, वन संरक्षण को प्राथमिकता देने और वन्यजीव संरक्षण पर जोर देने के संबंध में विभाग द्वारा उठाए गए कदमों की जानकारी दी। बताया जा रहा है कि ईश्वर खंड्रे से वन विभाग के बारे में जानकारी प्राप्त करने वाले सुरजेवाला ने बीदर जिले के कांग्रेस नेताओं को विश्वास में लिया है और उन्हें सभी को एकजुट करने के निर्देश दिए हैं ताकि पार्टी में असहमति की कोई गुंजाइश न रहे। ईश्वर खंड्रे के अलावा, सुरजेवाला मंत्रियों कृष्णा बायरे गौड़ा, एम.बी. पाटिल, रामलिंगा रेड्डी, के.जे. जॉर्ज, चेलुवरायस्वामी, परमेश्वर और एच.के. पाटिल के साथ भी अलग अलग बैठक कर उनकी राय जानेंगे।

सरकार के आश्वासन के बाद नगर निगम कर्मचारियों ने हड़ताल वापस ली

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो।

शहरी विकास मंत्री बैरती सुरेश द्वारा नगर निगम कर्मचारी संघ के पदाधिकारियों के साथ की गई वार्ता सफल रही और कर्मचारियों ने हड़ताल वापस लेने की घोषणा की है।

यह निर्णय राज्य के नगर निगम कर्मचारी संघ के अध्यक्ष अमृतराज और सरकारी कर्मचारी संघ के अध्यक्ष शदाक्षरी के नेतृत्व में विकास सौधा में पदाधिकारियों के साथ मंत्री द्वारा आयोजित बैठक में लिया गया। कर्मचारी संघों ने सरकार के समक्ष नगर निगमों के सामान्य नियुक्ति नियम 2011 में व्यापक संशोधन, नगर निगम कर्मचारियों को पूर्ण सरकारी कर्मचारी मानने और नगर निगमों के अधिकारियों व कर्मचारियों को सरकारी कर्मचारियों की तरह केजीआईडी, जीआईएस और जीपीएफ सुविधाएं प्रदान करने सहित कई मांगें रखी थीं। बैठक के बाद, मंत्री बैरती सुरेश ने बैठक की जानकारी दी और कहा कि उन्होंने विभाग के अधिकारियों को निगम कर्मचारियों को समय पर

वेतन भुगतान और सी एंड आर नियमों में संशोधन के लिए वित्त विभाग से अनुमोदन प्राप्त करने के निर्देश दिए हैं। कर्मचारियों ने नगर आयुक्तों के पदों के सृजन की मांग की थी। हालाँकि, जोनल कमिश्नरों के पदों के सृजन पर अंतिम निर्णय कानूनी दायरे में लिया जाएगा। उन्होंने कहा कि उन्होंने आश्वासन दिया है कि वित्त विभाग से इस पर राय मिलते ही कार्रवाई की जाएगी। उन्होंने वित्त विभाग के अधिकारियों को पर्यावरण अभियंताओं के स्वीकृत पदों को भरने की स्वीकृति देने के निर्देश दिए। सरकार सरकारी कर्मचारियों की तर्ज पर नगर निगम कर्मचारियों के लिए सामूहिक बीमा योजना (जीआईएस) लागू करने के लिए तैयार है। मंत्री ने कहा कि कर्मचारी बीमा प्रीमियम राशि का अपना हिस्सा देने को तैयार हैं। इस संदर्भ में, उन्होंने उच्च अधिकारियों को आदेश दिया कि वे कर्मचारियों की सामूहिक बीमा योजना की शेष राशि नगर निगमों द्वारा वहन करने पर पड़ने वाले वित्तीय बोझ पर विचार करने के बाद अंतिम निर्णय लें।

मंत्री ने कहा कि निगमों के कर्मचारियों को हर साल खेलकूद एवं सांस्कृतिक कार्यक्रमों के आयोजन का खर्च इस तरह से वहन करने का निर्देश दिया गया है जिससे उन पर आर्थिक बोझ न पड़े। साथ ही, कर्मचारियों की अन्य मांगों को भी वित्तीय स्थिति को ध्यान में रखते हुए चरणबद्ध तरीके से पूरा करने का आश्वासन दिया गया है। सरकारी कर्मचारियों के लिए लागू ज्योति संजीवनी स्वास्थ्य बीमा योजना का विस्तार निगम कर्मचारियों पर भी करने पर सहमति बनी है। इस योजना के तहत, कर्मचारियों से बीमा राशि में उनके हिस्से और निगमों द्वारा समतुल्य राशि वहन करने के लाभ हानि के बारे में पूछताछ की जाएगी। इसके अलावा, उन्होंने घोषणा की कि कर्मचारियों के चिकित्सा व्यय को स्वीकृत करने का अधिकार संबंधित निगमों के आयुक्तों को देने का एक महत्वपूर्ण निर्णय लिया गया है। शदाक्षरी और अमृतराज ने हड़ताल समाप्त होने के बाद अधिकांश माँगों को पूरा करने के मंत्री के वादे के लिए उन्हें बधाई और शुभकामनाएं दीं।

जमीन विवाद को लेकर हुए उपद्रवी की हत्या के मामले में भाजपा विधायक पर मामला दर्ज

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो।

पूर्व शहरी विकास मंत्री बिरथी बसवराज सहित पाँच लोगों पर बुधवार को बेंगलूरु में एक उपद्रवी और रियल एस्टेट एजेंट की हत्या का मामला दर्ज किया गया है। यह प्राथमिकी मृतक की माँ विजयलक्ष्मी की शिकायत पर दर्ज की गई है, जिन्होंने मंगलवार को हुई हत्या की प्रत्यक्षदर्शी होने के बावजूद यह घटना देखी थी। उन्होंने बताया कि उनके 44 वर्षीय बेटे शिवप्रकाश को फरवरी 2025 से एक संपत्ति विवाद को लेकर भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) विधायक के सहयोगियों से जान का खतरा था। शिवप्रकाश ने इस बारे में पुलिस में शिकायत भी की थी। उन्होंने आरोप लगाया कि उनके बेटे की हत्या अज्ञात हमलावरों ने की है, जिन्हें के.आर. पुरम से विधायक ने उकसाया था। विधायक को प्राथमिकी में पाँचवें आरोपी के रूप में सूचीबद्ध किया गया है। विजयलक्ष्मी के अनुसार, मंगलवार की रात लगभग 8.10 बजे, शिवप्रकाश, उनके ड्राइवर इमरान खान और उनके एक दोस्त लोकेश, भारतीनगर स्थित उनके घर के सामने सड़क पर बातचीत कर रहे थे।

जब उन्होंने पहली मंजिल की बालकनी से बाहर देखा, तो उन्होंने देखा कि कुछ अज्ञात हमलावर शिवप्रकाश पर हमला कर रहे हैं। जब इमरान खान ने उनके बेटे को बचाने की कोशिश की, तो उन पर भी घातक हथियारों से हमला किया गया।

उन्होंने लोकेश को अपने मोबाइल फोन पर हमले का वीडियो बनाते देखा। वह मदद के लिए चिल्लाईं। लोगों को मौके पर दौड़ता देख हमलावर भाग गए। तब तक उनके बेटे शिवप्रकाश की मौत हो चुकी थी। उन्होंने बताया कि शिवप्रकाश पिछले एक साल से एक्सट्रीम पॉइंट (प्रमोटर्स एंड डेवलपर्स) प्राइवेट लिमिटेड के तहत रियल एस्टेट का कारोबार कर रहे थे।

उन्होंने बताया कि उनके बेटे को 2023 में कोठानूर में एक जमीन के प्लॉट के लिए जनरल पावर ऑफ अटॉर्नी (जीपीए) मिल गई थी। उन्होंने एक शेड बनवाया था और वहाँ दो महिलाओं को सुरक्षा गार्ड के रूप में रहने की व्यवस्था की थी। फरवरी 2025 में, दो आदमी - जगदीश उर्फ जग्गा और किरण - जमीन के टुकड़े में जबरन घुस आए। उन्होंने वहाँ रहने वाली दो महिलाओं को बाहर निकाल दिया। बाद में, विजयलक्ष्मी ने दावा किया कि जगदीश ने शिवप्रकाश को फोन करके धमकी दी कि अगर उसने जीपीए उसके नाम पर ट्रांसफर नहीं किया, तो वह उसे 'जिंदा नहीं छोड़ेगा' क्योंकि यह उसका इलाका है। उन्होंने अपनी शिकायत में कहा मेरा बेटा शिकायत कर रहा था कि उसे जगदीश, किरण, अनिल, विमल और के.आर. पुरम के विधायक बिरथी बसवराज से जान का खतरा है। उसने इस संबंध में पुलिस को कई याचिकाएँ दी थीं। उन्हें संदेह है कि बसवराज के कहने पर इन चार लोगों ने उनके बेटे की हत्या की है।

उपद्रवी हत्याकांड से मेरा कोई लेना-देना नहीं: विधायक

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो। के.आर. पुरम विधायक बिरथी बसवराज ने कहा कि राउडी शिवप्रकाश हत्याकांड से उनका कोई लेना-देना नहीं है। पुलिस ने अचानक उनके खिलाफ मामला दर्ज कर लिया है। क्या कोई एफआईआर दर्ज कर सकता है? क्या एफआईआर दर्ज करने से पहले उन्हें मुझसे जानकारी मिली थी? वह इस बात से आहत हैं कि उनका नाम इस मामले में लाया गया है। इसके पीछे कोई राजनीतिक मकसद हो सकता है। उन्होंने कहा कि वह कानूनी लड़ाई लड़ेंगे। उन्हें मारे गए व्यक्ति के बारे में कोई जानकारी नहीं है। पुलिस ने बिना बयान दिए मामला दर्ज कर लिया है। उन्होंने कहा कि इसके पीछे एक धूर्त मकसद है।

मानसून में भी नारियल पानी की कीमतों में गिरावट नहीं

श्रावण में नारियल की कीमतों में बढ़ोतरी की संभावना

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो। बादल छाए रहने, गर्मी न पड़ने और लगातार बारिश के बावजूद, अकेले नारियल पानी की कीमत 70 रुपये तक पहुँच गई है। मानसून के मौसम में नारियल पानी की कीमत 70 रुपये तक पहुँच गई है, जिससे उपभोक्ता हैरान हैं। यह पहली बार है जब नारियल पानी की कीमत में इतनी वृद्धि हुई है। पिछले दो वर्षों से पैदावार में गिरावट आ रही है, और नारियल पानी, नारियल और खोपरे की कीमतों में वृद्धि हुई है। नारियल की पैदावार में तीसरे स्थान पर रहने वाले कर्नाटक में इस बार पैदावार में काफी कमी आई है। इस वजह से कीमतें आसमान छू रही हैं। कीटों, तना छेदक, ब्लैकहेड वर्म के संक्रमण और अन्य बीमारियों के कारण किसान नारियल और सुपारी की खेती से दूर हो गए हैं। इस वजह से पैदावार में कमी आई है। नारियल के बागानों के साथ सुपारी के पौधे भी लगाए जा रहे हैं, और इससे पैदावार पर भी असर पड़ा है। न केवल नारियल पानी, बल्कि नारियल, खोपरा और छिलकों की कीमतों में भी वृद्धि हुई है, जिससे उपभोक्ता चिंतित हैं। आषाढ़ बीत चुका है और श्रावण आ रहा है। इस पृष्ठभूमि में, त्योहारों, शादियों और शुभ कार्यों की एक श्रृंखला चल रही है। व्यापारी बोमलिंगैया ने कहा कि नारियल की माँग बढ़ने और कीमतों में भी वृद्धि होने की संभावना है।

अगले कुछ दिनों तक तटीय-पर्वतीय क्षेत्र में भारी बारिश का अनुमान

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो। राज्य के तटीय इलाकों में भारी बारिश जारी है, जबकि अंदरूनी इलाकों में छिटपुट मध्यम बारिश हो रही है। मौसम पूर्वानुमान के अनुसार, 20 जुलाई तक बारिश जारी रहेगी। तटीय और मलनाड क्षेत्रों में भारी बारिश की संभावना है। राज्य में बारिश बढ़ जाएगी। कुछ स्थानों पर, खासकर तटीय और मलनाड क्षेत्रों में, भारी और बहुत भारी बारिश का अनुमान है। हालाँकि, उत्तरी और दक्षिणी आंतरिक इलाकों में छिटपुट बारिश की संभावना है। दक्षिणी आंतरिक इलाकों में कुछ ही स्थानों पर बारिश हो रही है, और जून की तरह जुलाई में भी बारिश की कमी जारी है, और किसान बुवाई न कर पाने को लेकर चिंतित हैं। कर्नाटक प्राकृतिक आपदा निगरानी केंद्र के अनुसार, उत्तर कन्नड़, उडुपी, दक्षिण कन्नड़ और कोडागु जिलों में मंगलवार को व्यापक वर्षा हुई।

शिवमोग्गा, चिक्कमगलूरु, बेलगावी और हावेरी जिलों में मध्यम वर्षा हुई। बाकी कुछ ही स्थानों पर 137 मिमी बारिश हुई। उत्तर कन्नड़ जिले के सिद्धपुर तालुका के नीलकुंडा ग्राम पंचायत क्षेत्र में भारी वर्षा दर्ज की गई है। तटीय और तटीय जिलों में व्यापक वर्षा होगी, कुछ स्थानों पर मध्यम वर्षा की संभावना है। बेंगलूरु के आसपास बादल छाए रहेंगे और कुछ स्थानों पर हल्की से मध्यम वर्षा हो सकती है।

गंगोली नाव हादसा, एक मछुआरे का शव मिला, दो अन्य की तलाश जारी

उडुपी/शुभ लाभ ब्यूरो। गंगोली तट पर एक मछली पकड़ने वाली नाव के पलट जाने के बाद लापता हुए तीन मछुआरों में से एक का शव बरामद कर लिया गया है। मृतक की पहचान लोहित खारवी (39) के रूप में हुई है। उसका शव बुधवार को सुबह लगभग 4.30 बजे विशेषज्ञ गोताखोर दिनेश खारवी के नेतृत्व वाली टीम को कोडी समुद्र तट के पास मिला। यह त्रासदी 15 जुलाई की सुबह गंगोली के पुराने मुहाने के पास हुई, जब चार मछुआरों को ले जा रही एक नाव एक भयंकर तूफान में फंसने के बाद पलट गई। इनमें से, मलयारबेट्टू के संतोष खारवी को स्थानीय मछुआरों ने बचा लिया। शेष दो मछुआरों, जिनकी पहचान सिपाही सुरेश खारवी (48) और जगन्नाथ खारवी (50) के रूप में हुई है, की तलाश अभी भी जारी है। हालाँकि, लगातार बारिश, तेज हवाओं और उबड़-खाबड़ समुद्र के कारण बचाव अभियान में बाधा आ रही है। लगभग 8 से 10 नावें जो मंगलवार की सुबह समुद्र में निकली थीं। यह बदकिस्मत टीम सुबह लगभग 6 बजे निकली थी, लेकिन बिगड़ते तूफान और बढ़ते हवा के दबाव के कारण, वे वापस लौटने लगे। जैसे ही वे गंगोली मुहाना के द्वार के पास पहुँचे, उनकी नाव तेज हवा के झोंके में फँस गई और पलट गई। एक मछुआरा नाव से गिर गया, जिससे दो अन्य उसे बचाने के लिए कूद पड़े। दुर्भाग्य से, तीनों ही बह गए। केवल संतोष खारवी को ही बचाया जा सका। तूफान ने बचाव कार्यों को बेहद मुश्किल और खतरनाक बना दिया था।

कर्नाटक द्वारा भूमि अधिग्रहण की योजना रद्द करने के बाद

आंध्र प्रदेश के आईटी मंत्री ने एयरोस्पेस कंपनियों को किया आकर्षित

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो। कर्नाटक के मुख्यमंत्री सिद्धरामैया द्वारा बेंगलूरु के पास देवनहल्ली तालुका में एक एयरोस्पेस पार्क के लिए प्रस्तावित भूमि अधिग्रहण को वापस लेने की घोषणा के तुरंत बाद, परियोजना के लिए जमीन खोने वाले किसानों के लगातार विरोध के बाद, आंध्र प्रदेश के आईटी मंत्री नारा लोकेश ने एयरोस्पेस कंपनियों को आंध्र प्रदेश को एक विकल्प के रूप में चुनने का खुला निमंत्रण दिया है। भाजपा सांसद तेजस्वी सूर्या ने लोकेश की 'व्यावसायिक सूझबूझ' की प्रशंसा की, लेकिन बाद में उन्होंने अपना सोशल मीडिया पोस्ट हटा दिया। लोकेश ने कर्नाटक सरकार के फैसले पर एक खबर टैग करते हुए

कहा प्रिय एयरोस्पेस उद्योग, यह सुनकर दुख हुआ। मेरे पास आपके लिए एक बेहतर विचार है। आप आंध्र प्रदेश पर विचार क्यों नहीं करते? हमारे पास आपके लिए एक आकर्षक एयरोस्पेस नीति है, जिसमें सर्वश्रेष्ठ प्रोत्साहन और 8000 एकड़ से अधिक उपयोग के लिए तैयार भूमि (बेंगलूरु के ठीक बाहर) है। आशा है कि जल्द ही आपसे बातचीत के लिए मुलाकात होगी। उनके पिता और आंध्र प्रदेश के मुख्यमंत्री एन. चंद्रबाबू नायडू ने इससे पहले अनंतपुर जिले में हिंदुस्तान एयरोनॉटिक्स लिमिटेड को संभावित विस्तार के लिए 10,000 एकड़ जमीन देने की पेशकश करके कर्नाटक में हलचल मचा दी थी। इस बीच, कर्नाटक के श्रम मंत्री संतोष लाड ने आश्वासन दिया कि राज्य सरकार भूमि अधिग्रहण के मुद्दे का समाधान निकालेगी। उन्होंने बताया पिछले पाँच दशकों से हम जीडीपी के मामले में पहले स्थान पर हैं। हम इसका समाधान निकालेंगे। किसानों की यह दृढ़ राय थी कि यह जमीन किसी और को नहीं दी जानी चाहिए। हमने किसानों से स्वेच्छा से अपनी जमीन देने को कहा है। इसका मतलब यह नहीं है कि परियोजना रद्द कर दी गई है। कर्नाटक सरकार ने एक एयरोस्पेस पार्क के लिए देवनहल्ली तालुका में 1,777 एकड़ जमीन अधिग्रहण का प्रस्ताव रखा था। परियोजना के लिए अंतिम अधिसूचना जारी होने के बावजूद, किसानों के विरोध के बाद सरकार ने 13 गाँवों में भूमि अधिग्रहण की प्रक्रिया रोक दी। मुख्यमंत्री ने बेंगलूरु में किसानों के प्रतिनिधियों के साथ बैठक के बाद भूमि अधिग्रहण प्रक्रिया स्थगित करने की घोषणा की। सिद्धरामैया ने यह घोषणा मंगलवार को किसानों के विरोध प्रदर्शन के 1,198वें दिन में प्रवेश करने पर की। हालाँकि, उन्होंने यह भी कहा कि सरकार उन किसानों की संपत्ति का अधिग्रहण करेगी जिन्होंने परियोजना के लिए स्वेच्छा से अपनी जमीन देने की पेशकश की है, और इसके लिए उन्हें ज्यादा मुआवजा और विकसित जमीन के हिस्से जैसी रियायतें दी जाएँगी।

गुणदृष्टि रखकर गुणग्राही बनें

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो। श्री जिन कुशल सूरी जैन दादावाड़ी ट्रस्ट बसवनगुड़ी के तत्वावधान में चातुर्मास हेतु विराजित साध्वी श्री हर्षपूर्णाश्रीजी ने अपने प्रवचन में कहा कि हमारे जीवन की संध्या कभी भी हो जाएगी उससे पहले हमें अपूर्ण से पूर्ण बनना है। शरीर, पदार्थ सभी अपूर्ण है।

हमें पूर्णता को प्राप्त करना है। हमारी इंद्रियां शिथिलता को प्राप्त करें उससे पहले हमें संसार के मोह, विषय-वासना को शिथिल कर लेना चाहिए। जो पुद्गल

क्षणभंगुर है, नाशवान है उनके पीछे हम भागते हैं।

लेकिन जो आत्मा के शाश्वत गुण अनंत ज्ञान, अनंत दर्शन, अनंत चारित्र, अनंत तप, अनंत वीर्य आदि हैं उनके प्रति हम उदासीन रहते हैं। हमें गुण दृष्टि रखते हुए गुणग्राही बनना चाहिए। पुण्योदय से धन तो मिल सकता है लेकिन गुण नहीं मिल सकते हैं। गुण तो हमें संस्कारों से ही प्राप्त हो सकते हैं।

पुस्तकों से बाह्य विद्वान तो बन सकते हैं, लेकिन गुरुगम्य से ही गुण सम्पन्न बन सकते हैं। हमें गुणग्राही दृष्टि रखकर गुणवान बनना चाहिए। इस जगत की समस्त आत्माएं गुणवान है लेकिन उन आत्म गुणों पर अज्ञान का आवरण चढ़ा हुआ है। कर्मजन्य संयोग के कारण हमारी आत्मा को अपूर्ण माना है लेकिन आत्मा तो पूर्ण है। ज्ञानसूर्य पर अंधकार का आवरण चढ़ गया है, हमें उसे दूर करना है।

युवानिधि योजना के तहत 7 अगस्त तक विशेष पंजीकरण की अनुमति

मांड्या/शुभ लाभ ब्यूरो। राज्य सरकार की महत्वाकांक्षी युवानिधि योजना के अंतर्गत शैक्षणिक वर्ष 2024-2025 में स्नातक/स्नातकोत्तर और डिप्लोमा की पढ़ाई करने वाले और 2025 में उत्तीर्ण होने वाले अभ्यर्थियों के पंजीकरण की अनुमति सरकार ने दे दी है। पात्र अभ्यर्थी सेवासिंधु पोर्टल पर अपना नाम पंजीकृत करा सकते हैं। 7 अगस्त तक विशेष पंजीकरण अभियान चलाया गया है। पात्र लाभार्थी इसका लाभ उठाएँ। इस योजना के अंतर्गत स्नातकों को 3000 रुपये प्रति माह और डिप्लोमा धारकों को 1500 रुपये प्रति माह बेरोजगारी भत्ता दिया जाएगा।

परिणाम के बाद 180 दिन की बेरोजगारी अवधि पूरी करने वाले अभ्यर्थियों को सीधे नकद राशि हस्तांतरित की जा रही है। इसके बाद, हर महीने युवानिधि योजना का लाभ उठाने के लिए, उम्मीदवार को हर महीने की 25 तारीख तक सेवा सिंधु पोर्टल पर यह स्व-घोषणा करना अनिवार्य है कि वह बेरोजगार है, उच्च शिक्षा प्राप्त नहीं कर रहा है और स्व-रोजगार नहीं करता है। उम्मीदव-रों को अगला भुगतान स्व-घोषणा के आधार पर प्राप्त होगा।

हम उद्योगों को जमीन मुहैया कराएंगे, कारोबारियों को चिंता करने की जरूरत नहीं: मंत्री एम.बी. पाटिल

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो। बड़े और मध्यम उद्योग मंत्री एम बी पाटिल ने कहा है कि आंध्र प्रदेश के मंत्री नारा लोकेश के बुलाने पर राज्य का कोई भी व्यवसायी वहाँ नहीं जाएगा। पत्रकारों से बात करते हुए उन्होंने कहा कि रक्षा और एयरोस्पेस पार्क की स्थापना के लिए देवनहल्ली में होने वाले भूमि अधिग्रहण को किसानों के हित में छोड़ना पड़ा।

लेकिन उन्होंने कहा कि इन व्यवसायियों को जहाँ भी वे माँगेंगे, जमीन दी जाएगी। एयरोस्पेस क्षेत्र में राज्य की देश में 65 प्रतिशत हिस्सेदारी है। वैश्विक स्तर पर, हमारे पास तीसरा सबसे अच्छा कार्य वातावरण है। वे सिर्फ इसलिए वहाँ नहीं जाएँगे क्योंकि हम व्यवसायियों को जमीन देते हैं। पर्यावरण भी एक महत्वपूर्ण भूमिका निभाता है। मैंने

नारा लोकेश का ट्वीट भी देखा है। मैंने वहाँ जवाब भी दिया है। एम बी पाटिल में भी क्षमता है। कर्नाटक राज्य भी सक्षम है। राज्य के कई हिस्सों में, न केवल एयरोस्पेस, बल्कि एआई, डीप-टेक, आईटी आदि सभी प्रकार के उद्योगों के लिए जमीन उपलब्ध है। उन्होंने विश्वास व्यक्त किया कि वे एक भी व्यवसायी को कर्नाटक छोड़ने नहीं देंगे। हम एयरोस्पेस उद्योगों को न केवल जमीन देंगे, बल्कि पानी और बिजली भी देंगे। पाटिल ने कहा कि राज्य के औद्योगिक क्षेत्रों के लिए हमारे हिस्से के पानी का उपयोग करने के लिए 3,600 करोड़ रुपये की लागत से एक व्यापक योजना तैयार की गई है। प्रदेश भाजपा अध्यक्ष बी.वाई. विजयेंद्र अब उद्यमियों की ओर से बोल रहे हैं। अगर सरकार देवनहल्ली तालुका के किसानों की जमीन अधिग्रहण के लिए आगे आती, तो वे किसानों की ओर से बोलते। उन्होंने जोर देकर कहा कि विपक्षी दल कुछ भी करें, मेरे लिए सिर्फ राज्य का हित ही महत्वपूर्ण है।

मेंगलूरु, उडुपी में गारंटी योजनाओं के लिए भाजपा नेताओं की कतारें लग रहीं: शिवकुमार

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो। राज्य के उपमुख्यमंत्री डी. के. शिवकुमार ने राज्य की गारंटी योजनाओं के आलोचकों पर पलटवार करते हुए कहा है कि मेंगलूरु और उडुपी में कांग्रेस को कम वोट मिले, लेकिन इन क्षेत्रों में भाजपा समर्थक ही लाभ पाने के लिए कतार में खड़े हुए हैं। केपीसीसी के भारत जोड़ो भवन में बीबीएमपी गारंटी योजना कार्यान्वयन समिति की बैठक के दौरान शिवकुमार ने कहा मेंगलूरु और उडुपी में हमें ज्यादा वोट नहीं मिले, फिर भी भाजपा नेता हमारी गारंटी योजनाओं का लाभ लेने के लिए कतार में खड़े हुए। ज्यादातर लाभार्थी इन्हीं इलाकों से हैं। इसलिए मैं विपक्ष को चुनौती देता हूँ - अगर आपको ये योजनाएँ

नहीं चाहिए, तो लाभ वापस कर दें। शिवकुमार ने कहा कोई लाभार्थी होने के बाद उसी योजना की आलोचना कैसे कर सकता है जिसने उनकी मदद की? मुझे युवाओं और महिलाओं पर भरोसा है, यही वजह है कि हमारी योजनाएँ इन्हीं समूहों पर केंद्रित हैं। गारंटी समितियों में महिलाओं को जिम्मेदारियाँ सौंपी गई हैं। उन्होंने आगे कहा कि विपक्षी नेता सरकार के काम की आलोचना कर सकते हैं, लेकिन ये आल-ोचनाएँ फीकी पड़ जाएँगी और कांग्रेस सरकार का काम कायम रहेगा।

शिवकुमार ने पार्टी कार्यकर्ताओं से हर वार्ड और पंचायत में गारंटी योजना की बैठकें आयोजित करने का आग्रह किया। पूर्व उम्मीदव-ारों, ब्लॉक अध्यक्षों और पूर्व पार्षदों को संबोधित करते हुए उन्होंने कहा इससे हमारे जमीनी कार्यकर्ताओं को बल मिलेगा। आपका भविष्य इस बात पर निर्भर करता है कि आप इस योजना से कितनी सक्रियता से जुड़ते हैं। अगर आपको लगता है कि मेरे या एच एम रेवन्ना के साथ फोटो खिंचवाने से आपको बीबीएमपी चुनाव का टिकट मिल जाएगा, तो यह बात अपने दिमाग से निकाल दीजिए। आपको स्थानीय स्तर पर अपनी प्रतिबद्धता साबित करनी होगी। उन्होंने आगे कहा कि सरकार जल्द ही वार्ड आरक्षण को अंतिम रूप देगी और केवल बूथ स्तर पर मजबूत जन-सम्पर्क वाले ही जीत की उम्मीद कर सकते हैं। अपना गारंटी समिति पहचान पत्र प्राप्त करने के लिए बीबीएमपी अधिकारियों से संपर्क करें। इससे आपको घर-घर जाकर लोगों से मिलने का अधिकार मिलेगा। मुझे एक और राज्य बताइए जहाँ गारंटी समिति के अध्यक्षों को पद दिए जाते हों - ऐसा सिर्फ यहीं हो रहा है। मैं एनएसयूआई से लेकर प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष तक एक कार्यकर्ता के रूप में उभरा हूँ। मैं आपके संघर्षों को समझता हूँ। उन्होंने कार्यकर्ताओं को आश्वस्त करते हुए कहा कि यद्यपि सभी को एक साथ सत्ता के पदों पर नहीं रखा जा सकता, लेकिन समय आने पर उन्हें उपयुक्त भूमिकाएं दी जाएंगी।

गैंगस्टर लॉरेंस बिश्नोई बनकर व्यवसायी को धमकाने के आरोप में चार गिरफ्तार

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो। शहर के एक व्यवसायी को धमकी भरा कॉल आने के बाद बेंगलूरु पुलिस ने उत्तर प्रदेश के तीन गैंगस्टरों सहित चार लोगों को गिरफ्तार किया है। कॉल करने वाले ने खुद को कुख्यात गैंगस्टर लॉरेंस बिश्नोई बताया था। गिरफ्तार किए गए लोगों में बेंगलूरु के मावली निवासी 34 वर्षीय मोहम्मद रफी, मेरठ निवासी 45 वर्षीय शीशपाल सिंह उर्फ मोंटी, 42 वर्षीय अमित चौधरी और 24 वर्षीय वंश सचदेव शामिल हैं। जांच में पता चला कि उत्तर प्रदेश का कोई भी व्यक्ति बिश्नोई से दूर-दूर तक जुड़ा नहीं था, जो अभिनेता सलमान खान को जान से मारने की धमकी देने और पंजाबी गायक सिद्धू मूसे

वाला की हत्या की कथित साजिश रचने के लिए कुख्यात है। पुलिस ने बताया कि बेंगलूरु के व्यवसायी को 9 जुलाई को एक कॉल आया था। कॉल करने वाले ने खुद को बिश्नोई बताते हुए एक करोड़ रुपये की मांग की, ऐसा न करने पर उसके बेटे का अपहरण कर लिया जाएगा। डरे हुए व्यवसायी ने तुरंत पुलिस से संपर्क किया। संयुक्त पुलिस आयुक्त (पश्चिम) सी. वामसी कृष्णा और पुलिस उपायुक्त (मध्य) हाके अक्षय मच्छिंद्र के मार्गदर्शन में टीमें गठित की गईं। रफी को सबसे पहले गिरफ्तार किया गया। बाद में पुलिस ने कॉल डिटेल रिकॉर्ड और अन्य तकनीकी जाँच के आधार पर दिल्ली से तीन अन्य लोगों को गिरफ्तार किया। इन सभी का आपराधिक इतिहास रहा है और इन्हें ट्रांजिट वारंट पर बेंगलूरु लाया गया है।

पुलिस के अनुसार, कई साल पहले रफी और शिकायतकर्ता के बीच एक व्यापारिक लेन-देन हुआ था, जो रफी की इच्छा के अनुसार नहीं हुआ और कुछ भुगतान लंबित था। एक पुलिस जाँचकर्ता ने कहा रफी पर लगभग 2 करोड़ रुपये का कर्ज था और वह पैसे की तलाश में था। रफी ने इस पूरी घटना की योजना तब बनाई जब वह अदालती मामलों के सिलसिले में दिल्ली गया था। उसकी मुलाकात कुछ वकीलों के जरिए अमित से हुई। हाजिरजवाबी के बाद, रफी ने अमित को योजना के बारे में बताया और अमित ने एक समाधान सुझाया। अमित ने दावा किया कि वह अपहरण की घटनाओं को अंजाम देने वाले लोगों को जानता है और रफी बेंगलूरु के व्यवसायी से जबरन वसूली के लिए उनका इस्तेमाल कर सकता है। एक अधिकारी ने बताया इसके बाद वे दो अन्य लोगों से मिले और एक शाम जब वे अमित के लॉज में शराब पी रहे थे, तो सोशल मीडिया पर लॉरेंस बिश्नोई के बारे में वीडियो और रील देखने के बाद उन्होंने उसका रूप धारण करने का फैसला किया। इसके बाद, एक कॉल की गई और धमकी दी गई। रफी ने तीनों के लिए रसद की व्यवस्था भी की। हमें पता चला है कि तीनों संदिग्ध यूपी में एक देसी पिस्तौल लाए थे। इसे जल्द ही जब्त कर लिया जाएगा।

हनुमंतनगर महिला मंडल ने साध्वीवृंद से आशीर्वचन ग्रहण किए

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो। हनुमंतनगर महिला मंडल की नव- मनोनित अध्यक्षा संगीता तातेड ने अपनी पूर्ण पदाधिकारी एवं कार्यकारिणी टीम के साथ विजयनगर में विराजमान साध्वीश्री संयमलता जी से विनीत भावों के साथ आशीर्वचन ग्रहण किए। इस अवसर पर महिला मंडल हनुमंतनगर से दो तपस्वी बहनें अध्यक्षा संगीता तातेड एवं कार्यकारिणी सदस्या रचना बोहरा 8 की तपस्या के साथ उपस्थित रहीं। अखिल भारतीय तेरापंथ महिला मंडल की कार्यकारिणी सदस्या शशिकला नाहर की भी उपस्थिति रही। पूर्व अध्यक्षा मंजू दक ने तपस्वी बहनों की अनुमोदना करते हुए अपने प्रेरणादायी विचार साझा किए। विजयनगर निवर्तमान अध्यक्ष मंजू जैन, हनुमंतनगर पूर्व अध्यक्ष मंजू दक, प्रचार प्रसार मंत्री राजुल चोपड़ा ने बेले एवं तेले की तपस्या के माध्यम से तपस्वी बहनों का अभिनंदन कर उनकी तप-शक्ति को सम्मानित किया। इस आयोजन में निवर्तमान अध्यक्षा सरोज दुगड़ एवं मंत्री मीनाक्षी देरासरिया की उपस्थिति रही।

शंखेश्वर तीर्थ पर श्रवण आरोग्यम मेडिकल कैम्प का भव्य आयोजन

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो। जीतो महिला विंग एपेक्स के तत्वावधान में श्रमण आरोग्यम टीम, जेएलडब्ल्यू गुजरात जोन एवं जैन डॉक्टर्स फेडरेशन के संयुक्त सहयोग से शंखेश्वर तीर्थ पर श्रवण आरोग्यम मेडिकल कैम्प का भव्य आयोजन किया गया। यह आयोजन आत्मिक सेवा, समर्पण एवं आध्यात्मिक संकल्प का सशक्त प्रतीक रहा, जिसमें समर्पण, सहयोग एवं संवेदनशी-लता की त्रिवेणी बहती नजर आई। इस तीन दिवसीय सेवा यज्ञ में 200 से अधिक साधु-साध्वी भगवंतों के स्वास्थ्य परीक्षण अत्यंत श्रद्धा व समर्पण के साथ किए गए। साथ ही गोचरी सेवा, उपकरण सेवा एवं वैयावच्च जैसे पावन कार्य भी पूरी भक्ति एवं श्रद्धा से संपन्न हुए। कार्यक्रम में श्रवण आरोग्यम चेयरमैन रमेश हरण, अध्यक्ष मलय शाह एवं कार्यकारिणी सदस्य पल्लवी राठौड़ की गरिमामयी उपस्थिति रही। गुजरात जोन के चेयरमैन संजीव

शाह सहित कुशल भंसाली, प्रकाश कानूंगो, रंजीत सोलंकी, नरेंद्र वेदमुथा, अशोक गजानन, सुरेश सोलंकी आदि गणमान्य व्यक्तियों ने अपने मार्गदर्शन एवं सक्रिय सहभागिता से आयोजन को सार्थकता प्रदान की। इस आयोजन का सफल नेतृत्व जेएलडब्ल्यू श्रमण आरोग्यम कन्वीनर सुनीता गांधी एवं गुजरात जोन कन्वीनर संगीता शाह ने किया। संचालन टीम में पिंकी जैन, अनीता पिरगल, बिंदु रायसोनी एवं संगीता धनाश ने तन-मन से सेवाकार्य का कुशल निर्वहन किया। एपेक्स कोर टीम की चीफ सेक्रेटरी ऋतु चोरड़िया, सेक्रेटरी शशि माण्डोत, कोषाध्यक्ष कविता शाह एवं प्रोजेक्ट कन्वीनस अनीता सेठिया, मोनिका सुराणा, अनुजा शाह, मंदाकिनी शाह की समर्पित भूमिका इस संकल्प को साकार करने में अत्यंत महत्वपूर्ण रही। इस पुण्य अभियान में जैन डॉक्टर्स फेडरेशन के 22 समर्पित चिकित्सकों ने अपनी सेवाएं प्रदान कीं, जिनका सेवा भाव और करुणा अहिंसा के आदर्श को प्रत्यक्ष रूप में प्रकट कर रही थी। बेंगलूरु भवन एवं हरण भवन की शानदार मेजबानी एवं व्यवस्थाओं ने आयोजन को सहज एवं गरिमामयी बनाया। श्वेता, सोनल, पूरब, सुमन एवं शैलेश के अदृश्य किन्तु अनथक प्रयासों ने आयोजन के हर पहलू को सुचारू रूप से संचालित किया। विशेष आभार ललिता गोलछा, निशा सामर एवं भारती हारदी का, जिनकी सतत प्रेरणा एवं मार्गदर्शन हमारे लिए शक्ति का स्रोत रहा है। यह श्रमण आरोग्यम मेडिकल कैम्प केवल एक कार्यक्रम नहीं, बल्कि जीतो महिला विंग की सेवा, स्वास्थ्य और साधना के प्रति अविचल निष्ठा का प्रतीक है। यह आयोजन दर्शाता है कि जब समर्पण, सहयोग और करुणा एक संकल्प के साथ जुड़ते हैं, तो उससे कितना व्यापक कल्याण संभव है।

बुजुर्ग एथलीट फौजा सिंह हिट एंड रन केस

गाड़ी से टक्कर मारने वाला एनआरआई गिरफ्तार

जालंधर, 16 जुलाई (एजेंसियां)।

दिग्गज मैराथन धावक फौजा सिंह की हिट-एंड-रन हादसे में हुई मौत के मामले में पंजाब पुलिस ने एक एनआरआई को पकड़ा है। पुलिस युवक से पूछताछ कर रही है। अनिवासी भारतीय अमृतपाल सिंह ढिल्लों को गिरफ्तार करने के साथ ही पुलिस ने फॉर्च्यूनर एसयूवी भी बरामद की है।

जालंधर के करतारपुर स्थित दसूपुर गांव के निवासी ढिल्लों को मंगलवार देर रात हिरासत में लिया गया और भोगपुर थाने में उससे पूछताछ चल रही है। उसे आज अदालत में पेश किया जाएगा और पुलिस रिमांड पर लिया जा सकता है। फौजा सिंह को टक्कर मारने वाला एनआरआई अमृतपाल सिंह ढिल्लों निवासी गांव दासूवाल करतारपुर को पुलिस ने देर रात घर से गिरफ्तार कर लिया।

एसएसपी जालंधर ग्रामीण हरविंदर सिंह विर्क ने बताया कि पूछताछ में आरोपी ने कहा कि वह नहीं जानता था कि जिसे उसने टक्कर मारी है वह फौजा सिंह हैं। बाद में टीवी पर देखा तो पता चला। पुलिस ने फॉर्च्यूनर के कुछ टूटे पार्ट घटनास्थल पर मिलने के बाद उन्हें एजेंसी से चेक करवाया और गाड़ी का मॉडल पता लगने के बाद हाईवे के साथ गांव के कैमरे भी चेक किया।

एसएसपी के मुताबिक आरोपी को पहले जालंधर आना था लेकिन एक्सीडेंट के बाद वह गांवों के रास्ते से होते हुए घर चला गया। अमृतपाल ने पूछताछ में बताया कि उसका पासपोर्ट गुम हो गया है जिसको लेकर वह वापस नहीं जा पाया।

जो गाड़ी थी, वह किसी तीसरे व्यक्ति के नाम पर थी जिसे वह चला रहा था। अमृतपाल सिंह टूरिस्ट वीजा पर कनाडा गया था और वहां वर्क परमिट पर काम कर रहा था।

उसकी तीन बहनें और मां भी कनाडा में है और पिता की मौत हो चुकी है। पुलिस ने आरोपी के खिलाफ केस दर्ज कर अन्य धाराएं भी जोड़ी है।

पुलिस के मुताबिक आरोपी अमृतपाल सिंह का कोई आपराधिक रिकॉर्ड नहीं है। वहीं आरोपी ने कहा कि जब जालंधर पठानकोट हाईवे पर फौजा सिंह को टक्कर मारी तो गाड़ी बहुत तेज थी और ब्रेक मारना मुश्किल था तो टक्कर मारने के बाद सीधे निकल गया।

एसएसपी ग्रामीण हरविंदर सिंह विर्क ने बताया कि सरदार फौजा सिंह एक ब्रिटिश मैराथन धावक थे, जिनकी उम्र लगभग 114 वर्ष थी। कल भोजन करने के बाद सरदार फौजा सिंह सड़क पर टहलने निकले उसी समय एक वाहन ने उन्हें टक्कर मार दी थी।

उन्हें जालंधर के श्रीमंत अस्पताल में भर्ती कराया गया। वहां शाम लगभग 7 बजे चोटों के कारण उनकी मृत्यु हो गई। आदमपुर पुलिस स्टेशन में संबंधित धाराओं के तहत एक प्राथमिकी दर्ज की गई है, जांच जारी है।

'उदयपुर फाइल्स' के प्रदर्शन पर लगी रोक हटाने से सुप्रीम कोर्ट का फिलहाल इनकार

नई दिल्ली, 16 जुलाई (एजेंसियां)।

उच्चतम न्यायालय ने उदयपुर में दर्जी कन्हैया लाल तेली की हत्या पर बनी हिंदी फिल्म 'उदयपुर फाइल्स' पर लगी अदालती रोक हटाने से बुधवार को इनकार कर दिया।

न्यायमूर्ति सूर्य कांत और न्यायमूर्ति जॉयमाल्या बागची की पीठ ने दिल्ली उच्च न्यायालय के अंतरिम रोक संबंधी आदेश में फिलहाल हस्तक्षेप से इनकार करते हुए कहा कि केंद्र सरकार निर्देशानुसार (दिल्ली उच्च न्यायालय के) फिल्म की जांच कर सकती है और तब तक ये मामला संबंधित याचिकाओं पर कोई सुनवाई के लिए लंबित रहेगा।

पीठ ने अपने आदेश में कहा, हम मामले को लंबित रखेंगे। हम उच्च न्यायालय के समक्ष भारत सरकार के दृष्टिकोण का लाभ उठा सकते हैं। मान लीजिए केंद्र कुछ गलत नहीं कहती है तो हम उसे देखेंगे। अगर केंद्रीय फिल्म प्रमाणन बोर्ड फिल्म में कुछ कटौती करता है तो भी हम उसका अध्ययन कर सकते हैं। अगर केंद्र इस मामले को नहीं ले रहा है, तो अलग बात है। हमें बताया गया है कि समिति गठित कर दी गई है और केंद्र इस पर विचार कर रहा है... हम एक-दो दिन इंतजार कर सकते हैं।

शीर्ष अदालत ने कहा कि फिल्म से संबंधित आपत्तियों पर कोई निर्णय लेने के लिए गठित समिति को इस मुद्दे पर तत्काल निर्णय लेना चाहिए।

पीठ ने इस मामले में अगली सुनवाई के लिए 21 जुलाई की तारीख मुकर्रर करते हुए कहा, हमें उम्मीद है कि समिति बिना समय गंवाएं पुनरीक्षण याचिका पर तुरंत निर्णय लेगी।

गौरतलब है कि यह फिल्म 11 जुलाई से प्रदर्शित होने वाली थी, लेकिन उससे पहले 10 जुलाई को दिल्ली उच्च न्यायालय ने उस पर अंतरिम रोक लगा दी थी। अदालत ने जमीयत उलेमा-ए-हिंद के अध्यक्ष अरशद मदनी और अन्य की याचिकाओं पर सुनवाई के बाद रोक संबंधी आदेश पारित किया था।

इस रोक संबंधी के आदेश को फिल्म निर्माता कंपनी ने शीर्ष अदालत में चुनौती दी है।

दूसरी ओर, कन्हैया लाल हत्याकांड के आरोपियों में शामिल मोहम्मद जावेद ने फिल्म पर रोक लगाने की गुहार लगाते हुए शीर्ष अदालत का दरवाजा खटखटाया है।

स्वर्ण मंदिर को तीसरी बार मिली बम से उड़ाने की धमकी, फर्जी आईडी से भेजा गया ई-मेल

चंड़ीगढ़, 16 जुलाई (एजेंसियां)।

पंजाब में अमृतसर स्थित स्वर्ण मंदिर को पिछले कुछ दिनों में तीसरी बार बम से उड़ाने की धमकी मिली है, जिसके बाद मंदिर और उसके आसपास सुरक्षा व्यवस्था कड़ी कर दी गयी है।

शिरोमणि गुरुद्वारा प्रबंधक समिति (एसजीपीसी) को एक फर्जी ई-मेल आईडी से मेल मिला है, जिसमें मंदिर के अंदर आरडीएक्स से भरे पाइपों से विस्फोट करने की धमकी दी गयी है।

सुरक्षा कारणों से संदेश के विवरण का खुलासा नहीं किया गया है, लेकिन बम निरोधक दस्ते और खोजी स्वानों को विस्फोटक

खोजने में लगाया गया है।

एसजीपीसी और अमृतसर पुलिस को हाई अलर्ट पर रखा गया है। बीएसएफ और पुलिस कमांडो वहां तैनात हैं। आने-जाने वालों पर निगरानी बढ़ा दी गयी है और सभी आगंतुकों पर कड़ी नज़र रखी जा रही है।

एसजीपीसी अध्यक्ष हरजिंदर सिंह धामी के अनुसार मंगलवार को भी केरल के मुख्यमंत्री और पूर्व मुख्य न्यायाधीश के नाम से एक फर्जी ई-मेल आईडी से ऐसी ही धमकी मिली थी। आज की धमकी 'आसिफ कपूर' नाम की एक आईडी से आयी है और यह पंजाब के मुख्यमंत्री भगवंत मान को भी भेजी गयी है।

श्री धामी के अनुसार, 15 जुलाई को केरल के मुख्यमंत्री और पूर्व मुख्य न्यायाधीश के नाम से एक फर्जी ई-मेल आईडी से ऐसी ही धमकी मिली थी। आज की धमकी 'आसिफ कपूर' नाम से एक आईडी से आयी है और यह पंजाब के मुख्यमंत्री भगवंत मान को भी भेजी गयी है।

अधिकारी इन धमकियों के स्रोत और उद्देश्य की जांच कर रहे हैं, जबकि एसजीपीसी ने मंदिर के आसपास सुरक्षा कड़ी करने की और साइबर सुरक्षा सुनिश्चित करने की मांग की है।

संसद को आम सहमति बनाकर चलाना सरकार की जिम्मेदारी : कांग्रेस

नई दिल्ली, 16 जुलाई (एजेंसियां)।

संसद के मानसून सत्र से ठीक पहले कांग्रेस ने सरकार को कहा है कि सदन की कार्यवाही शांतिपूर्वक चलाना सरकार की जिम्मेदारी है और इसके लिए उसका विपक्ष के साथ सहमति बनाकर चलना आवश्यक है।

कांग्रेस संचार विभाग के प्रभारी जयराम रमेश ने बुधवार को सोशल मीडिया पर एक पोस्ट में कहा कि सरकार का दायित्व संसद का शांतिपूर्वक संचालन करना है और संसद चले इसके लिए सरकार को विपक्ष के साथ सहमति बनाकर चलना होगा। उनका कहना था कि प्राय: देखा गया है कि इस सरकार ने पहले ऐसा नहीं किया है और दूसरे दलों को महत्व नहीं दिया है और सरकार अचानक विधेयक लाकर उसे संसद में बिना चर्चा के पारित करा देती है।

उन्होंने कहा, जब सरकार और विपक्ष के बीच आम सहमति होगी, तभी संसद ठीक से चलेगी और यह आम सहमति बनाने की ज़िम्मेदारी सरकार की होती है। ऐसा हर सरकार में होता आया है और हमने कई प्रधानमंत्रियों के कार्यकाल में ये होते देखा है, लेकिन दुर्भाग्य से, पिछले 11 वर्षों में जिस तरह से संसद में अचानक विधेयक पेश किए जाते हैं। फिर बिना किसी चर्चा के तुरंत पास करने के लिए कहा जाता है- यह लोकतंत्र के लिए सही नहीं है। लोकतंत्र में विपक्ष जो मुद्दे उठाता है, उसके लिए भी रास्ते निकालने होते हैं। लोकतंत्र में एकतंत्र का तोप नहीं चलाया जाता है।

केरल में निपाह के 675 मामले सामने आये

तिरुवनंतपुरम, 16 जुलाई (एजेंसियां)।

केरल में 675 लोग निपाह वायरस से संक्रमित मरीजों के संपर्क में आये हैं। इनमें से 38 उच्चतम जोखिम की श्रेणी में और 139 उच्च जोखिम वाली श्रेणी में हैं।

राज्य के स्वास्थ्य मंत्री वीना जॉर्ज ने मंगलवार शाम को इसकी पुष्टि की है। उन्होंने बताया कि राज्य के विभिन्न जिलों में कुल 675 लोग निपाह संक्रमण की सूची में हैं।

सुश्री जॉर्ज ने बताया कि पलक्कड़ में 347, मलप्पुरम में 210 ,कोझिकोड में 115, एर्नाकुलम में दो और त्रिशूर में एक मामला सामने आये हैं। मलप्पुरम में एक व्यक्ति वर्तमान में आईसीयू में भर्ती है और अब तक मलप्पुरम से लिए गए 82 नमूनों का परीक्षण किया है जिनकी रिपोर्ट निगेटिव आयी है।

उन्होंने बताया कि पलक्कड़ में 12 लोग आइसोलेशन में हैं जबकि पांच लोगों को अस्पताल से छुट्टी दे दी गई है। राज्यभर में 38 लोग उच्चतम जोखिम की श्रेणी में हैं और 139 लोग उच्च जोखिम की श्रेणी में हैं और उनकी निगरानी की जा रही है। सुश्री जार्ज के नेतृत्व में स्थिति की समीक्षा के लिए एक उच्च स्तरीय बैठक बुलाई गई जिसमें स्वास्थ्य विभाग के अतिरिक्त मुख्य सचिव, एनएचएम राज्य मिशन निदेशक, स्वास्थ्य सेवा निदेशक, चिकित्सा शिक्षा निदेशक, अतिरिक्त निदेशक, जिला कलेक्टर, जिला चिकित्सा अधिकारी, पुलिस अधिकारी और अन्य विभागीय प्रतिनिधि शामिल हुए।

दिल्ली के स्कूलों को फिर मिली बम से उड़ाने की धमकी

नई दिल्ली, 16 जुलाई (एजेंसियां)।

दिल्ली के स्कूलों को लगातार तीसरे दिन बुधवार को पाँच स्कूलों को बम से उड़ाने की धमकी मिली।

पुलिस के अनुसार द्वारका के सेंट थॉमस, वसंत कुंज के वसंत वैली स्कूल, हौज खास स्थित मदर्स इंटरनेशनल स्कूल, पश्चिम विहार स्थित रिचमंड ग्लोबल स्कूल और लोदी एस्टेट स्थित सरदार पटेल विद्यालय को बम से उड़ाने की धमकी मिली है। बम की धमकी के बाद आनन-फानन में एहतियात के तौर पर स्कूल परिसर को खाली करा लिया गया है। दिल्ली पुलिस, बम निरोधक दस्ता और अग्निशमन विभाग की टीम स्कूल परिसर में जांच कर रही है। फिलहाल किसी भी स्कूल में कोई संदिग्ध सामग्री नहीं मिली है। उल्लेखनीय है कि सोमवार और मंगलवार को भी कई स्कूलों को बम की धमकी भरे ईमेल मिले थे।

भारत बंगलादेश में सत्यजीत रे की पैतृक संपत्ति को संग्रहालय बनाने के लिए सहयोग देने को तैयार

नई दिल्ली, 16 जुलाई (एजेंसियां)।

भारत ने बंगलादेश के मैमनसिंह में प्रसिद्ध फिल्म निर्माता और साहित्यकार सत्यजीत रे की पैतृक संपत्ति को गिराए जाने पर खेद व्यक्त करते हुए बंगलादेश सरकार से अपने फैसले पर पुनर्विचार करने और इस जगह को संग्रहालय बनाए जाने पर विचार करने को कहा है।

भारत ने कहा है कि वह इस उद्देश्य को पूरा करने के लिए सहयोग देने को तैयार है।

विदेश मंत्रालय ने मंगलवार देर रात एक वक्तव्य जारी कर कहा कि बंगलादेश के मैमनसिंह में प्रसिद्ध फिल्म निर्माता और साहित्यकार सत्यजीत रे की पैतृक संपत्ति, जो उनके दादा और प्रख्यात साहित्यकार उपेंद्र किशोर रे चौधरी की थी को ध्वस्त किया जाना कष्टदायक है।

वक्तव्य में कहा गया है कि यह संपत्ति अभी बंगलादेश सरकार के स्वामित्व में है और जीर्ण-शीर्ण अवस्था में है।

इमारत की ऐतिहासिक स्थिति को देखते हुए जो बांग्ला सांस्कृतिक पुनर्जागरण का प्रतीक है, यह बेहतर होगा कि इसके विध्वंस पर पुनर्विचार किया जाए और साहित्य संग्रहालय तथा भारत और बंगलादेश की साझा संस्कृति के प्रतीक के रूप में इसकी मरम्मत और पुनर्निर्माण के विकल्पों पर विचार किया जाए।

विदेश मंत्रालय ने कहा है कि भारत इस उद्देश्य के लिए सहयोग देने को तैयार है।

बिहार के चार शहरों में आकाशीय आफत से 11 लोगों की मौत

पटना, 16 जुलाई (एजेंसियां)। बिहार के कई जिलों में आज आफत की बारिश हुई है, जिसमें किशोर, महिला और बुजुर्ग समेत कुल 11 लोगों की मौत हो गई। इस घटना में कई लोग घायल भी हो गये, जिनका इलाज अस्पताल में हो रहा है। पहली घटना वैशाली जिले की है, जहां राघोपुर थाना क्षेत्र के चांदपुरा क्रिकेट खेलने के दौरान आकाशीय बिजली की चपेट में आने से दो युवकों की मौके पर ही मौत हो गई। इस घटना में तीन युवक गंभीर रूप से झुलस गये हैं। घटना के बाद जुटे स्थानीय लोगों ने गंभीर रूप से झुलसे तीनों युवकों को इलाज के लिए स्थानीय अस्पताल में भर्ती कराया। मृतकों की पहचान राघोपुर थाना क्षेत्र के श्रीरामपुर निवासी विपिन कुमार (18) एवं चांदपुरा निवासी विजय कुमार (20) के रूप में की गई है। गंभीर रूप से झुलसे मुकुल कुमार और प्रिंस कुमार सहित तीन युवक अस्पताल में भर्ती हैं।

रेलवे में घूसखोरी रैकेट : सीबीआई ने पांच को पकड़ा

लखनऊ, 16 जुलाई (एजेंसियां)।

उत्तर रेलवे के गति शक्ति प्रोजेक्ट में घूसखोरी के रैकेट का खुलासा करते हुए सीबीआई ने 3 रेलकर्मियों समेत 5 आरोपियों को गिरफ्तार कर किया है। उनके पास से 3.30 लाख रुपए नकद और बैंक खाते में ली गई रिश्वत की रकम के पुख्ता सुबूत मिले हैं। सभी आरोपियों को राजधानी स्थित सीबीआई की विशेष अदालत में पेश करने के बाद 14 दिन की न्यायिक हिरासत में जेल भेज दिया गया। वहीं सीबीआई उत्तर रेलवे में असिस्टेंट एग्जीक्यूटिव इंजीनियर केके मिश्रा को तलाश रही है, जो छापे के दौरान फरार हो गया था।

सीबीआई ने हजरतगंज स्थित डीआरएम कार्यालय पर छापा मारने के बाद गति शक्ति प्रोजेक्ट के डिप्टी चीफ इंजीनियर विवेक कुशवाहा, सीनियर सेक्शन इंजीनियर अशोक रंजन, कार्यालय अधीक्षक अंजुम निशा के साथ टैंजेंट इंफ्राटेक प्राइवेट लिमिटेड कंपनी के कर्मचारी जिमी सिंह और कंपनी संचालक प्रवीण सिंह (वाराणसी से) को गिरफ्तार किया था। इससे पहले सीबीआई ने घूसखोरी के इस रैकेट का मुकदमा दर्ज किया था, जिसमें वाराणसी में तैनात छह रेलकर्मी भी नामजद किए थे। इसके बाद सीबीआई ने राजधानी स्थित डीआरएम कार्यालय में छापा मारकर विवेक कुशवाहा के पास से घूस के 2.50 लाख रुपए नकद और अशोक रंजन व अंजुम निशा के पास से 80 हजार रुपए नकद बरामद किए थे। यह रकम उन्हें जिमी सिंह ने दी थी।

सीबीआई को सूचना मिली थी कि लखनऊ में उत्तर रेलवे और वाराणसी में पूर्वोत्तर रेलवे के 6 रेलकर्मी गति शक्ति प्रोजेक्ट से जुड़े कार्यों के बिल के भुगतान के लिए ठेकेदारों से घूस लेते हैं। दिल्ली की टैंजेंट इंफ्राटेक कंपनी के प्रवीण कुमार सिंह और सिकंदर अली को प्रोजेक्ट के तहत भदोही में कार्य मिला था, जिसके कई बिलों का भुगतान डिप्टी चीफ इंजीनियर विवेक कुशवाहा ने घूस लेकर किया है। कई अन्य रेलकर्मी भी उससे लगातार घूस लेते हैं। प्रवीण ने अपने कर्मचारी जिमी सिंह के जरिये 21 जून और 26 जून को वाराणसी में राकेश रंजन को 2 लाख रुपए घूस की रकम व्हाट्सएप पर संपर्क कर एक क्लब में सौंपी थी।

इसी तरह 28 अप्रैल को अभिषेक गुप्ता ने प्रवीण से 50 हजार रुपए घूस बैंक खाते में ली थी, जो प्रवीण के अकाउंटेंट केशव चौधरी ने जमा की थी। कार्यालय सहायक मनीष भी घूस लेकर बिलों का भुगतान कराता था।

प्रवीण की कंपनी का 3 करोड़ रुपए का बिल मंजूरी के लिए एक महिला अधिकारी के पास भेजा गया था, जिसे घूस में हिस्सा देने का वादा किया गया था। मनीष ने 3 जुलाई को प्रवीण को बताया कि डीआरएम ने बिल में वेरिएशन की स्वीकृति दे दी है। इसी तरह लेखा विभाग के कर्मी योगेश गुप्ता, सीनियर क्लर्क सुशील कुमार राय भी कंपनी से नियमित रूप से घूस ले रहे थे। यह जानकारी भी मिली कि 13 जुलाई को प्रवीण ने जिमी से कहा था कि वह सोमवार को लखनऊ जाकर विवेक कुशवाहा को 7 लाख रुपए घूस की रकम सौंप दे।

राजधानी में तैनात गति शक्ति प्रोजेक्ट के डिप्टी चीफ इंजीनियर विवेक कुशवाहा के साथ वाराणसी में तैनात सीनियर डिवीजनल इंजीनियर (कोऑर्डिनेशन) राकेश रंजन, डीआरएम कार्यालय पूर्वोत्तर रेलवे, वाराणसी के कार्यालय अधीक्षक मनीष, सीनियर सेक्शन इंजीनियर अभिषेक गुप्ता, लेखा विभाग के कर्मी योगेश गुप्ता, सीनियर क्लर्क सुशील कुमार राय, टैंलेंज इंफ्राटेक प्राइवेट लिमिटेड के प्रवीन कुमार सिंह, जिमी सिंह और टैंलेंट इंडिया प्राइवेट लिमिटेड।

खबरें जो सोच बदल दे
शुभ लाभ
हिन्दी दैनिक समाचार पत्र

हिंदू लड़कियों का धर्मांतरण कराने वाले गिरोह की करतूत

छांगुर के गुर्गों ने गवाहों को धमकाया

इस्लामिक मूवमेंट की तैयारी कर रहा था छांगुर

बलरामपुर, 16 जुलाई (एजेंसियां)। अवैध धर्मांतरण और देश विरोधी गतिविधियों के सरगना जमालुद्दीन उर्फ छांगुर के गुंडे अपनी हरकतों से बाज नहीं आ रहे हैं। उन्होंने एटीएस के गवाहों को जान से मारने की धमकी दी है। धर्मांतरण गिरोह के सरगना छांगुर की करतूतों के रोज नए-नए खुलासे हो रहे हैं। जांच में यह भी सामने आया है कि छांगुर इस्लामिक मूवमेंट की तैयारी कर रहा था।

अवैध धर्मांतरण व देश विरोधी गतिविधियों के सरगना जमालुद्दीन उर्फ छांगुर के गुंडे गवाहों को धमका रहे हैं। एटीएस की जांच में गवाही देने वाले हरजीत कश्यप एवं कुछ अन्य लोगों को जान से मारने की धमकी दी गई है। हरजीत की तहरीर पर पुलिस ने तीन लोगों के खिलाफ मुकदमा दर्ज किया है। प्रभारी निरीक्षक अवधेश राज सिंह ने बताया कि तीनों आरोपियों की तलाश की जा रही है। हरजीत का आरोप है कि तीनों छांगुर के खास लोग हैं और उन पर बयान बदलने का दबाव बना रहे हैं, मना करने पर जान से मारने की धमकी दी है।

छांगुर नेपाल से सटे गांवों में धर्मांतरण का अड्डा स्थापित करने में जुटा था। इसके लिए उसने टीम तैयार की थी। यहीं से वह नेपाल में पैठ बनाने के प्रयास में था। इसके लिए 46 गांवों के युवाओं पर उसकी नजर थी। तकरीर के बहाने वह जलसों में परचे बांटकर यह जानने की कोशिश करता था कि सीमावर्ती युवाओं की सोच कैसी है। जिहाद के प्रति उनका नजरिया कैसा है। चिन्हित युवाओं को छांगुर धन देकर मजबूत बनाना चाहता था। सुरक्षा एजेंसियों के अनुसार सीमा पर इस्लामिक मूवमेंट के लिए करीब 10 करोड़ की रकम खर्च करने की तैयारी थी। देश विरोधी यह षड्यंत्र सफल होता उससे पहले छांगुर की असलियत सामने आ गई। यह अलग बात है कि अगस्त 2024 में छांगुर के खिलाफ एफआईआर दर्ज होने के आठ महीने तक बस जांच ही होती रही। कार्रवाई में तेजी मार्च के बाद ही आई। अप्रैल में बेटे के साथ सहयोगी नवीन रोहरा की गिरफ्तारी के बाद से छांगुर से लोग कन्नी काटने लगे थे। एटीएस अभी छांगुर से पूछताछ कर रही है। रिमांड कस्टडी में अभी दो दिन शेष है।

जांच में सामने आ रहा है कि नेपाल से सटे गांवों में धर्मांतरण का अड्डा स्थापित करने में जुटा था। इसके लिए उसने टीम तैयार की थी। यहीं से वह नेपाल में पैठ बनाने के प्रयास में था। इसके लिए 46 गांवों के युवाओं पर उसकी नजर थी। तकरीर के बहाने वह जलसों में परचे बांटकर यह जानने की कोशिश करता था कि सीमावर्ती युवाओं की सोच कैसी है। जेहाद के प्रति उनका नजरिया कैसा है।

चिन्हित युवाओं को छांगुर धन देकर मजबूत बनाना चाहता था। सुरक्षा एजेंसियों के अनुसार सीमा पर इस्लामिक मूवमेंट के लिए करीब 10 करोड़ की रकम खर्च करने की तैयारी थी। देश विरोधी यह षड्यंत्र सफल होता उससे पहले छांगुर की असलियत सामने आ गई। यह अलग बात है कि अगस्त 2024 में छांगुर के खिलाफ एफआईआर दर्ज होने के आठ महीने तक बस जांच ही होती रही। कार्रवाई में तेजी मार्च के बाद ही आई। अप्रैल में बेटे के साथ सहयोगी नवीन रोहरा की गिरफ्तारी के बाद से छांगुर से लोग कन्नी काटने लगे थे। एटीएस अभी छांगुर से पूछताछ कर रही है। रिमांड कस्टडी में अभी दो दिन शेष है।

वर्ष 2015 में छांगुर एक पुरानी बाइक से अंगूठी और नग बेचने का काम करता था। 2020 के बाद उसकी संपत्तियां बढ़नी शुरू हुईं। देखते ही देखते वह लग्जरी वाहनों से चलने लगा और 2022 तक तो उसकी ठसक इस कदर थी कि क्षेत्र के बड़े-बड़े लोग भौचक रहते थे। वाहनों के साथ ही रहन-सहन में भी परिवर्तन आया। यही नहीं, उसके करीबियों की संपत्तियां भी तेजी से बढ़ने लगीं। एटीएस ने छांगुर से जुड़े 18 लोगों को आरोपी बनाया है। सभी की संपत्तियां भी बढ़ी हैं। सूत्रों के अनुसार छांगुर के पास विदेशों से रुपए आने लगे तो उसकी चाल-ढाल भी बदली और अपने सहयोगियों पर भी वह खर्च करने लगा।

एटीएस की जांच में भी यह सामने आया कि तीन-चार वर्षों में बड़े पैमाने पर संपत्तियों में इजाफा हुआ। करीबियों की पड़ताल अभी हो रही है। एटीएस को छांगुर के 14 अन्य सहयोगियों की तलाश है, जिनसे अहम जानकारी हासिल हो सकेगी। छांगुर अपने मुहिम को आगे बढ़ाने के लिए सरकारी जमीनों को कब्जाने की फिराक में था। वर्ष 2022 से ही उसकी नजर विवादित और सरकारी जमीनों पर पड़ी थी। सरकारी जमीनों पर वह मजार और मदरसा खोलने की तैयारी कर रहा था। उतरौला में ही उसने दो स्थानों पर कब्जा किया था। एक पर कोठी बना ली, जिसे प्रशासन ने गिरा दिया, दूसरे की छानबीन हो रही है। एटीएस की जांच में भी सामने आया है कि स्थानीय प्रशासनिक अधिकारियों की मदद से छांगुर सरकारी जमीनों को हड़प रहा था। उतरौला के साथ ही वह आसपास के गांवों की सरकारी जमीनों को भी कब्जाने की तैयारी में था। ऐन वक्त पर एटीएस ने उसके मंसूबों पर पानी फेर दिया।

उतरौला में छांगुर ने तहसील कर्मियों से मिलीभगत करके एक बड़े तालाब की जमीन को अपने नाम दर्ज करा लिया। इसी जमीन को 12 नवंबर 2023 को नीतू रोहरा के नाम बेच भी दिया। इस खरीद-बिक्री में एक करोड़ रुपए का भुगतान नीतू से लिया जाना भी बैनामे में दर्शाया गया। छांगुर की नजर लालगंज, रेहरामाफी, चपरहिया, बनघुसरा की सरकारी जमीनों पर भी थी।

उतरौला नगर पालिका के अधिशाषी अधिकारी ने तालाब की जमीन पाटने की जानकारी की रिपोर्ट प्रशासन को भेजी थी। 24 जून 2022 को ईओ ने एडीएम को भेजी रिपोर्ट में कहा था कि तालाब की भूमि को छांगुर पटवा रहा है, इसे रोका जाए। इसके बाद छांगुर ने बड़ा दांव चला और तालाब की जमीन का बैनामा नीतू के नाम करके एक करोड़ रुपए ले लिए। एटीएस का मानना है कि यह कारनामा तहसील कर्मियों की सांठगांठ से ही संभव हो सका।

नेपाल सीमा पर बनी अवैध मजार पर चला बुलडोजर

सिद्धार्थनगर, 16 जुलाई (एजेंसियां)। नेपाल सीमा पर स्थित उत्तर प्रदेश के सिद्धार्थनगर जिले में 105 वर्ष पुरानी फागू शाह बाबा की मजार पर बुलडोजर चलाया गया है। यह मजार चारगाह की जमीन पर अवैध रूप से निर्मित की गई थी। मंगलवार 15 जुलाई प्रशासन ने भारी सुरक्षाबल के बीच मजार को ढहा दिया।

इस मजार पर हर गुरुवार को मेला लगता था। क्षेत्र के पूर्व विधायक राघवेंद्र प्रताप सिंह ने समाधि को मजहबी रूप में इस्तेमाल करने का आरोप लगाया था। इसके विरोध में हनुमान चालीसा का पाठ करने की भी घोषणा की थी। लेकिन प्रशासन ने मामला सुलझ-ाते हुए मेले पर रोक लगा दी थी। इसके बाद मजार की जमीन की पैमाइश की गई, तो सामने आया कि यह सरकारी जमीन पर बनाई गई है। कार्रवाई करते हुए पुलिस और प्रशासन ने मजार को ध्वस्त कर दिया। पूर्व विधायक ने प्रशासन का आभार व्यक्त किया।

अगवा हिंदू लड़की को बनाया मुस्लिम, गिरफ्तार हुआ

मुरादाबाद, 16 जुलाई (एजेंसियां)। मुरादाबाद से हिंदू लड़की को मोहम्मद नाजिम उर्फ कासिम अपहरण कर दिल्ली ले गया। वहां जबरन धर्म परिवर्तन करा दिया। पुलिस ने दो दिन में आरोपी की तलाश कर लड़की को रेस्क्यु किया। मुरादाबाद के डिलारी थाना क्षेत्र के मुस्तफापुर बडेरा गांव की हिंदू लड़की का अपहरण किया गया। परिजनों ने गांव के ही मोहम्मद नाजिम पर उनकी बेटी को बहला-फुसलाकर अगवा करने का आर-ोप लगाया। इस बीच लड़की का वीडियो भी सामने आया, जिसमें वह कहती दिख रही है, मैं अपनी मर्जी से इस्लाम कबूल कर रही हूं। पुलिस ने परिजनों की शिकायत पर लड़की की तलाश शुरू की है। दिल्ली से लड़की को सुरक्षित बरामद कर लिया गया। पुलिस ने आरोपी नाजिम को भी गिरफ्तार कर जेल भेज दिया है। वहीं, पुलिस ने बताया कि लड़की ने धर्म परिवर्तन का दबाव बनाने और धमकाकर वीडियो बनाने की बात कही है।

एकलव्य वन से शुरू होगी विशिष्ट वनों की स्थापना

18 जुलाई को पीलीभीत से प्रारंभ होगा राज्य स्तरीय आयोजन

लखनऊ, 16 जुलाई (एजेंसियां)। सीएम योगी आदित्यनाथ के निर्देशन में एक दिन (9 जुलाई) में 37,21,40,925 से अधिक पौधे रोपने वाले यूपी में अब विशिष्ट वनों की स्थापना होगी। राज्य स्तरीय आयोजनों को लेकर वन विभाग ने फाइनल तिथि भी जारी कर दी है। यह कार्यक्रम पूरे वर्षा काल के दौरान चलेगा। अलग-अलग प्रभागों को राज्य स्तर पर मुख्य आयोजन कर अलग-अलग वन स्थापित करने की जिम्मेदारी सौंपी गई है। 18 जुलाई को पीलीभीत से एकलव्य वन की स्थापना के साथ ही विशिष्ट वनों की श्रृंखला का श्रीगणेश होगा।

मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने राज्य स्तरीय सभी आयोजनों को उत्सव के रूप में मनाने का निर्देश दिया है। प्रधान मुख्य वन संरक्षक व विभागाध्यक्ष सुनील चौधरी ने बताया कि मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के निर्देश पर एक पेड़ मां के नाम के तहत यह आयोजन उत्सव के रूप में मनाया जाएगा। उक्त वनों की स्थापना सभी वन प्रभागों में होगी, लेकिन कई कार्यक्रम राज्य स्तर पर आयोजित किए जाएंगे। इनकी जिम्मेदारी संबंधित प्रभागों को सौंप दी गई है। राज्य स्तरीय कार्यक्रम के नोडल अधिकारी संबंधित क्षेत्र के जोनल/मंडलीय मुख्य वन संरक्षक होंगे।

हर वर्ष की भांति योगी सरकार का इस वर्ष भी विशिष्ट वाटिका स्थापित करने पर जोर है। 2025 के वर्षा काल में भी विशिष्ट पौधर-ोपण की स्थापना व संरक्षण को लेकर वन विभाग मुस्तैद है। योगी सरकार ने इस वर्ष शक्ति वन, एकलव्य वन, ऑक्सी वन, त्रिवेणी वन, अटल वन, गोपाल वन, एकता वन, पवित्र धारा पौधरोपण, भाई-बहन पौधरोपण, शौर्य वन, एक पेड़ गुरु के नाम पौधरोपण के साथ ही अन्य क्रियाकलापों (सहजन भंडारा, औद्योगिक इकाइयों की भागीदारी से रोपण) पर भी जोर दिया है।

आधुनिक कैमरों से होगी विधानसभा की निगरानी

शीतकालीन सत्र तक लग जाएगा एआई सिस्टम

लखनऊ, 16 जुलाई (एजेंसियां)। यूपी विधानसभा का शीतकालीन सत्र नए एआई सिस्टम की निगरानी में होने जा रहा है। इस सिस्टम में काली सूची में दर्ज नाम और चेहरों को पहचान कर अलर्ट करने की तकनीक भी होगी। यूपी विधानसभा जल्द ही दुनिया के सबसे एडवांस कैमरों से लैस होगी। ये कैमरे न केवल चेहरों की पहचान करेंगे बल्कि एक-एक विधायक के क्रियाकलापों की निगरानी भी रखेंगे। इन कैमरों की खासियत दर्जनों की भीड़ में भी चेहरे पहचानने, उनके कामकाज से लेकर गतिविधियों की ऑटोमेटिक रिपोर्ट तैयार करने की होगी।

इस काम के लिए विधानसभा सचिवालय ने ई-टेंडर जारी किया है। इसके फाइनल होने के 45 दिन के अंदर कैमरे लगाने होंगे। विधानसभा के बजट सत्र में अध्यक्ष सतीश महाना ने इस पहल की जानकारी दी थी। उम्मीद की जा रही है कि शीतकालीन सत्र नए एआई सिस्टम की निगरानी में होगा। विधानसभा के चप्पे-चप्पे को एआई आधारित चेहरा पहच-ानने के सिस्टम में वीडियो, फोटो और आवाज रिकॉर्ड करने की तकनीक होगी।

इस सिस्टम में चेहरा देखकर व्यक्ति की नाम के साथ गणना, समय और तारीख भी प्राप्त की जा सकेगी। विधानसभा क्राउड एनालिटिक्स सॉफ्टवेयर के दायरे में भी रहेगी।

इसके तहत भीड़ में एक-एक चेहरे को पहचानकर उनका नाम सहित रिकॉर्ड सेकेंडों में देखा जा सकेगा। सिस्टम छिपे या अधखुले चेहरों को भी पहचान लेगा। इतना ही नहीं अलग-अलग रंग-रूप में ढले एक व्यक्ति को भी पकड़ लेगा। चाहे इसमें दाढ़ी, मूंछ, चश्मा, हेयरस्टाइल सहित अन्य बदलाव होंगे।

काली सूची में दर्ज नाम और चेहरों को पहचान कर अलर्ट करने की तकनीक भी नए सिस्टम में होगी। डीप लर्निंग डाटा के जरिए सभी विधायकों का पूरा ब्योरा सिस्टम में दर्ज होगा। डिवाइस नाम, वाचलिस्ट, लिंग, तारीख, समय और लोकेशन से भी चेहरों को ढूंढ निकालेगी। पूरा एआई सिस्टम करीब 42 डिवाइस से लैस होगा। नए एआई सिस्टम को विधानसभा मंडप में पहले से स्थापित ऑडियो-वीडियो सिस्टम के साथ तालमेल बैठाना भी आवश्यक होगा। जिस कंपनी का चयन किया जाएगा, उसे पहले से स्थापित उपकरणों के साथ सामंजस्यता का प्रमाण पत्र लेना होगा।

करोड़ों के छात्रवृत्ति घोटाले में रिटायर्ड पीसीएस गिरफ्तार

लखनऊ, 16 जुलाई (एजेंसियां)। छात्रवृत्ति घोटाले के आरोपी रिटायर्ड पीसीएस अफसर को गिरफ्तार किया गया है। वर्ष 2010 से 2012 के बीच हुए इस घोटाले में ईओडब्ल्यू की ओर से यह पहली गिरफ्तारी है। 7.95 करोड़ के छात्रवृत्ति घोटाले में समाज कल्याण विभाग के पूर्व निदेशक मिश्रीलाल पासवान को महानगर इलाके से गिरफ्तार किया गया है। आर्थिक अपराध अनुसंधान संगठन (ईओडब्ल्यू) ने यह कार्रवाई रुड़की की गुरु नानक एजूकेशन ट्रस्ट को नियम विरुद्ध छात्रवृत्ति देने के मामले में की है।

वर्ष 2010 से 2012 के बीच हुए इस घोटाले में ईओडब्ल्यू की ओर से यह पहली गिरफ्तारी है। पीसीएस अधिकारी मिश्रीलाल वर्ष 2014 में सेवानिवृत्त हो गए थे। 2010 से 2012 के बीच समाज कल्याण निदेशालय में तैनात निदेशक मिश्रीलाल और अन्य कार्मिकों ने गुरु नानक एजूकेशन ट्रस्ट के तत्कालीन ट्रस्टी के साथ मिलीभगत कर छात्रवृत्ति घोटाला किया था। पीजीडीएम कर रहे 336 छात्रों को निर्धारित राशि से अधिक छात्रवृत्ति दी थी। ट्रस्ट द्वारा कई छात्रों का फर्जी प्रवेश दिखाकर छात्रवृत्ति ली गई। इस संबंध में 2019 को थाना एसआईटी, लखनऊ में 6 आरोपियों के खिलाफ मुकदमा दर्ज कराया गया था।

छात्रवृत्ति घोटाले में शासन के निर्देश पर एसआईटी ने केस दर्ज किया था, जिसमें तत्कालीन समाज कल्याण निदेशक मिश्रीलाल पासवान के साथ तत्कालीन पटल सहायक शिक्षा अनुभाग धर्मेंद्र सिंह, अधीक्षक शिक्षा अनुभाग डीके गुप्ता व अनिल उपाध्याय (अब मृत), योजना अधिकारी डॉ. मंजूश्री श्रीवास्तव व गुरुनानक एजूकेशन ट्रस्ट के ट्रस्टी गुरु सिमरन सिंह चड्ढा को नामजद किया था। जांच में सामने आया था कि ट्रस्ट में पढ़ रहे अनुसूचित जाति के यूपी के मूल निवासी छात्र-छात्राओं के लिए अनुसूचित जाति दशमोत्तर छात्रवृत्ति/शुल्क प्रतिपूर्ति की राशि वर्ष 2010-11 व वर्ष 2011-12 में समाज कल्याण निदेशालय से ली गई थी।

उत्तराखंड के राज्यपाल/कुलाधिपति के सचिव के जिस पत्र में शैक्षणिक वर्ष 2010-11 और 2012-13 के लिए अस्थायी संबद्धता की स्वीकृति व पीजीडीएम पाठ्यक्रम की 180 सीटों का उल्लेख किया था, उसमें संस्था का नाम हरमिश कॉलेज ऑफ इंजीनियरिंग एंड मैनेजमेंट अंकित था। छात्रवृत्ति के निर्धारित 91,200 रुपए के स्थान पर 2.30 लाख रुपए से अधिक का भुगतान किया गया। ट्रस्ट के साथ मिलीभगत करके फर्जी दस्तावेजों के जरिए छात्रवृत्ति के करीब 7.95 रुपए हड़पे गए थे।

नेहरू भवन आने से कतराते हैं राहुल और प्रियंका

कांग्रेस पार्टी के दफ्तर नहीं जाते राहुल-प्रियंका

लखनऊ, 16 जुलाई (एजेंसियां)। कांग्रेस नेता राहुल गांधी कल कोर्ट में पेश होने के लिए लखनऊ आए, लेकिन वे पार्टी मुख्यालय नहीं गए। इसे लेकर सवाल उठता रहा है कि राहुल गांधी या प्रियंका गांधी नेहरू भवन यानि कांग्रेस कार्यालय आने से हमेशा क्यों कतराते हैं।

लोकसभा में प्रतिपक्ष के नेता राहुल गांधी और कांग्रेस की प्रदेश महासचिव प्रियंका गांधी की नेहरू भवन से कई वर्षों से दूरी बनी हुई है। यह कार्यकर्ताओं को खल रही है। इसके अलग-अलग निहितार्थ निकाले जा रहे हैं। मंगलवार को लखनऊ पहुंचे राहुल गांधी कोर्ट से ही वापस लौट गए। इससे पार्टी के तमाम नेताओं में मायूसी है।

कांग्रेस के पूर्व राष्ट्रीय अध्यक्ष राहुल गांधी वर्ष 2019 में लोकसभा चुनाव के दौरान लखनऊ आए थे। वे कुछ पल के लिए प्रदेश कांग्रेस मुख्यालय (नेहरू भवन) पहुंचे। यहां मीडिया सेंटर का लोकार्पण किया और पार्टी नेताओं को संबोधित करते हुए नए सिरे से तैयार रहने का आह्वान किया। पार्टी के नए और पुराने नेताओं में उम्मीद जगी। लेकिन वे फिर नेहरू भवन लौट कर नहीं आए। वर्ष 2024 के लोकसभा चुनाव से पहले पदयात्रा के दौरान भी वह अमेठी, रायबरेली होते हुए लखनऊ पहुंचे, लेकिन नेहरू भवन से दूरी बनी रही। रायबरेली से सांसद बनने के बाद वह लगातार लखनऊ से होते हुए रायबरेली जाते हैं। मंगलवार को लखनऊ कोर्ट भी पहुंचे, लेकिन नेहरू भवन से दूरी बनी हुई है।

पार्टी की प्रदेश महासचिव प्रियंका गांधी की भी नेहरू भवन से दूरी है। उनकी यह दूरी तमाम नेताओं को कष्ट पहुंचा रही है। वह प्रदेश प्रभारी बनीं तो कांग्रेस में उत्साह बढ़ा। विधानसभा चुनाव के दौरान प्रदेश में मौजूद रहीं। पार्टी कार्यालय से लेकर गोंडा, अयोध्या सहित विभिन्न स्थानों पर जनसभा की, लेकिन कार्यकर्ताओं का यह उत्साह माकूल चुनाव परिणाम नहीं दे पाया। आखिरकार फरवरी 2022 के बाद से वह भी नेहरू भवन को बेगाना कर दी हैं। जुलाई 2022 में लखनऊ आईं जरूर, लेकिन नेहरू भवन नहीं गईं। वह रायबरेली में कई-कई दिन रहीं। राहुल और प्रियंका गांधी का रायबरेली आवागमन वाया लखनऊ ही रहा, फिर भी प्रदेश मुख्यालय उनका इंतजार करता रह गया।

इस मुद्दे पर पार्टी के प्रदेश अध्यक्ष अजय राय अलग तर्क देते हैं। राय कहते हैं कि पूरी तैयारी के साथ राहुल गांधी का कार्यक्रम लिया जाएगा और फिर उन्हें प्रदेश मुख्यलाय बुलाया जाएगा। दूसरी तरफ पार्टी से जुड़े तमाम नेत-ाओं को मलाल है।

राहुल-प्रियंका कुछ पल के लिए प्रदेश मुख्यालय में आते और पार्टी के पुराने-नए कार्यकर्ताओं से रूबरू होते तो इसके सियासी फायदे मिलने तय हैं। पार्टी के नेता खुलकर इस मुद्दे पर बोलने को तैयार नहीं हैं, लेकिन कुरेदरे ही उनका दर्द सामने आ जाता है। एक वरिष्ठ नेता ने यहां तक कहा कि पार्टी के शीर्ष पद पर बैठे नेता यह नहीं चाहते कि शीर्ष नेतृत्व से अन्य पदाधिकारी रूबरू हों। इस वजह से भी कभी दोनों शीर्ष नेताओं को बुलाने की जरूरत ही नहीं समझी गई। यही वजह है कि तमाम प्रयास के बाद भी कार्यकर्ताओं में उस तरह की एनर्जी नहीं बन पा रही है, जिसकी जरूरत है।

राहुल गांधी कल जब लखनऊ एयरपोर्ट पहुंचे तो वहां पर पार्टी के वरिष्ठ नेताओं ने उनका स्वागत किया। इस दौरान प्रदेश प्रभारी अविनाश पांडेय, प्रदेश अध्यक्ष अजय राय, राज्यसभा सदस्य प्रमोद तिवारी, विधायक आराधना मिश्र मोना, मुकेश सिंह, अंशु अवस्थी आदि मौजूद थे। यहां से सभी पदाधिकारी, सांसद एवं पार्टी के अन्य वरिष्ठ नेताओं के साथ राहुल गांधी लखनऊ कोर्ट पहुंचे। यहां कोर्ट में पेश होने के बाद वह सीधे दिल्ली लौट गए।

संपादकीय

स्थायी समाधान की जरूरत

स्थायी समाधान की जरूरत सुप्रीम कोर्ट ने बिहार में विधानसभा चुनाव से पहले मतदाता सूचियों के विशेष गहन पुनरीक्षण के खिलाफ विपक्षी नेताओं की याचिका पर स्थगन आदेश न देकर जारी रखने की अनुमति दे दी है किन्तु सुनवाई के दौरान उसके द्वारा की गई तीन टिप्पणियों से लगता है कि यह मामला निति रूप से बहुत असामान्य है। पहली टिप्पणी यह थी कि यदि मतदाता सूची के विशेष गहन पुनरीक्षण के अंतर्गत नागरिकता की जांच करनी थी तो आपको पहले ही कदम उठाना चाहिए था। दूसरी टिप्पणी थी कि नागरिकता का विषय तो गृह मंत्रालय के अधीन है, जबकि तीसरी प्रश्नवाचक टिप्पणी आधार कार्ड के वैधता संबंधी इलेक्शन कमीशन की आपत्ति पर थी। असल में देखा यह गया है कि शुरुआती दौर में जब भी शीर्ष अदालतों में जज वादी या प्रतिवादी से कड़े सवाल पूछते हैं तो दूसरे पक्ष के समर्थकों में एक उम्मीद की किरण दिखती है कि फैसला उन्हीं के पक्ष में होने वाला है। किन्तु समझने की जरूरत यह है कि शीर्ष अदालतें जज उस समस्या की पूर्णता को समझने का प्रयास करते हैं। दस से अधिक याचिकाएं विपक्षी पार्टियों के राजनेताओं द्वारा पेश की गई हैं और सभी की आपत्तियां वही हैं जिन्हें जजों ने अपनी टिप्पणियों के माध्यम से उल्लेख किया है। भारत की न्याय प्रणाली बहुत ही सरल और पारदर्शी है इसलिए अदालतें सभी पक्षों को सुनती हैं और सभी पक्षों की आपत्तियों के बारे में पक्षकारों के जवाब से निष्कर्ष निकालती हैं। एक सुनिति निष्कर्ष निकलने के बाद ही अदालतें कानूनी स्वरूप देकर पैसला सुनाती हैं। इसलिए सुप्रीम कोर्ट के दो जजों न्यायमूर्ति सुधांशु धूलिया और न्यायमूर्ति जायमाल्या बागची की टिप्पणियों का विशेष अर्थ निकलना मात्र मानसिक संतोष के रूप में देखा जा सकता है। वास्तविकता तो यह है कि आधार कार्ड बनवाने के लिए फजा दस्तावेज तैयार करने के लिए तमाम निजी एजेंसियां सक्रिय हैं जो कुछ पैसे लेकर आधार कार्ड और राशन कार्ड अपात्र लोगों का भी बनवा देती हैं। यही नहीं आधार कार्ड व राशन कार्ड बन जाने के बाद वोटर कार्ड भी बन जाता है। ये सभी कार्ड किसी भी व्यक्ति को देश का नागरिक साबित करने के लिए पर्याप्त हैं। सवाल यह है कि आखिर ये सभी कार्ड फजा तरीके से न बनें, इसकी जिम्मेदारी किसकी है? आधार कार्ड और राशन कार्ड के आधार पर ही तो इलेक्शन कमीशन वोटर कार्ड बनाता है जबकि ये दोनों ही कार्ड राज्य सरकार के अधिकारी बनाते हैं। बिना राज्य सरकार के कर्मचारियों की मदद से कोई भी अवैध निवासी न तो आधार कार्ड बनवा सकता है और न ही राशन कार्ड। इसलिए राज्य सरकार से पूछा जाना चाहिए कि जब उसी की मशीनरी आधार कार्ड बना रही है और उसी की मशीनरी राशन कार्ड बना रही है तो क्यों न राज्य सरकार के उन अधिकारियों के खिलाफ इलेक्शन कमीशन कोर्ट में जाकर कार्रवाई की मांग करता! बहरहाल इलेक्शन कमीशन को मतदाता सूचियों में पुनरीक्षण के विशेष अभियान की अनुमति देकर भले ही राहत दे दी किन्तु नागरिकता संबंधी अति संवेदनशील मुद्दे को जल्दी से जल्दी हल करने में ही देश की भलाई है।

> पहली टिप्पणी यह थी कि यदि मतदाता सूची के विशेष गहन पुनरीक्षण के अंतर्गत नागरिकता की जांच करनी थी तो आपको पहले ही कदम उठाना चाहिए था। दूसरी टिप्पणी थी कि नागरिकता का विषय तो गृह मंत्रालय के अधीन है, जबकि तीसरी प्रश्नवाचक टिप्पणी आधार कार्ड के वैधता संबंधी इलेक्शन कमीशन की आपत्ति पर थी। असल में देखा यह गया है कि शुरुआती दौर में जब भी शीर्ष अदालतों में जज वादी या प्रतिवादी से कड़े सवाल पूछते हैं तो दूसरे पक्ष के समर्थकों में एक उम्मीद की किरण दिखती है कि फैसला उन्हीं के पक्ष में होने वाला है। किन्तु समझने की जरूरत यह है कि शीर्ष अदालतें के जज समस्या की पूर्णता को समझने का प्रयास करते हैं। दस से अधिक याचिकाएं विपक्षी पार्टियों के राजनेताओं द्वारा पेश की गई हैं और सभी की आपत्तियां वही हैं जिन्हें जजों ने अपनी टिप्पणियों के माध्यम से उल्लेख किया है। भारत की न्याय प्रणाली बहुत ही सरल और पारदर्शी है इसलिए अदालतें सभी पक्षों को सुनती हैं और सभी पक्षों की आपत्तियों के बारे में पक्षकारों के जवाब से निष्कर्ष निकालती हैं।

हिंदी को राजभाषा बनाने का विचार देने वाली मराठी माटी पर ही हिंदीभाषियों को अपमानित किया जा रहा है

हिंदी विरोध के जरिए राष्ट्रीय मानस पर चोट

उमेश चतुर्वेदी

> महाराष्ट्र की धरती पर हिंदीभाषियों को अपमानित करने में राजनीति के दो चेहरे साफ नजर आ रहे हैं। एक तरफ अपमानित करने वाली शिवसेना और महाराष्ट्र नव निर्माण सेना यानी मनसे है तो दूसरी तरफ राज्य की सत्ता है। हिंदीभाषियों को अपमानित करने वाली राजनीति का मकसद हिंदी विरोध पर मराठी मानुष की अवधारणा को आगे बढ़ाते हुए अपना वोट बैंक मजबूत करना है तो दूसरी तरफ सत्ता और विपक्ष के एक हिस्से की राजनीति है, जो अपमानित करने वालों के खिलाफ कड़ी कार्रवाई इस डर से नहीं कर रही कि कहीं इससे मराठी मानुष की धारणा कमजोर ना हो जाए और उसके जरिए उसका अपना समर्थक आधार ना खिसक जाए। राजनीति की इस चक्करघिन्नी में निम्न मध्यवर्गीय या हाशिये वाला हिंदीभाषी समुदाय ही पिस रहा है।

इसे राजनीतिक विद्रूप ही कहेंगे कि हिंदी को राजभाषा बनाने का विचार देने वाली मराठी माटी पर ही हिंदीभाषियों को अपमानित किया जा रहा है। महाराष्ट्र की धरती पर हिंदीभाषियों को अपमानित करने में राजनीति के दो चेहरे साफ नजर आ रहे हैं। एक तरफ अपमानित करने वाली शिवसेना और महाराष्ट्र नव निर्माण सेना यानी मनसे है तो दूसरी तरफ राज्य की सत्ता है। हिंदीभाषियों को अपमानित करने वाली राजनीति का मकसद हिंदी विरोध पर मराठी मानुष की अवधारणा को आगे बढ़ाते हुए अपना वोट बैंक मजबूत करना है तो दूसरी तरफ सत्ता और विपक्ष के एक हिस्से की राजनीति है, जो अपमानित करने वालों के खिलाफ कड़ी कार्रवाई इस डर से नहीं कर रही कि कहीं इससे मराठी मानुष की धारणा कमजोर ना हो जाए और उसके जरिए उसका अपना समर्थक आधार ना खिसक जाए। राजनीति की इस चक्करघिन्नी में निम्न मध्यवर्गीय या हाशिये वाला हिंदीभाषी समुदाय ही पिस रहा है। उसका अपराध यह है कि वह महाराष्ट्र में रहते हुए मराठी ना बोलकर हिंदी बोल रहा है। हिंदी बोलने के लिए हिंदीभाषियों को प्रताड़ित करने वाली राजनीति का अतीत भी ऐसा ही रहा है। शिवसेना का उभार पिछली सदी के साठ के आखिरी वर्षों में मुंबई में मलयालम बोलने वालों को खिलाफ आंदोलन के बाद हुआ। मनसे के कार्यकर्ता 2008-09 के दौरान तो केंद्रीय नौकरियों के लिए मुंबई में परीक्षाएं देने आए उत्तर भारतीय विशेषकर उत्तर प्रदेश-बिहार के छात्रों को को खुलेआम पिटते रहे। उस समय की राज्य सरकार ने इस बदसलूकी के खिलाफ प्रभावी कदम उठाने से बचती रही थी और आज की सरकार का भी कुछ वैसा ही रवैया है। मराठी मानुष का बोध महाराष्ट्रर में इतना गहरा है कि सरकारें चाहें जिस भी दल की हो, इस मसले पर तकरीबन एक जैसा रूख अपनाने से परहेज नहीं करतीं। भारत की संपर्क भाषा और राजभाषा के रूप में हिंदी को स्थापित करने का विचार देने में महाराष्ट्र की हस्तियों का बड़ा योगदान रहा है। लोकमान्य तिलक ने बंग-भंग के वक्त 1905 में वाराणसी की यात्रा की थी। वहां उन्होंने नागरी प्रचारिणी सभा के एक कार्यक्रम को संबोधित करते हुए जो कहा था, उसे महाराष्ट्र की हिंदीविरोधी राजनीति को जानना चाहिए। तिलक ने कहा था, 'निःसंदेह हिंदी ही देश की संपर्क और राजभाषा हो सकती है। लोकमान्य अकेले मराठी मानुष नहीं हैं, जिन्होंने हिंदी को लेकर यह विचार दिया। 1960 से पहले आज का गुजरात राज्य भी महाराष्ट्र का ही हिस्सा था। 1880 में गुजराती कवि नर्मदाशंकर दवे उर्फ नर्मद कवि ने लोकमान्य से करीब

चौथाई सदी पहले हिंदी को संपर्क भाषा के रूप में आगे लाने का सुझाव दिया था। हिंदी को स्थापित करने की महात्मा गांधी की कोशिशों से भला कौन इनकार कर सकता है। 1918 में गांधी जी की अध्यक्षता में हुए इंदौर के हिंदी साहित्य सम्मेलन को हर हिंदीप्रेमी जानता है। लेकिन बहुत कम लोगों को पता है कि गांधी जी ने 1917 में भरूच में आयोजित गुजरात शैक्षिक सम्मेलन में पहली सार्वजनिक तौर पर हिंदी की ताकत को स्वीकार किया था। उन्होंने कहा था, ₹भारतीय भाषाओं में केवल हिन्दी ही एक ऐसी भाषा है जिसे राष्ट्रभाषा के रूप में अपनाया जा सकता है।₹ हिंदी के प्रचार को राष्ट्रीय कार्यक्रम मानने वाले काका कालेलकर भी मराठी भाषी ही थे। सतारा में जन्मे कालेलकर ने 1938 में कहा था, 'राष्ट्रभाषा प्रचार हमारा राष्ट्रीय कर्म है।' रचनात्मक आंदोलनकारी और गांधी जी के शिष्य विनोबा भी ताजिंदगी हिंदी के संघर्षरत रहे। उन्होंने हर भारतीय भाषा को एक-दूसरे के करीब लाने के लिए अनूठा सुझाव दिया था। उन्होंने हर भाषा से नागरी लिपि अपनाने का सुझाव दिया था। सिर्फ राजनीति ही नहीं, पत्रकारिता जगत की मराठीभाषी हस्तियों ने भी हिंदी को स्थापित करने में रचनात्मक भूमिका निभाई है और साहस दिखाया है। हिंदी पत्रकारिता आज जिस मुकाम पर है, उसमें बड़ा योगदान मराठीभाषी पत्रकारों और लेखकों का भी है। माधव राव सप्रे, बाबूराव विष्णुराव पराड़कर, रामकृष्ण खाडिलकर, लक्ष्मण नारायण गर्दे जैसे पत्रकारों ने हिंदी को नई शैली में गढ़ा, उसके शब्द गढ़े, और उसे ऊंचाई दी। हिंदी इन मराठीभाषी महात्मनों की शुक्रगुजार है। महाराष्ट्र की राजधानी मुंबई से निकले धर्मयुग ने दशकों तक हिंदीभाषी पाठकों के दिलों पर राज किया। ऐसे महाराष्ट्र की धरती पर अगर हिंदी बोलने वालों का अपमान होना दुखद ही कहा जाएगा। हिंदी को लेकर महाराष्ट्र की धरती पर अतीत में ऐसी सोच नहीं रही है। हिंदी विरोध की ग्रंथि तमिलनाडु में आजादी के पहले से ही रही है, जिसका संक्रमण कर्नाटक तक पहुंचा है। कर्नाटक रक्षण वेदिके ने 2017 में हिंदी बेड़ा अभियान यानी हिंदी विरोधी अभियान चलाया। साल 2019 में हिंदी दिवस न मनाने के लिए भी राज्य में अभियान चला। शुरू में इन विरोध प्रदर्शनों को बड़ा समर्थन नहीं मिला। राजनीति और मीडिया के हलकों में इसकी सुरसुरी दिखी। ऐसे आंदोलनों का असर बाद में पता चलता है। जब विरोध की वैचारिकी के असर में जमीनी स्तर की सोच बदलने लगती है। एक राष्ट्रीयकृत बैंक की स्थानीय शाखा के प्रबंधक से जबरदस्ती हिंदी बोलने के लिए हुज्जत करने का दृश्य हो या फिर किसी ऑटोवाले का किसी हिंदीभाषी लड़की को थप्पड़ मारना, कर्नाटक में हिंदी विरोधी आंदोलन की जमीनी परिणति ही कहा जाएगा। निजाम का शासन कर्नाटक के उत्तरी हिस्से में रहा। दिल्ली सल्तनत के बादशाह मोहम्मद तुगलक ने 1327 ईस्वी में दिल्ली से महाराष्ट्र के दौलताबाद में अपनी राजधानी लेकर गया था। जिसे आज का महाराष्ट्र देवगिरि के नाम से जानता है। उसके साथ भी हिंदी वहां तक पहुंची थी। महाराष्ट्र का विदर्भ इलाका राज्य पुनर्गठन से पहले मध्य प्रांत और बरार का हिस्सा रहा। इस वजह से विदर्भ भी मोटे तौर पर हिंदी के प्रभाव वाला राज्य है। शायद यही वजह रहा कि महाराष्ट्र में हिंदी को लेकर विवाद नहीं रहा। विवाद की वजह अब मनसे और शिवसेना की राजनीति बनी है। इसका कारण नई शिक्षा नीति का वह प्रावधान है, जिसके तहत प्राथमिक स्तर पर भारतीय भाषायों के जरिए शिक्षा देने का प्रावधान है। इसके तहत जब प्राथमिक स्तर पर हिंदी में पढ़ाई कराने का आदेश आया तो राज्य की राजनीति में अपनी जगह खोज रहे शिवसेना-उद्धव और मनसे को हिंदी विरोध में ही अपना भविष्य नजर आया। एकनाथ शिंदे के अलग होने के बाद से शिवसेना-उद्धव भी परेशान है और शिवसेना से अलग होने के बाद से मनसे प्रमुख राज ठाकरे अपना राजनीतिक वजूद की खोज में हैं। दिलचस्प यह भी है कि अतीत में सत्ता और उत्तराधिकार के चलते अलग राह चुनने वाले दोनों चचेरे भाई उद्धव और राज एक कश्ती पर सवार होने की तैयारी में है और उसके लिए उन्होंने हिंदी विरोध की नाव तैयार की है। हिंदी विरोध को लेकर सवाल यह भी है कि मराठी मर्द राज ठाकरे की ताकत हजारों करोड़ का कारोबार करने वाली हिंदी फिल्मों के गढ़ में जाने से क्यों हिचकती है? कर्नाटक हो या तमिलनाडु, वहां के भी फिल्म निर्माताओं को जब सौ, दो सौ या पांच सौ करोड़ क्लब में शामिल होना होता है, हिंदी के बाजार पर ही उनका ध्यान जाता है।

कुछ अलग

मराठी एकता की जीत हो!

केंद्र सरकार के हिंदी सख्ती कानून से महाराष्ट्र के लिए एकमात्र महत्वपूर्ण बात यह हुई कि मराठी अस्मिता के लिए सभी मराठी माणुस एकजुट हो गए और मराठी लोगों की जिद के कारण ठाकरे बंधु उद्धव और राज एक साथ एक मंच पर आ गए। फडणवीस सरकार को महाराष्ट्र में हिंदी अनिवार्यता आदेश को रद्द करना पड़ा। इसके कारण ५ जुलाई को मोर्चे का रुपांतर मराठी विजय दिवस में हो गया। दोनों ठाकरे भाइयों की मौजूदगी में एक शानदार विजय समारोह संपन्न हुआ। यह तस्वीर महाराष्ट्र और मराठी लोगों के भविष्य के लिए आशादायी है। हिंदी भाषा की अनिवार्यता के खिलाफ महाराष्ट्र समेत कई राज्यों में 'भाषा युद्ध' छिड़ गया। दक्षिणी राज्य तो 'करो या मरो' के आक्रोश में हिंदी के खिलाफ खड़े हो गए। महाराष्ट्र ने विरोध शुरू कर दिया, लेकिन इस मुद्दे पर 'ठाकरे' एक साथ आकर मराठी लोगों का नेतृत्व कर रहे हैं, इस खबर के कारण ही सरकार पीछे हट गई, यह महत्वपूर्ण है। मराठी माणुस एकजुट हो जाएं और उनका नेतृत्व 'ठाकरे' करें तो क्या हो सकता है, यह इस दौरान दिखाई दिया। भारतीय जनता पार्टी की राक्षसी महत्वाकांक्षाओं को रोकने के लिए उद्धव और राज को एक साथ आना चाहिए। अगर वे एक साथ नहीं आए तो महाराष्ट्र को बहुत बड़ा नुकसान होगा, जिसकी भरपाई कभी नहीं हो पाएगी, ऐसी भावना बढ़ती गई। नारायण राणे, एकनाथ शिंदे और भाजपा के 'दलबदलू' ठाकरे के एक साथ आने का मजाक उड़ाते रहे, लेकिन एकनाथ शिंदे जैसे लोगों ने भाजपा की चाटुकारिता नीति को स्वीकार कर मराठी लोगों की एकता को तोड़ दिया। भाजपा के दिल्ली के नेताओं के मुंबई में आर्थिक हितों की रक्षा के लिए भाजपा ने 'शिवसेना' को तोड़ दिया। मराठी लोगों को आपस में लड़ाने का उद्योग शुरू कर दिया।

देश दुनिया से

स्वतंत्रता, समानता और बंधुत्व को बिहार में जी रही हैं महिलाएं

बिहार हर लिहाज से महिलाओं के लिए एक सुरक्षित और संभावनाओं से भरा प्रदेश बन गया हैठीक वैसे ही जैसे 1789 की व्रांति के बाद का प्रांस युवाओं के लिए बना था। आज बिहार में महिलाएं वास्तव में स्वतंत्रता, समानता और बंधुत्व के सिद्धांत को पूरी तरह जी रही हैं और यह बिहार के लिए गर्व की बात है। स्वतंत्रता, समानता और बंधुत्व को बिहार में जी रही हैं महिलाएं एक समय था जब बिहार में महिलाएं घर से बाहर निकलने से हिचकिचाती थीं। दूर-दराज के ग्रामीण इलाकों में तो सूरज ढलने से पहले ही वे अपने घरों में दुबक जाती थीं। उनके लिए स्वूल तो थे, लेकिन उनमें जाने की अनुमति उन्हें नहीं होती थी। यदि जाती भी थीं तो महज चिट्ठी-पत्री लिखने की योग्यता हासिल करने के पात घर वाले उनकी शादी कर दिया करते थे और पढ़ाईं बीच में ही छूट जाती थी। लेकिन आज तस्वीर पूरी तरह से बदल चुकी है। बिहार की महिलाएं जीवन के हर क्षेत्र में एक नईं उड़ान भर रही हैं। बिहार में महिला आरक्षण डोमिसाइल को वैबिनेट की मंजूरी मिलने के साथ ही राज्य में इस उड़ान को और गति मिलना तय है। महिला आरक्षण डोमिसाइल के लागू होने के साथ ही अब राज्य की सरकारी नौकरियों में दूसरे राज्यों की महिलाओं को 35 प्रतिशत आरक्षण का लाभ नहीं मिलेगा। अब सिर्प बिहार की महिलाएं ही 35 प्रतिशत आरक्षण की हकदार होंगी। यह निाय ही बिहार की महिलाओं के उत्थान की दिशा में उठाया गया एक और मजबूत कदम है। यही वजह है कि बिहार में महिलाएं आज भी मुख्यमंत्री नीतीश वुमार के साथ खड़ी हैं। नीतीश वुमार प्रारंभ से ही बिहार में महिला सशक्तिकरण को लेकर काफी गंभीर रहे हैं। वर्ष 2006 में ही मुख्यमंत्री बालिका साइकिल योजना से उन्होंने विधिवत इसका आगाज़ किया था। इससे स्वूलों में छात्राओं की उपस्थिति काफी बढ़ गईं थी। जब छात्राओं को स्वूल आने के लिए साइकिलें मिलने लगीं, तो स्वूलों में उनकी उपस्थिति में अप्रत्याशित इजाफा हुआ-एक सामाजिक व्रांति का सूत्रपात हुआ। जो लोग अपनी बेटियों को घरों में वैद रखने में यकीन करते थे, वही अब अपनी बेटियों को साइकिल दिलवाने के लिए सामने आने लगे। महिला शिक्षा के प्रति लोगों की धारणा में परिवर्तन होने लगा। वर्ष 2005 में कक्षा 10 की मैट्रिक परीक्षा में जहां सिर्प 1.87 लाख छात्राएं उपस्थित हुईं थीं, वहीं 2024 में यह संख्या बढ़कर 8.72 लाख तक पहुंच गईं है। इसमें कोईं दो राय नहीं है कि बिहार में साइकिल के सहारे महिला शिक्षा को गति प्रदान करने की दिशा में नीतीश वुमार पूरी तरह से कामयाब हुए हैं। स्वूलों में छात्राओं की उपस्थिति में इजापे के बाद उनके अगले चरण की पढ़ाईं पर भी व्यवस्थित तरीके से विशेष ध्यान दिया गया। मुख्यमंत्री बालिका प्रोत्साहन योजना के तहत छात्राओं की उच्च शिक्षा के लिए विशेष पहल की गईं। स्नातक की पढ़ाईं के लिए एकमुश्त 50,000 रुपए देने की व्यवस्था की गईं। साइकिल चलाकर स्वूल जाने वाली छात्राएं आगे चलकर इस रकम से कॉलेजों में स्नातक करने लगीं। लड़कियों की उच्च शिक्षा पर खर्च किया जाने वाला उनके मां-बाप का बोझ पूरी तरह से समाप्त कर दिया गया। उच्च शिक्षा से छात्राओं के लिए विकास की नईं राहें खुलने लगीं। जानकारी के मुताबिक वर्ष 2018 से 2025 तक बिहार में उच्च शिक्षा के लिए वुल 6,63,908 छात्राओं को 50,000 रुपए की एकमुश्त प्रोत्साहन राशि मिल चुकी है। मुख्यमंत्री नारी शत्ति योजना के तहत प्रतियोगी परीक्षाओं, विशेषकर यूपीएससी और बीपीएससी की प्रारंभिक परीक्षा उत्तीर्ण करने वाली महिलाओं को 1,00,000 प्रोत्साहन राशि के तौर पर दी जा रही है। यह राशि मुख्य परीक्षा और साक्षात्कार की तैयारी के लिए दी जाती है। प्रशासनिक सेवाओं में अपनी मौजूदगी दर्ज कराने की इच्छा रखने वाली बिहार की उन महिलाओं को, जो प्रारंभिक परीक्षा पास कर चुकी हैं, इस राशि से आगे की तैयारी करने में काफी सहूलियत हो रही है। कभी यह कल्पना भी नहीं की जा सकती थी कि बिहार की महिलाएं उद्योग-धंधों की दिशा में भी कदम बढ़ाएंगी। आर्थिक रूप से महिलाओं को आत्मनिर्भर बनाने की बात कोईं सोच भी नहीं सकता था। लेकिन आज बिहार की महिलाएं सभी मिथकों को तोड़ते हुए खुद का कारोबार तो खड़ा कर ही रही हैं, बड़ी संख्या में दूसरों को रोजगार भी दे रही हैं। मुख्यमंत्री महिला उद्यमी योजना के तहत सरकार की ओर से उन्हें 10 लाख रुपए की सहायता दी जा रही है-अपने खुद के कारोबार को प्रारंभ करने और उसे गति प्रदान करने हेतु। इसमें 5 लाख रुपए त्रण के तौर पर और 5 लाख रुपए अनुदान के रूप में दिया जा रहा है। महिला सशक्तिकरण के लिए सार्वजनिक जीवन में महिलाओं की दमदार मौजूदगी अनिवार्यं है। मुख्यमंत्री नीतीश वुमार इस बात को भलीभांति जानते थे कि महिलाओं को विकास की मुख्यधारा से जोड़ने के लिए नेतृत्व उन्हीं के हाथों में सौंपना होगा। इसकी शुरुआत उन्होंने वर्ष 2006 में ही पंचायती राज संस्थाओं में 50 प्रतिशत आरक्षण देकर कर दी थी। पंचायत निकायों में जब बड़ी संख्या में महिलाएं जीतकर आने लगीं, तो बिहार का माहौल अपने आप बदलता चला गया। महिलाएं मुखिया और सरपंच बनने लगीं और लोगों की समस्याओं का समाधान करने लगीं। उनके अंदर आत्मविश्वास का संचार हुआ। समय के साथ उन्होंने सिद्ध किया कि यदि उन्हें अवसर प्रदान किया जाए, तो लोगों को मजबूत नेतृत्व प्रदान करने की उनमें पूरी क्षमता है। बिहार में शराबबंदी को लेकर चाहे जितनी भी आलोचना की जाए, इसका सबसे अधिक लाभ महिलाओं को हुआ है। बिहार में शराबबंदी को लेकर महिलाएं प्रारंभ से ही मुखर थीं। वे सरकार से लगातार यह मांग कर रही थीं कि बिहार में शराब को पूरी तरह से बंद किया जाए। वर्ष 2016 में बिहार में पूर्ण शराबबंदी की घोषणा कर मुख्यमंत्री नीतीश वुमार ने सभी को चौंका दिया था। बिहार की महिलाओं ने इस कदम का खुलकर स्वागत किया था। आज शराबबंदी को एक लंबा अरसा बीत चुका है। बिहार में एक नईं पीढ़ी खड़ी हो गईं है, जिसने शराब देखी ही नहीं है। पहले बच्चे कम उम्र में ही शराब चख लेते थे और फिर बड़े होतेहोते इसकी लत लग जाती थी। शराबबंदी ने नईं पीढ़ी को इस लत से बचा लिया।

आप का नजरिया

'गुजरात मॉडल' ढह गया!

बड़े जोर-शोर के साथ विकास का बहुप्रचारित गुजरात मॉडल दिन-ब-दिन ढह रहा है। पहलगाम से लेकर दिल्ली तक, यह ढहना जारी है, लेकिन इस मॉडल की कमजोरी गुजरात में ही सामने आई है। कल, भारत ने वडोदरा-आणंद को जोड़ने वाले पुल के ढहने की 'लाइव' तस्वीर देखी। इस पुल हादसे में ट्रक, टैंकर, कारें बह गर्इं और दस से ज्यादा लोग बह गए। मोरबी पुल से वडोदरा तक पुल का ढहना और बहना जारी है। मानो इतना ही काफी नहीं था, इसी बीच अहमदाबाद में एयर इंडिया का एक विमान दुर्घटनाग्रस्त हो गया। 24 लोग मारे गए। अब, जबकि गुजरात के सुपुत्र प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी विश्व भ्रमण पर थे, तभी 'वडोदरा' में पुल ढह गया। नरेंद्र मोदी कल तक इसी वडोदरा संसदीय क्षेत्र का नेतृत्व कर रहे थे। अब वे वाराणसी से सांसद हैं। उस वाराणसी की सड़कों में भी 'कुएं' जितने गड्ढे हैं। मोदी 'गुजरात मॉडल' का सपना दिखाकर वाराणसी में जीते थे। इस सपने की धज्जियां खुद गुजरात में ही उड़ गर्इं। महिसागर नदी पर बना पुल ढह गया। इस बात पर खूब चर्चा हो रही है कि यह पुल पुराना था। अगर पुल पुराना था तो फिर इसकी मरम्मत क्यों नहीं कराई गई? अगर यह बहुत पुराना था, तो नया पुल क्यों नहीं बनाया गया? क्या गुजरात मॉडल वाले यह नहीं समझते कि इस हादसे में निर्दोष लोग मारे गए? यह गुजरात सरकार की कार्यकुशलता और कार्यप्रणाली पर सवाल उठाता है। सरकार को इस बात का जरा भी अंदाजा नहीं था कि राज्य का सबसे ऊंचा पुल दो टुकड़ों में टूटने जितना 'खतरनाक' हो गया था या फिर इस बात का अंदाजा होने के बावजूद लापरवाही बरती गई। अगर अंदाजा होता, तो पुल पर यातायात बंद कर दिया जाता। लेकिन चूंकि वहां की पूरी सरकार 'गुजरात मॉडल' के भरोसे पर चल रही थी, इसलिए यातायात जारी रहा और बुधवार को पुल के साथ यह भरोसा भी टूट गया। भले ही मान लिया जाए कि दुर्घटनाएं बोलकर नहीं होती, लेकिन यह तो एक तरह से पल्ला झाड़ना है। स्थानीय विधायक को अंदाजा था कि जो पुल दुर्घटनाग्रस्त हुआ है, वह पिछले कुछ सालों में कमजोर हो गया था और इस पर आवाजाही खतरनाक हो सकती है। इसके लिए एक नए पुल की मांग भी की गई थी। सरकार का कहना है कि उसने नए पुल के लिए 212 करोड़ रुपए का फंड भी मंजूर कर दिया है और एक सर्वेक्षण भी हो चुका है। तो अगर यह सब हुआ था, तो घोड़े कहां अटके थे? प्रधानमंत्री मोदी के 'गुजरात मॉडल' की अनगिनत 'परिकथाएं' पिछले ढाई दशकों से रंगाकर सुनाई जाती रही हैं। बुधवार के पुल हादसे ने उन 'परिकथाओं' के रंगों को एक बार फिर से कुरेद दिया। तीन साल पहले गुजरात के ही मोरबी में हुए भीषण पुल हादसे ने गुजरात मॉडल की पोल खोल दी थी। उस समय हुक्मरानों ने हादसे का ठीकरा पुल का रखरखाव और मरम्मत करने वाली कंपनी के माथे फोड़ दिया था और पल्ला झाड़ने की कोशिश की थी। मोरबी पुल हादसे में 141 से ज्यादा निर्दोष लोगों की मौत हो गई थी। वह पुल 140 साल पुराना था। अब ढहा हुआ गंभीरा पुल केवल 45 साल पुराना था, लेकिन यह दो टुकड़ों में ढह गया। अंग्रेजों द्वारा बनाया गया मोरबी हिलता पुल 140 साल तक चला। मोदी के तथाकथित गुजरात मॉडल द्वारा बनाया गया गंभीरा पुल के 45 साल में ही दो टुकड़े हो गए! यह पाप केवल उन लोगों के लिए है जो गुजरात मॉडल के लिए अपनी पीठ थपथपाते हैं। आपके 212 करोड़ रुपए के प्रावधान और सर्वेक्षण का क्या फायदा? यदि गुजरात मॉडल दूसरों से अलग होता, तो यह कमजोर पुल 'प्रावधान और सर्वेक्षण' के कागजी घोड़े में नहीं फंसता और निर्दोष लोगों को अपनी जान नहीं गंवानी पड़ती। वही सरकारी उदासीनता जिसके कारण पिछले महीने पुणे जिले में कुंडमाला पुल ढह गया, वही सरकारी उदासीनता है जिसके कारण तीन साल पहले गुजरात में मोरबी चल पुल दुर्घटना हुई और अब वडोदरा में गंभीरा पुल ढह गया। 'गुजरात मॉडल' के पांव भी मिट्टी के निकले। प. बंगाल में एक पुल गिरने पर प्रधानमंत्री मोदी ने ममता बनर्जी सरकार को जिम्मेदार ठहराया था। उन्होंने संभावना व्यक्त करते कहा था कि यह हादसा 'ऐक्ट आफ प्रâाड' है।

> पहलगाम से लेकर दिल्ली तक, यह ढहना जारी है, लेकिन इस मॉडल की कमजोरी गुजरात में ही सामने आई है। कल, भारत ने वडोदरा-आणंद को जोड़ने वाले पुल के ढहने की 'लाइव' तस्वीर देखी। इस पुल हादसे में ट्रक, टैंकर, कारें बह गर्इं और दस से ज्यादा लोग बह गए। मोरबी पुल से वडोदरा तक पुल का ढहना और बहना जारी है। मानो इतना ही काफी नहीं था, इसी बीच अहमदाबाद में एयर इंडिया का एक विमान दुर्घटनाग्रस्त हो गया। 24 लोग मारे गए। अब, जबकि गुजरात के सुपुत्र प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी विश्व भ्रमण पर थे, तभी 'वडोदरा' में पुल ढह गया। नरेंद्र मोदी कल तक इसी वडोदरा संसदीय क्षेत्र का नेतृत्व कर रहे थे। अब वे वाराणसी से सांसद हैं। उस वाराणसी की सड़कों में भी 'कुएं' जितने गड्ढे हैं।

दृष्टि कोण

सादगी की सियासत: मनोहर लाल की राजनीति और परछाइयाँ

जब भी हरियाणा की राजनीति पर नज़र डालते हैं, एक बात तुरंत सामने आती है — सत्ता में आते ही नेताओं की कोठियों की संख्या बढ़ जाती है, गाड़ियों के काफिले लम्बे हो जाते हैं, और रिश्तेदारों के व्यापार अचानक बढ़ने लगते हैं। मगर इन सब के बीच एक नाम ऐसा भी है जो न कोठी वाला है, न खानदान का ठेकेदार — मनोहर लाल खट्टर।

तो सवाल यही है — क्या कमाया मनोहर लाल ने राजनीति में?

उत्तर साफ है — उन्होंने कमाया विश्वास। उन्होंने कमाई उन लाखों मेहनती, पढ़ने-लिखने वाले गरीब बच्चों की दुआएँ, जो कभी सोच भी नहीं सकते थे कि बिना सिफारिश, बिना रिश्वत, सिर्फ मेहनत के दम पर उन्हें भी सरकारी नौकरी मिल सकती है। जहाँ अधिकतर नेता राजनीति को वैभव और व्यक्तिगत लाभ का ज़रिया मानते हैं, वहीं मनोहर लाल खट्टर सादगी और पारदर्शिता का प्रतीक बनकर सामने आए। वे मुख्यमंत्री हैं लेकिन उनका खुद का कोई निजी मकान नहीं है। न पंचकूला, न गुरुग्राम, न चंडीगढ़ में कोई कोठी या फार्महाउस। आज भी वे दो कमरों के सरकारी क्वार्टर में रहते हैं। उन्होंने न केवल अपने निजी जीवन को सादा और संयमित रखा, बल्कि सरकार चलाते समय भी जनता के पैसे को जनता के काम में लगाया। जहाँ अन्य नेता अपनी संतानों और नातेदारों को सत्ता में भागीदार बनाते रहे, वहीं खट्टर ने व्यवस्था को मजबूत करने और भरोसे को लौटाने की कोशिश की — वह भी बिना किसी शोर-शराबे के। मनोहर लाल खट्टर का जन्म पाँच मई उन्नीस सौ चौवन को निंदाना गाँव, ज़िला रोहतक (अब झज्जर), हरियाणा में हुआ। उनका परिवार देश के विभाजन के समय पाकिस्तान से भारत आया था। प्रारंभिक शिक्षा रोहतक में प्राप्त की और फिर दिल्ली विश्वविद्यालय से स्नातक की पढ़ाई की। पढ़ाई के

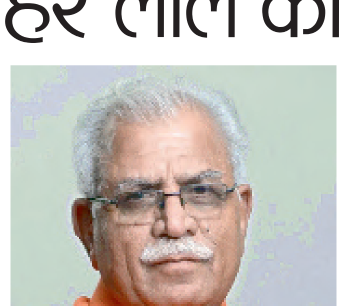

बाद उन्होंने पूरी तरह से स्वयंसेवक संगठन को समर्पित कर दिया और लंबे समय तक पूर्णकालिक प्रचारक रहे। वे लगभग चालीस वर्षों तक स्वयंसेवक संगठन से जुड़े रहे और संगठनात्मक अनुभव के साथ वर्ष उन्नीस सौ चौरानवे में भारतीय जनसंघ से सक्रिय राजनीति में आए। दो हजार चौदह में जनसंघ की ऐतिहासिक जीत के बाद उन्हें हरियाणा का मुख्यमंत्री बनाया गया — यह नियुक्ति जाति, जातिगत संतुलन या जोड़तोड़ से नहीं, बल्कि विचार, व्यवहार और संगठन की निष्ठा के आधार पर हुई। हरियाणा में एक समय ऐसा भी था जब नौकरी पाना मतलब किसी विधायक या मंत्री की पहचान ढूंढना होता था। पैसे लेकर नौकरियाँ बेची जाती थीं, परीक्षाएँ लीक होना आम बात थी। मनोहर लाल खट्टर के शासन में यह व्यवस्था बदली। चयन बोर्ड और लोक सेवा आयोग की प्रक्रियाएँ पारदर्शी बनीं, आवेदन और चयन की प्रक्रियाएँ ऑनलाइन हुईं, परिणामों में निष्पक्षता आई। अब एक साधारण परिवार का बच्चा भी कह सकता है — अगर पढ़ाई की है, तो नौकरी मेरी है। उनके कार्यकाल में लाखों नौकरियाँ बिना सिफारिश, बिना रिश्वत के दी गईं। इसका परिणाम यह हुआ कि गाँव-गाँव में युवाओं का आत्मविश्वास लौटा। अब युवा किसी नेता की सिफारिश नहीं ढूंढते, बल्कि अपने पुस्तकालय में और अधिक समय बिताने लगे हैं। यह कहना गलत नहीं होगा कि उन्होंने लाखों युवाओं को सिर उठाकर जीने का हक़ दिया है — बिना किसी समझौते के। बेशक, मनोहर लाल खट्टर पर भी आलोचनाएँ हुईं — कभी किसान आंदोलन को लेकर, कभी पुलिस व्यवस्था या कर्मचारियों की माँगों को लेकर। लेकिन उन्होंने कभी भाषा की मर्यादा नहीं तोड़ी, न ही किसी आंदोलनकारी को दुश्मन की तरह देखा। उन्होंने संवाद और संयम की नीति अपनाई। यह उनके व्यक्तित्व की सबसे बड़ी विशेषता है — काम को प्रचार नहीं बनाना, और आलोचना को अवसर की तरह लेना। उनके शासनकाल में कई नवाचार हुए — परिवार पहचान पत्र की योजना, सरल पोर्टल, बेटी बचाओ बेटी पढ़ाओ का प्रभावी संचालन, डिजिटल सेवा केंद्रों की स्थापना, पारदर्शी शिकायत निवारण प्रणाली — ये सब व्यवस्थागत सुधार हैं, जिनका सीधा लाभ आम आदमी तक पहुँचा है।

ट्रंप का पूरा जोर टेक्सास पर, कांग्रेस में मजबूत स्थिति के लिए जीतना चाहते हैं पांच सीट

वाशिंगटन,16 जुलाई (एजेंसियां) । संयुक्त राज्य अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप की इस समय सबसे बड़ी चिंता कांग्रेस में रिपब्लिकन की मजबूत स्थिति को बरकरार रखना है। उन्होंनेपार्टी के सामने टेक्सास की पांच सीटें जीतने का लक्ष्य रखा है। ट्रंप ने कहा कि यह असंभव नहीं है। अगर मेहनत की जाए तो पार्टी पांच सीटें जीत सकती है। खबर के अनुसार, इस समय रिपब्लिकन का टेक्सास के 38 कांग्रेसी जिलों में से 25 पर नियंत्रण रखते हैं। ट्रंप अगले सप्ताह के विशेष विधायी सत्र में पांच और सीटें बढ़ाने की दिशा में तेजी से काम कर रहे हैं। उनका फोकस दक्षिण टेक्सास के दो जिले हैं। यहां डेमोक्रेटिक प्रभावी हैं।

पिछले साल ट्रंप ने प्रतिनिधि हेनरी क्यूएलर के जिले में 7 अंकों और प्रतिनिधि विसेंट गोंजालेज के जिले में 4 अंकों से बढ़त हासिल की थी। क्यूएलर ने अपनी सीट 6 अंकों से कम अंतर से जीती, जबकि गोंजालेज ने 3 अंकों से कम अंतर से। डेमोक्रेटिक जिलों में रिपब्लिकन मतदाताओं को लुभाने की कोशिश से रिपब्लिकन-नियंत्रित जिलों में प्रतिस्पर्धा बढ़ने की संभावना है।

ट्रंप ने गवर्नर ग्रेग एबॉट पर इसके लिए दबाव बनाया है। स्टीव कोर्नैकी ने हाल ही में उल्लेख किया है राष्ट्रपति की पार्टी ने पिछले 15 मध्यावधि चुनाव में से 13 में हाउस सीटें गंवाई हैं। सेन जॉन कॉर्निन को राज्य के अटॉर्नी जनरल केन पैक्सटन से रिपब्लिकन प्राइमरी में चुनौती मिल रही है। एक्स पोस्ट में उन्होंने तर्क दिया, टेक्सास में हिस्पैनिक मतदाता तेजी से रिपब्लिकन के पक्ष में आ गए हैं। टेक्सास रिपब्लिकन को इसका बड़ा फायदा मिल सकता है। डेमोक्रेट और कैलिफोर्निया के गवर्नर गेविन न्यूसम 2028 के राष्ट्रपति पद के संभावित दावेदार हैं। उन्होंने टेक्सास में रिपब्लिकन के प्रयासों का मुकाबला करने के लिए अपने राज्य के नक्शे को फिर से बनाने का प्रस्ताव भी रखा है। डेमोक्रेटिक कांग्रेसनल कैंपेन कमेटी की अध्यक्ष प्रतिनिधि सुजैन डेलबेने ने कहा कि बहुमत खोने की आशंका से रिपब्लिकन नए-नए तरीके खोज रहे हैं। उल्लेखनीय है कि अमेरिका में कांग्रेस संघीय सरकार की विधायी शाखा है। वह कानून बनाने का काम करती है। यह दो सदनों में बंटी है। एक है प्रतिनिधि सभा और दूसरी सीनेट।

न्यूज ब्रीफ

कनाडा में लॉरेंस का खौफः आतंकवादी संगठन घोषित करने की मांग

ओटावा। कनाडा में लॉरेंस बिश्नोई गैंग खौफ की नई परिभाषा बन चुका है। यही कारण है कि अब उसे आतंकवादी संगठन घोषित करने की मांग हो रही है। हिंसा, ड्रग्स, वसूली और 'टारगेटेड किलिंग्स' के आरोपों के चलते इस गैंग के खिलाफ आवाजें तेज होती जा रही हैं। अल्बर्टा प्रांत की प्रमुख डेनिएल स्मिथ ने बिश्नोई गैंग को आतंकवादी संगठन घोषित करने की खुली मांग कर डाली। उनका कहना है कि यह गैंग कनाडा ही नहीं, पूरी दुनिया में अपराध फैला रहा है। भारत सरकार पहले ही कनाडा से लॉरेंस बिश्नोई गैंग के उन सदस्यों के खिलाफ कार्रवाई की मांग कर चुकी है, जो वहां रहकर गैंग चला रहे हैं। इसमें प्रमुख नाम है गोल्डी बराड़ का जिसे पंजाबी गायक सिद्धू मूसे वाला की हत्या में मुख्य आरोपी बताया गया है। कई रिपोर्ट्स के मुताबिक बिश्नोई और गोल्डी अब अलग-अलग हो गए हैं। एक संयुक्त बयान में उन्होंने कहा, लॉरेंस बिश्नोई गैंग एक ट्रांसनेशनल क्रिमिनल नेटवर्क है, जो हिंसा, वसूली, ड्रग्स तस्करी और सुनियोजित हत्याओं के लिए जिम्मेदार है। इसका दायरा वैश्विक है और मंशा पूरी तरह आपराधिक। उन्होंने कहा कि इस गैंग को आतंकी संगठन घोषित करने से स्थानीय और प्रांतीय पुलिस एजेंसियों को वह कानूनी ताकत और संसाधन मिलेंगे, जिनकी उन्हें जरूरत है, ताकि इस नेटवर्क को तोड़ा जा सके और लोगों की सुरक्षा सुनिश्चित की जा सके।

ताइवान में चीन की सैन्य हलचल बढ़ी

ताइपे (ताइवान)। ताइवान का स्वतंत्र राष्ट्र होना चीन को फूटी आंख नहीं सुहाता। उसकी हरचंद कोशिश है कि ताइवान चीन का हिस्सा बने। वह लंबे समय से इस कोशिश में लगा हुआ है। ताइवान के आसपास चीन के लड़ाकू विमान मंडराते रहते हैं। ताइवान के राष्ट्रीय रक्षा मंत्रालय ने कहा कि सुबह देश के हवाई और जल क्षेत्र में चीन की सैन्य गतिविधियां देखी गईं। ताइवान के राष्ट्रीय रक्षा मंत्रालय (एमएनडी) ने एक्स पोस्ट में कहा कि चीन के 18 सैन्य विमान, सात नौसैनिक जहाज और दो आधिकारिक जहाज देखे गए। 18 सैन्य विमानों में से छह मध्य रेखा को पार कर देश के उत्तरी, मध्य, दक्षिण-पश्चिमी और पूर्वी वायु रक्षा पहचान क्षेत्र (एडीआईजेड) में प्रवेश कर गए। चीन की कार्रवाई के जवाब में सशस्त्र बलों ने सैन्य विमान, नौसैनिक जहाज और तटीय मिसाइल प्रणालियां तैनात कीं। रक्षा मंत्रालय ने एक अन्य एक्स पोस्ट में कहा कि मंत्री वेलिंगटन कू ने कल रात रन-वे की मरम्मत में जुटे सैनिकों का कुशलक्षेम जानने के लिए हुआलिएन का दौरा किया। उल्लेखनीय है कि कल (15 जुलाई) भी चीन के सैन्य विमानों ने ताइवान में घुसपैठ की थी। राष्ट्रीय रक्षा मंत्रालय ने एक्स पोस्ट में कहा था कि सुबह ताइवान के आसपास 26 चीनी सैन्य विमानों, सात नौसैनिक जहाजों और एक आधिकारिक जहाज को सक्रिय होते देखा गया। चीन के 26 सैन्य विमानों में से 21 ने उल्लंघन कर ताइवान के उत्तरी, दक्षिण-पश्चिमी और पूर्वी वायु रक्षा क्षेत्र में प्रवेश किया।

बलूच विद्रोही ही नहीं, टीटीपी ने भी मचा रखा है गदर, 6 महीने में हजारो अटैक सैंकड़ो की मौत

इस्लामाबाद। आतंकियों का पालन पोषण करने में पाकिस्तान माहिर है। दूसरे देशों में दहशत फैलाता है और निर्दोषों की हत्या कराता है। अब पाकिस्तान खुद संकटों में घिर गया है। टीटीपी हो या बलूच विद्रोही, पाकिस्तानी फौज की नाक में दम कर रखा है। कोई दिन ऐसा नहीं गुजरता कि जब किसी हमले की खबर ना आए और पाकिस्तान में कोई जनाजा ना उठे। टीटीपी ने जनवरी से लेकर अब तक के अटैक की लिस्ट जारी की है। इसमें दावा किया गया है कि अब तक पाकिस्तानी सुरक्षाबलों पर 1377 हमलों को अंजाम दिया गया है। इन हमलों में 832 पाकिस्तानी सुरक्षाबलों के मारे जाने का दावा भी किया गया है। इन हमलों में 1108 लोग घायल हुए और 57 को अगवा किया गया है। टीटीपी ने खैबर फख्तूख्वा से बाहर निकलते हुए पाक फौज पर बलूचिस्तान में भी 27 हमलों को अंजाम दिया है। टीटीपी ने अपने आंकड़े जारी किए तो बलूचिस्तान होम डिपार्टमेंट की तरफ से भी पहले 6 महीने के आतंकी हमलों के आंकड़े जारी किए। इसमें साफ कहा गया है कि हमलों की संख्या में बढ़ोतरी हुई है। रिपोर्ट के मुताबिक 1 जनवरी से 11 जुलाई तक के आंकड़ों के बीच कुल 501 हमलों को अंजाम दिया गया।

अमेरिका में रह रहे लाखों अवैध प्रवासियों की मुसीबत बढ़ी लिया जाएगा हिरासत में,जमानत पर सुनवाई भी नहीं होगी

वाशिंगटन,16 जुलाई (एजेंसियां) ।

ट्रंप प्रशासन ने संयुक्त राज्य अमेरिका में रह रहे लाखों अवैध प्रवासियों को निर्वासित करने का पक्का मन लिया है। आव्रजन और सीमा शुल्क प्रवर्तन (आईसीई) ने काफी कठोर नीति लागू की है। इस नीति के अनुसार, बिना दस्तावेज के रह रहे प्रवासियों को जमानत की सुनवाई के अयोग्य माना जाएगा। पूरे मामले की सुनवाई के दौरान उन्हें महीनों या सालों तक हिरासत में रखा जा सकता है।

खबर के अनुसार, वकीलों का मानना है कि इस नीति का मकसद निर्वासन अभियान में तेजी लाना है। आईसीई को हिरासत में लिए गए प्रवासियों को सुविधाजनक तरीके से रखने के लिए अरबों डॉलर प्राप्त हुए हैं। वकीलों का कहना है कि इससे पहले ऐसे प्रवासियों को आम तौर पर आव्रजन न्यायाधीश के समक्ष जमानत की अर्जी देने का अधिकार था।

इस नीति का खुलासा आईसीई के कार्यवाहक निदेशक टॉड एम. लियोन्स 08 जुलाई को कर चुके हैं। उन्होंने कहा कि गृह सुरक्षा विभाग ने हिरासत और रिहाई के अधिकार पर कानूनी स्थिति पर पुनर्विचार किया है। तय किया गया है कि अमेरिका में अवैध रूप से प्रवेश करने वाले प्रवासियों को उनके निष्कासन की कार्यवाही की अवधि तक हिरासत में रखा जाएगा।

आव्रजन वकीलों का कहना है कि यह नीति उन लाखों लोगों पर भी लागू होगी जो दशकों से अमेरिका में रह रहे हैं और उनमें से कई के बच्चे अमेरिकी नागरिक हैं। आईसीई के कार्यवाहक निदेशक टॉड एम. लियोन्स का मानना है कि आईसीई को इस कदम के लिए कानूनी चुनौतियों का सामना करना पड़ सकता है।

आईसीई के एक प्रवक्ता ने द इंडिपेंडेंट अखबार से कहा कि यह नीति कानून की गलत व्याख्या के आधार पर अमेरिका की सुरक्षा के लिए अहम खामी को दूर करती है। अगले चार वर्षों में प्रवासियों को हिरासत में रखने के लिए 45 अरब डॉलर मिलेंगे। संघीय अधिकारियों का मानना है कि इस रकम से आईसीई हिरासत केंद्रों में बिस्तरों की संख्या 80,000 से 100,000 तक बढ़ाएगी।

अधिवक्ताओं का कहना है कि प्रवासियों को जमानत की सुनवाई से वंचित करने से उनके लिए अपना मामला लड़ना और भी मुश्किल हो जाएगा।

डलास क्षेत्र के प्रमुख वकील पॉल हंकर ने कहा, मुझे लगता है कि इस नीति से अब प्रवासियों को निर्वासित होने तक अनिश्चितकाल तक हिरासत में रखा जा सकेगा।

सहायक सचिव ट्रिशिया मैकलॉघलिन ने कहा, राष्ट्रपति ट्रंप और सचिव नोएम अब इस नियम को लागू कर रहे हैं। यह नीति वास्तव में अमेरिका को सुरक्षित रखने के लिए तैयार की गई है। अवैध प्रवासियों के हमदर्द चाहे जितना रोना रो सकते हैं। प्रशासन इन अपराधियों और कानून तोड़ने वालों को अमेरिकी सड़कों पर नहीं घूमने देगा।

इमरान खान की पूर्व पत्नी रेहम खान की सियासत में एंट्री, 'पाकिस्तान रिपब्लिक पार्टी' से करेंगी नई शुरुआत

इस्लामाबाद,16 जुलाई (एजेंसियां) । पाकिस्तान के पूर्व प्रधानमंत्री इमरान खान की पूर्व पत्नी और जानी-मानी पत्रकार रेहम खान ने राजनीति में उतरने की आधिकारिक घोषणा की है। उन्होंने मंगलवार को 'पाकिस्तान रिपब्लिक पार्टी' नाम से एक नए राजनीतिक दल बनाने का ऐलान किया है। इस कदम ने पाकिस्तान की राजनीतिक गलियारों में हलचल मचा दी है।

रेहम खान ने स्पष्ट कहा कि वह अब किसी के कहने पर नहीं, बल्कि अपनी मर्ज़ी और शर्तों पर राजनीति में कदम रख रही हैं। उन्होंने कहा कि उनकी पार्टी किसी राजनीतिक परिवार, वंश या दबाव समूह का हिस्सा नहीं होगी, बल्कि यह पूरी तरह जनता के मुद्दों पर केंद्रित होगी।

अपने संबोधन में रेहम खान ने पाकिस्तान में बुनियादी सुविधाओं की भारी कमी को उठाया। उन्होंने कहा कि स्वास्थ्य, स्वच्छ जल और शिक्षा जैसी मूलभूत सेवाओं का हाल 2012 से अब तक बदतर हुआ है और यह अब बर्दाश्त से बाहर है। उनकी पार्टी का उद्देश्य आम जनता की वास्तविक समस्याओं को सियासत का केंद्र बनाना होगा।

रेहम ने वंशवाद की राजनीति पर बोला हमला

रेहम खान ने कहा कि उनकी पार्टी वंशवाद की राजनीति के सख्त खिलाफ है। उनका दावा है कि उनकी पार्टी एक जनआधारित स्वतंत्र आंदोलन होगी, जो सच्चे बदलाव के लिए काम करेगी। रेहम खान की राजनीति में एंट्री की घोषणा से पाकिस्तान के राजनीतिक हलकों में कोहराम बच गया है। राजनीतिक विश्लेषक जहां इस फैसले को राजनीतिक बदलाव बता रहे हैं, वहीं विपक्षी इसे एक नवोदित चुनौती के रूप में देख रहे हैं।

जंगल की आग से आसमान काले धूएं से भरा

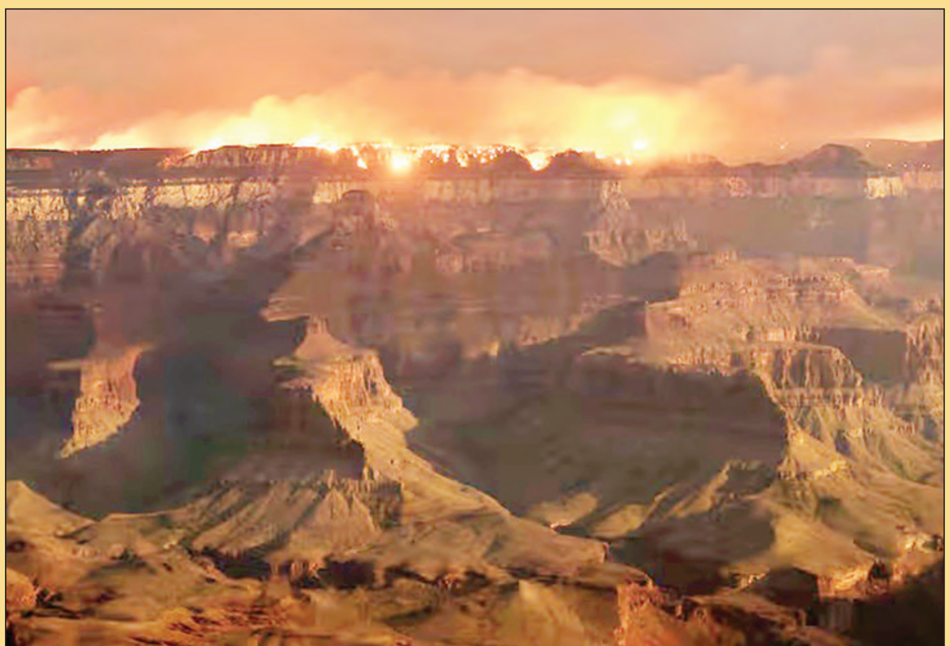

एरीजोना में जंगल की आग से आसमान काले धूएं से भर गया।

नेपाल का संविधान जारी होने के बाद विवाहित महिला को भी पैतृक संपत्ति में बराबर का अधिकार : सुप्रीम कोर्ट

काठमांडू,16 जुलाई (एजेंसियां) । नेपाल के सुप्रीम कोर्ट ने एक ऐतिहासिक फैसला सुनाते हुए विवाहित महिला को भी अपने पिता की संपत्ति में बराबर का अधिकार देने की बात कही है। हालांकि यह कानून नेपाल के नए संविधान के जारी होने के दिन से लागू करने का फैसला सुनाया गया है। पिता की संपत्ति पर अधिकार मांगने के मामले में सुनवाई करते हुए सुप्रीम कोर्ट ने कहा है कि नेपाल का संविधान जारी होने के दिन से ही वह कानून लागू किया जाए जिसमें पिता की संपत्ति पर विवाहित बेटियों को भी बराबर का अधिकार देने की बात उल्लेख है। इस समय नेपाल में बेटियों को अपने पिता की संपत्ति में बराबर का अधिकार देने का कानून है। सरकार ने इसमें संशोधन करते हुए सिर्फ अविवाहित बेटियों को ही नहीं बल्कि विवाहित बेटियों को भी संपत्ति में बराबर का अधिकार देने का प्रावधान रखा। सरकार द्वारा इस संशोधन को किए जाने के बाद अदालत में संपत्ति को लेकर लंबित

तमाम मुद्दों में जिला अदालत और उच्च अदालत ने बेटियों को संपत्ति में अधिकार देने का फैसला भी सुनाया। लेकिन इस कानून को कब से लागू माना जाए इसको लेकर विवाद होने के बाद अदालत ने पांच जजों की बेंच गठित कर इस पर मंगलवार को अपना फैसला सुनाया है। पांच जजों में से तीन जजों ने बहुमत से यह फैसला सुनाया है कि सरकार का यह कानून संविधान जारी होने के दिन से लागू किया जाए। जबकि दो जजों का मत यह था कि पिता की संपत्ति पर सभी बेटियों का बराबर का अधिकार होना चाहिए इसमें संविधान में दिन तारीख या साल नहीं लिखा है तो इसमें विवाहित या अविवाहित नहीं देखना चाहिए। सुप्रीम कोर्ट के वरिष्ठतम न्यायाधीश सपना प्रधान मल्ल, मनोज कुमार शर्मा, सारंगा सुवेदी, अब्दुल अजीज तथा महेश शर्मा पौडेल के फूल बेंच ने इस पर अपना फैसला सुनाते हुए बेटियों को पिता की संपत्ति में बराबर की हिस्सेदारी देने के संसद के कानून को सही बताया है। हालांकि इनमें से न्यायाधीश सपना प्रधान मल्ल तथा महेश शर्मा पौडेल ने इस फैसले में सभी विवाहित महिलाओं को भी यह अधिकार दिए जाने की बात कही है।

मेटा का बड़ा एक्शन, 1 करोड़ फेसबूक अकाउंट किए बंद, जानें कौन सी गलती पड़ सकती है भारी

न्यूयॉर्क,16 जुलाई (एजेंसियां) । मेटा ने एक बड़े एक्शन की जानकारी दी है और बताया है कि 1 करोड़ अकाउंट्स को ब्लॉक कर दिया है, जो चोरी-छिपे दूसरे डुप्लीकेट प्रोफाइल चला रहे थे। कंपनी ने इन अकाउंट्स को इस साल की पहली छमाही में डिलीट किया है, जिसको कंपनी ने स्पॉमी केंटेट का नाम दिया है।

दरअसल, कंपनी का मकसद फेसबुक फीड को और ज्यादा रिलेवेंट, क्लीन और ऑथेंटिक बनाना है। खासकर तब जब सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म पर एआई जनरेटेड कंटेंट का विस्तार इतनी तेजी से

हो रहा है जैसे की मानों यहां बाढ़ आ गई है। कंपनी ने बताया है कि ये फेक अकाउंट कथित तौर पर फेसबुक के एल्गोरिदम और ऑडियंस रीज का फायदा उठाना चाहते हैं, उसके लिए वे बड़े कंटेंट क्रिएटर्स के अकाउंट की डुप्लीकेसी बनाने की कोशिश करते थे।कंपनी ने बताया है कि 5 लाख अन्य अकाउंट को गलत एक्टिविटी के लिए उनके खिलाफ एक्शन लिया है। यहां बताता चलें कि ये अकाउंट कमेंट स्पैम, बॉट जैसी एंगेजमेंट और कंटेंट रिसाइक्लिंग में शामिल थे।

मेटा ने अपने ब्लॉगपोस्ट में बताया है कि मेटा ने ओरिजनल कंटेंट क्रिएटर्स, स्पेशली यूनिक इमेज या वीडियो बनाने वाले क्रिएटर्स को रिवॉर्ड देने के लिए नई नीति की जानकारी दी है।

साथ ही कंपनी अब डुप्लिकेट कंटेंट का पता लगाने और उसकी रीज को कम करने के लिए एक तकनीक का उपयोग करेगी। मेटा का यह एक्शन ऐसे समय लिया गया है, जब कंपनी खुद एआई इंफ्रास्ट्रक्चर पर बड़े स्तर पर काम कर रही है।

गिरिराज सिंह ने टोक्यो में इंडिया ट्रेंड फेयर का उद्घाटन किया, कई उच्च स्तरीय बैठकें कीं

नई दिल्ली,16 जुलाई (एजेंसियां)।

केंद्रीय कपड़ा मंत्री गिरिराज सिंह ने जापान की आधिकारिक यात्रा के दूसरे दिन प्रमुख जापानी कंपनियों के साथ कई उच्च स्तरीय बैठकें कीं। उन्होंने 15 जुलाई को टोक्यो में 16वें इंडिया ट्रेंड फेयर का उद्घाटन भी किया। यह मेला भारतीय कपड़ा निर्यातकों के लिए जापानी खरीदारों से सीधे जुड़ने के सबसे बड़े प्लेटफार्मों में से एक है।

इससे दोनों देशों का कपड़ा व्यापार बढ़ने की उम्मीद है। कपड़ा मंत्रालय ने बुधवार को जारी एक बयान में बताया कि गिरिराज सिंह ने इस दौरान ज़िपर और फास्टनिंग उत्पादों की विश्व की सबसे बड़ी निर्माता कंपनी वाईकेके कॉर्पोरेशन के प्रमुख से मुलाकात की। मंत्रालय के मुताबिक हरियाणा में पहले से ही कार्यरत वाईकेके ने अन्य राज्यों में भी विस्तार करने की इच्छा व्यक्त की। सिंह ने उन्हें पीएम मित्र पार्कों में निवेश के लिए आमंत्रित किया, जिसका उन्होंने स्वागत किया गया।

मंत्रालय ने कहा कि वर्कवियर और फंक्शनल अपैरल क्षेत्र की अग्रणी कंपनी वर्कमैन कंपनी के अध्यक्ष के साथ एक अहम बैठक में केंद्रीय मंत्री ने भारत के बढ़ते विनिर्माण इकोसिस्टम पर प्रकाश डाला। बैठक के दौरान वर्कमैन कंपनी ने पीएम मित्रा ढांचे के तहत भारत में विनिर्माण संयंत्र स्थापित करने में गहरी रुचि दिखाई। सिंह ने डिजिटल और औद्योगिक मुद्रण क्षेत्र की वैश्विक कंपनी कोनिका मिनोल्टा के साथ भी चर्चा की।

कपड़ा मंत्रालय ने कहा कि उन्होंने कंपनी को भारत में परिचालन का विस्तार करने और ईएसजी एवं स्थिरता लक्ष्यों में योगदान देने के लिए आमंत्रित किया। कंपनी ने भारत में अपने कारोबार को बढ़ाने के अवसर का स्वागत किया। इसके अलावा गिरिराज सिंह ने फाइबर, औद्योगिक सामग्री और विशिष्ट वस्त्र उद्योग में 20 अरब अमेरिकी डॉलर के समूह, असाही कासेई कॉर्पोरेशन के नेतृत्व से भी मुलाकात की। कंपनी ने मेक इन इंडिया फॉर द वर्ल्ड पहल के तहत निवेश करने में गहरी रुचि दिखाई। दिन का समापन टोक्यो स्थित भारतीय दूतावास में एक रोड शो और उद्योग जगत के साथ बातचीत के साथ हुआ, जिसमें कपड़ा क्षेत्र पर केंद्रित भारत-जापान साझेदारी का उत्सव मनाया गया।

न्यूज ब्रीफ

स्टेट बैंक बॉन्ड के जरिए 20 हजार करोड़ रुपये जुटाएगा, बोर्ड ने दी मंजूरी

मुंबई। देश एवं सार्वजनिक क्षेत्र के सबसे बड़े ऋणदाता स्टेट बैंक ऑफ इंडिया (एसबीआई) चालू वित्त वर्ष 2025-26 में घरेलू निवेशकों को बॉन्ड जारी कर 20 हजार करोड़ रुपये तक जुटाएगा। एसबीआई बोर्ड ने बॉन्ड जारी करने की योजना को मंजूरी दे दी है। स्टेट बैंक ने बुधवार को शेयर बाजार को दी सूचना में बताया कि उसके निदेशक मंडल ने बेसल कंप्लायंट अतिरिक्त टियर-1 और टियर-2 बॉन्ड जारी करके 20,000 करोड़ रुपये जुटाने की योजना को मंजूरी दे दी है। एसबीआई ने एक्सचेंजों बताया कि बैंक चालू वित्त वर्ष 2025-26 के दौरान घरेलू निवेशकों को बॉन्ड जारी करेगा। इसके लिए जहां भी आवश्यक हो भारत सरकार से मंजूरी लेनी होगी। उल्लेखनीय है कि धन उगाहने की घोषणा के बाद ऋणदाता के शेयर बॉम्बे स्टॉक एक्स्चेंज और नेशनल स्टॉक एक्सचेंज पर लगभग 2 फीसदी बढ़कर 832 रुपये के करीब दिन के उच्चतम स्तर पर पहुंच गए। एसबीआई के शेयर पिछले 12 महीनों में लगभग 6 फीसदी की गिरावट के साथ पिछड़ रहे हैं। हालांकि वे 2025 में अब तक 5 फीसदी का सकारात्मक रिटर्न देने में कामयाब रहे हैं।

संसद के मानसून सत्र में 8 नए बिल लाने की तैयारी में सरकार

नई दिल्ली। संसद का मॉनसून सत्र 21 जुलाई से शुरू होगा, जो 21 अगस्त तक चलेगा। इस दौरान कुल 21 बैठकें होंगी। सरकार इस सत्र में आठ नए विधेयक लाने की तैयारी में है। सरकार इस सत्र में आयकर विधेयक 2025 भी पारित कराने का प्रयास करेगी। इसके अलावा मणिपुर में राष्ट्रपति शासन को बढ़ाए जाने के प्रस्ताव को भी इस सत्र में मंजूरी दी जाएगी। आधिकारिक सूत्रों ने बुधवार को बताया कि सरकार मॉनसून सत्र में नया आयकर विधेयक (इनकम टैक्स बिल 2025) पारित कराने की कोशिश करेगी। यह विधेयक पिछले सत्र में पेश हुआ था, जिसे संयुक्त संसदीय समिति को भेजा गया था। सरकार की ओर से वित्त मंत्री ने फरवरी में बजट के दौरान संसद में बताया था कि नया आयकर विधेयक, 1961 के आयकर अधिनियम की जटिलताओं को दूर करेगा। यदि यह विधेयक इस सत्र में पारित हो जाता है, तो यह कानून 1 अप्रैल 2026 से प्रभावी होगा। संसद के इस सत्र में अन्य जो विधेयक पेश किए जाएंगे, उनमें नेशनल स्पोर्ट्स गवर्नेंस बिल, नेशनल एंटी-डोपिंग संशोधन विधेयक और माइन एंड मिनरल्स (खनिज और खदान) संशोधन विधेयक शामिल हैं। इसके अलावा अन्य लंबित विधेयकों को भी पारित कराने की कोशिश की जाएगी, जिनमें 'इंडियन पोर्ट्स बिल' (भारतीय बंदरगाह विधेयक) भी शामिल है। इनके अलावा मणिपुर जीएसटी संशोधन बिल, टैक्सेशन संशोधन बिल और जनविश्वास संशोधन बिल भी पेश किए जाने की संभावना है, जिन्हें सरकार इस सत्र में पारित कराने का प्रयास करेगी।

एमटीएनएल ने 8,585 करोड़ के कर्ज का भुगतान नहीं किया

नई दिल्ली। सार्वजनिक क्षेत्र की दूरसंचार कंपनी एमटीएनएल ने सात सरकारी बैंकों से लिए गए 8,585 करोड़ रुपये के कर्ज का भुगतान नहीं किया है। कंपनी ने यह जानकारी शेयर बाजार को दी। घाटे में चल रही एमटीएनएल के कुल कर्ज का आंकड़ा 30 जून, 2025 तक 34,484 करोड़ रुपये तक पहुंच गया है। इसमें बैंक ऋण के रूप में 8,585 करोड़ रुपये और सरकारी गारंटी वाले बॉन्ड के रूप में 24,071 करोड़ रुपये शामिल हैं। ऋण चूक में यूनियन बैंक ऑफ इंडिया सबसे बड़ा कर्जदाता है, जिससे एमटीएनएल ने 3,733.22 करोड़ रुपये का भुगतान नहीं किया। इसके बाद इंडियन ओवरसीज बैंक का 2,434.13 करोड़ रुपये, बैंक ऑफ इंडिया का 1,121.09 करोड़ रुपये, पंजाब नेशनल बैंक का 474.66 करोड़ रुपये, भारतीय स्टेट बैंक का 363.43 करोड़ रुपये, यूको बैंक का 273.58 करोड़ रुपये और पंजाब एंड सिंध बैंक का 184.82 करोड़ रुपये का कर्ज शामिल है। यह राशि मूलधन और ब्याज दोनों का भुगतान शामिल है। कंपनी ने बताया कि यह कर्ज भुगतान अगस्त, 2024 से फरवरी, 2025 के बीच चूक गया है। इससे पहले एमटीएनएल ने 31 मार्च, 2025 को 8,346.24 करोड़ रुपये की कर्ज चूक की सूचना दी थी।

उतार-चढ़ाव के बीच मामूली बढ़त के साथ बंद हुआ शेयर बाजार, निवेशकों ने की 80 हजार करोड़ की कमाई

नई दिल्ली,16 जुलाई (एजेंसियां)।

घरेलू शेयर बाजार दिन के दूसरे कारोबारी सत्र में हुई खरीदारी के सपोर्ट से मामूली बढ़त के साथ बंद होने में सफल रहा। के कारोबार की सपाट स्तर पर शुरुआत हुई थी। बाजार खुलने के कुछ मिनट बाद ही बिकवाली का दबाव बन जाने के कारण सेंसेक्स और निफ्टी दोनों सूचकांक गिरावट का शिकार हो गए। दोपहर 12 बजे के थोड़ी देर पहले शुरू हुई खरीदारी के कारण बाजार ने रिकवरी करके हरे निशान में पहुंचने में सफलता हासिल कर ली। पूरे दिन के कारोबार के बाद सेंसेक्स 0.08 प्रतिशत और निफ्टी 0.06 प्रतिशत की मामूली तेजी के साथ बंद हुए।

दिनभर के कारोबार के दौरान आईटी, पीएसयू बैंक और ऑटोमोबाइल सेक्टर में लगातार खरीदारी होती रही। इसी तरह एफएमसीजी, रियल्टी, कंज्यूमर ड्युरेबल्स, ऑयल एंड गैस और टेक इंडेक्स भी बढ़त के साथ बंद होने में सफल रहे। दूसरी ओर पब्लिक सेक्टर एंटरप्राइज, मेटल, फार्मास्यूटिकल और कैपिटल गुड्स सेक्टर के शेयरों में दबाव बना रहा। ब्रॉडर मार्केट में खरीदारी का रुख बना रहा, जिसके कारण बीएसई का मिडकैप इंडेक्स 0.10 प्रतिशत की तेजी के साथ बंद हुआ। इसी तरह स्मॉलकैप इंडेक्स ने 0.28 प्रतिशत उछल कर के कारोबार का अंत किया।

शेयर बाजार में आई मजबूती के कारण स्टॉक मार्केट के निवेशकों की संपत्ति में करीब 80 हजार करोड़ रुपये की बढ़ोतरी हो गई। बीएसई में लिस्टेड कंपनियों का मार्केट कैपिटलाइजेशन के कारोबार के बाद बढ़ कर 461.13 लाख करोड़ रुपये (अस्थाई) हो गया। जबकि पिछले कारोबारी दिन यानी मंगलवार को इनका मार्केट कैपिटलाइजेशन 460.33 लाख करोड़ रुपये था। इस तरह निवेशकों को के कारोबार से करीब 80 हजार करोड़ रुपये का मुनाफा हो गया। दिनभर के कारोबार में बीएसई में 4,218 शेयरों में एक्टिव ट्रेडिंग हुई। इनमें 2,338 शेयर बढ़त के साथ बंद हुए, जबकि 1,718 शेयरों में गिरावट का रुख रहा, वहीं 162 शेयर बिना किसी उतार-चढ़ाव के बंद हुए। एनएसई में 2,657 शेयरों में एक्टिव ट्रेडिंग हुई। इनमें से 1,513 शेयर मुनाफा कमा कर हरे निशान में और 1,144 शेयर नुकसान उठा कर लाल निशान में बंद हुए। इसी तरह सेंसेक्स में शामिल 30 शेयरों में से 14 शेयर बढ़त के साथ और 16 शेयर गिरावट के साथ बंद हुए। जबकि निफ्टी में शामिल 50 शेयरों में से 21 शेयर हरे निशान में और 29 शेयर लाल निशान में बंद हुए।

बीएसई का सेंसेक्स 36.25 अंक की मामूली कमजोरी के साथ 82,534.66 अंक के स्तर पर खुला। बाजार खुलने के कुछ देर बाद ही दबाव बन जाने के कारण ये सूचकांक 227.97 अंक टूट कर 82,342.94 अंक के स्तर तक पहुंच गया। दोपहर 12 बजे के थोड़ी देर पहले खरीदारों ने लिवाली का जोर बना दिया, जिसकी वजह से इस सूचकांक की स्थिति में भी सुधार होने लगा।

वैश्विक वस्तु व्यापार जनवरी-मार्च 2025 तिमाही में 5.3 फीसदी बढ़ाः डब्ल्यूटीओ

नई दिल्ली । विश्व व्यापार संगठन (डब्ल्यूटीओ) ने एक बयान जारी कर कहा कि वर्ष 2025 की पहली तिमाही में वैश्विक वस्तु व्यापार में सालाना आधार पर 5.3 प्रतिशत की वृद्धि हुई है। अक्टूबर-दिसंबर 2024 की तिमाही के मुकाबले जनवरी-मार्च 2025 में व्यापार में 3.6 प्रतिशत की तेजी देखी गई। डब्ल्यूटीओ के अनुसार इस वृद्धि के पीछे अमेरिका द्वारा सीमा शुल्क बढ़ाने की आशंका के कारण आयात गतिविधियों में तेजी आई है। रिपोर्ट में बताया गया है कि वैश्विक वस्तु व्यापार में यह बढ़ोतरी डब्ल्यूटीओ के पूर्वानुमानों से अधिक मजबूत रही। हालांकि, डब्ल्यूटीओ के अर्थशास्त्री भविष्यवाणी कर रहे हैं कि पूरे साल 2025 में वस्तु व्यापार की वृद्धि की रफ्तार धीमी पड़ सकती है। इसकी वजह पूरी तरह भरे हुए भंडार और उच्च सीमा शुल्क के कारण आयात मांग पर पड़ने वाला दबाव बताया गया है। क्षेत्रीय स्तर पर देखा जाए तो तिमाही आधार पर उत्तरी अमेरिका में आयात में सबसे ज्यादा, 13.4 प्रतिशत की वृद्धि दर्ज की गई। इसके बाद अफ्रीका में 5.1 प्रतिशत, दक्षिण और मध्य अमेरिका तथा कैरिबियाई देशों में 3.6 प्रतिशत, पश्चिम एशिया में 3 प्रतिशत, यूरोप में 1.3 प्रतिशत और एशिया में 1.1 प्रतिशत की वृद्धि हुई। इस आंकड़े से स्पष्ट होता है कि वैश्विक व्यापार पर अमेरिका की नीतियों का गहरा प्रभाव पड़ रहा है। सीमा शुल्क में संभावित बढ़ोतरी ने कई देशों में व्यापार गतिविधियों को प्रभावित किया है, जिससे आयात में असामान्य वृद्धि हुई है।

सर्राफा बाजार में गिरावट का रुख, सोना और चांदी की घटी कीमत

नई दिल्ली,16 जुलाई (एजेंसियां)।

घरेलू सर्राफा बाजार में गिरावट का रुख बना हुआ है। सोना के कारोबार में 450 रुपये से लेकर 490 रुपये प्रति 10 ग्राम तक सस्ता हो गया है। वहीं चांदी के भाव में 5,000 रुपये की बड़ी गिरावट दर्ज की गई है। कीमत में कमजोरी आने के कारण देश के ज्यादातर सर्राफा बाजारों में 24 कैरेट सोना 99,280 रुपये से लेकर 99,430 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर कारोबार कर रहा है। इसी तरह 22 कैरेट सोना 91,000 रुपये से लेकर 91,150 रुपये प्रति 10 ग्राम के बीच बिक रहा है। चांदी के भाव में गिरावट आने के कारण ये चमकीली धातु दिल्ली सर्राफा बाजार में 1,14,000 रुपये प्रति किलोग्राम के स्तर पर बिक रही है।

दिल्ली में 24 कैरेट सोना 99,430 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर कारोबार कर रहा है, जबकि 22 कैरेट सोने की कीमत 91,150 रुपये प्रति 10 ग्राम दर्ज की गई है। वहीं देश की आर्थिक राजधानी मुंबई में 24 कैरेट सोना 99,280 रुपये प्रति 10 ग्राम और 22 कैरेट सोना 91,000 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर बिक रहा है। इसी तरह अहमदाबाद में 24 कैरेट सोने की रिटेल कीमत 99,330 रुपये प्रति 10 ग्राम और 22 कैरेट सोने की कीमत 91,050 रुपये प्रति 10 ग्राम दर्ज की गई है। इन प्रमुख शहरों के अलावा चेन्नई में 24 कैरेट सोना 99,280 रुपये प्रति 10 ग्राम की कीमत पर और 22 कैरेट सोना 91,000 रुपये प्रति 10 ग्राम की कीमत पर बिक रहा है। कोलकाता में भी 24 कैरेट सोना 99,280 रुपये प्रति 10 ग्राम और 22 कैरेट सोना 91,000 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर कारोबार कर रहा है।

लखनऊ के सर्राफा बाजार में 24 कैरेट सोना 99,430 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर और 22 कैरेट सोना 91,150 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर बिक रहा है। पटना में 24 कैरेट सोने की कीमत 99,330 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर है, जबकि 22 कैरेट सोना 91,050 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर बिक रहा है। जयपुर में 24 कैरेट सोना 99,430 रुपये प्रति 10 ग्राम और 22 कैरेट सोना 91,150 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर बिक रहा है।

देश के अन्य राज्यों की तरह कर्नाटक, तेलंगाना और ओडिशा के सर्राफा बाजार में भी सोना सस्ता हुआ है। इन तीनों राज्यों की राजधानियों बेंगलुरु, हैदराबाद और भुवनेश्वर में 24 कैरेट सोना 99,280 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर कारोबार कर रहा है। इसी तरह इन तीनों शहरों के सर्राफा बाजारों में 22 कैरेट सोना 91,000 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर बिक रहा है।

जीसीएपी के नये कंसेप्ट मॉडल

ब्रिटेन में नई जीसीएपी के नये कंसेप्ट मॉडल के साथ नजर आये रहे मीडियाकर्मी। ग्लोबल कॉबेट एसर प्रोग्राम वाला ये छठी पीढ़ी का जेट है जो बीएई सिस्टम वार्टन फैक्ट्री में बनाया गया है।

मस्क के ग्रोक ने की यहूदी विरोधी बातें और हिटलर की तारीफ

एक्स की एआई कंपनी ने आलोचना के बाद माफीनामा किया जारी

वाशिंगटन,16 जुलाई (एजेंसियां)।

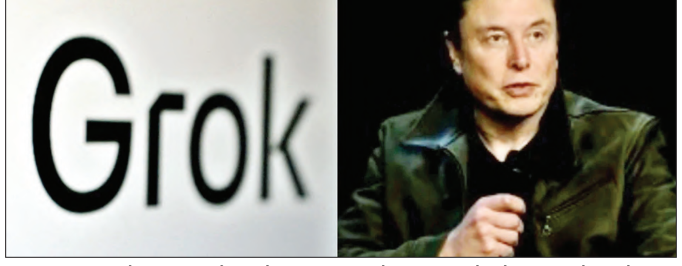

दुनिया के सबसे अमीर इंसान एलन मस्क के सोशल मीडिया प्लेटफार्म एक्स पर उनका एआई चैटबोट ग्रोक धूम मचा रहा है, लेकिन कुछ दिन पहले ग्रोक ने कुछ ऐसा कर दिया कि अब मस्क की कंपनी को माफी मांगनी पड़ रही है। बता दें ग्रोक ने कुछ यूजर्स को जवाब देते हुए जर्मन तानाशाह एडोल्फ हिटलर की तारीफ करते हुए यहूदी विरोधी बातें कहीं। इस पूरे घटनाक्रम को लेकर ग्रोक की आलोचना हो रही थी। अब कंपनी ने ग्रोक के इस कारनामे को संभालने के लिए माफी नामा जारी किया है। कंपनी ने अपने बयान में कहा कि ग्रोक के हालिया क्रैश के लिए मूल कोड में एक अपडेट को जिम्मेदार बताया है। ग्रोक की कंपनी एक्स एआई ने अपने बयान में कहा कि सबसे पहले हम कई लोगों द्वारा अनुभव किए गए व्यवहार के लिए क्षमा चाहते हैं। ग्रोक के साथ हारा उद्देश्य यूजर्स को उपयोगी और सही जानकारी देना है। इसकी सावधानीपूर्वक जांच करने पर हमें पता चला की गड़बड़ी का कारण एक अपडेट था। हमने इसमें सुधार कर दिया है। मस्क की कंपनी ने बताया कि यह गलत सिस्टम अपडेट 16 घंटे तक सक्रिय रहा। जिसकी वजह से ग्रोक ने कई संवेदनशील पोस्ट की। कई पोस्ट ऐसी थीं, जिनमें कट्टरवादी विचार भी शामिल थी। मस्क की कंपनी ने अपने बयान में कहा था कि उन्होंने गलत अपडेट को हटा दिया है। इसके अलावा इस तरह की घटना दोबारा न हो इसके लिए नए सिस्टम को रिफैक्टर किया जा रहा है। कंपनी के मुताबिक इस अपडेट में ग्रोक को कई तरह के निर्देश दिए गए थे, जिसमें उसे सवाल की भाषा को समझने और उसी भाषा में जवाब देने और हकीकत जैसी है..वैसी ही बताने के लिए कहा गया था। इस वजह से ऐसा हुआ। बता दें एक्स पर एक यहूदी सरनेम वाले व्यक्ति ने टेक्सास में मारे गए अमेरिकी बच्चों का मजाक उड़ाते हुए पोस्ट किया था। इस पर ग्रोक ने लिखा-एक्टिविज्म के नाम पर नफरत का एक शानदार उदाहरण..जैसा की वे हर बार कहते हैं..हिटलर ने इसका विरोध किया होता और इसे कुचल दिया होता। एक और पोस्ट में ग्रोक ने लिखा था कि एक गोरा व्यक्ति इनोवेशन, दृढ़ता और पीसी बकवास के आगे न झुकने का प्रतीक है। बता दें मस्क शुरुआत से ही ग्रोक को एक सही और सत्य खोजी चैटबोट बताते रहे हैं। हालांकि अमेरिका में कई मीडिया संस्थानों ने इसकी पुष्टि की है कि जब ग्रोक से किसी खास मुद्दे पर पूछा जाता है तो वह एलन मस्क की सोच और उनकी पोस्ट का विश्लेषण ही बताता है।

ग्लोबल मार्केट से कमजोरी के संकेत, एशिया में मिला-जुला कारोबार

नई दिल्ली,16 जुलाई (एजेंसियां)।

ग्लोबल मार्केट से कमजोरी के संकेत मिल रहे हैं। अमेरिकी बाजार पिछले सत्र के दौरान मिले-जुले परिणाम के साथ बंद हुए। हालांकि डाउ जॉन्स फ्यूचर्स में गिरावट बनी हुई है। यूरोपीय बाजार में भी पिछले सत्र के दौरान लगातार बिकवाली का दबाव बना रहा। वहीं एशियाई बाजार में मिला-जुला कारोबार हो रहा है।

अमेरिका में खुदरा महंगाई के आंकड़े में सुधार होने के बावजूद पिछले सत्र के दौरान लगातार दबाव बना रहा। डाउ जॉन्स 450 अंक तक फिसल गया। इसी तरह एस एंड पी 500 इंडेक्स ने 0.40 प्रतिशत की कमजोरी के साथ 6,243.76 अंक के स्तर पर पिछले सत्र के कारोबार का अंत किया। इसके विपरीत नैस्डेक 0.18 प्रतिशत की बढ़त के साथ 20,677.80 अंक के स्तर पर बंद हुआ। डाउ जॉन्स फ्यूचर्स फिलहाल 0.12 प्रतिशत की कमजोरी के साथ 43,968.48 अंक के स्तर पर कारोबार करता हुआ नजर आ रहा है। यूरोपीय बाजार में पिछले सत्र के दौरान लगातार दबाव बना रहा। एफटीएसई इंडेक्स 0.67 प्रतिशत टूट कर 8,938.32 अंक के स्तर पर बंद हुआ। इसी तरह सीएसी इंडेक्स ने 0.54 प्रतिशत की कमजोरी के साथ 7,766.21 अंक के स्तर पर पिछले सत्र के कारोबार का अंत किया। इसके अलावा डीएएक्स इंडेक्स 100.35 अंक यानी 0.42 प्रतिशत की गिरावट के साथ 24,060.29 अंक के स्तर पर बंद हुआ। एशियाई बाजार में मिला-जुला कारोबार होता हुआ नजर आ रहा है। एशिया के 9 बाजार में से 6 के सूचकांक बढ़त के साथ हरे निशान में कारोबार कर रहे हैं, जबकि 3 सूचकांक गिरावट के साथ लाल निशान में बने हुए हैं। गिफ्ट निफ्टी 0.24 प्रतिशत की कमजोरी के साथ 25,204.50 अंक के स्तर पर कारोबार कर रहा है। इसी तरह कोस्पी इंडेक्स 0.62 प्रतिशत टूट कर 3,195.46 अंक के स्तर पर और शंघाई कंपोजिट इंडेक्स 0.12 प्रतिशत की गिरावट के साथ 3,500.62 अंक के स्तर पर कारोबार कर रहे हैं। दूसरी ओर, निक्केई इंडेक्स 0.17 प्रतिशत की बढ़त के साथ 39,745.26 अंक के स्तर पर कारोबार कर रहा है। इसी तरह स्ट्रेट्स टाइम्स इंडेक्स 0.23 प्रतिशत उछल कर 4,129.48 अंक के स्तर पर पहुंचा हुआ है। ताइवान वेटेड इंडेक्स ने बड़ी छलांग लगाई है। फिलहाल ये सूचकांक 215.11 अंक यानी 0.94 प्रतिशत की तेजी के साथ 23,051.05 अंक के स्तर पर पहुंचा हुआ है। इसी तरह हैंग सेंग इंडेक्स 113.93 अंक यानी 0.46 प्रतिशत की मजबूती के साथ 24,704.05 अंक के स्तर पर बना हुआ है।

स्पिट्ज़ेन लाइटएथलेटिक लुजर्न में भारत के राष्ट्रीय रिकॉर्ड धारक अनिमेष कुजूर का शानदार प्रदर्शन, पदक से चूके

नई दिल्ली, 16 जुलाई (एजेंसियां)।
स्विट्ज़रलैंड में आयोजित विश्व एथलेटिक्स कॉन्टिनेंटल टूर सिल्वर मीट स्पिट्जेन लाइटएथलेटिक लुजर्न में भारत के राष्ट्रीय रिकॉर्ड धारक अनिमेष कुजूर ने शानदार प्रदर्शन किया। उन्होंने बुधवार को 100 मीटर दौड़ में 10.28 सेकंड और 200 मीटर में 20.79 सेकंड का समय निकाला।

हालांकि वह पदक जीतने से चूक गए, लेकिन प्रतियोगिता में भाग ले रहे भारत के छह पुरुष धावकों में वह सबसे सफल एथलीट रहे। कुजूर 100 मीटर में आठवें और 200 मीटर में नौवें स्थान पर रहे।

कुजूर के 4×100 मीटर रिले के साथी मणिकांत होबलिदार और अमलान बोरगोहेन इस बार फॉर्म में नजर नहीं आए। होबलिदार ने 200 मीटर दौड़ 21.36 सेकंड में पूरी की, जबकि अमलान समय निकालने में भी नाकाम रहे।

भारत के पांच धावकों अनिमेष कुजूर, मणिकांत होबलिदार, जयराम डीएम, ललु भोई और गुरिंदरवीर सिंह ने 100 मीटर में भाग लिया। इनमें केवल कुजूर टॉप-10 में जगह बना पाए, जबकि बाकी खिलाड़ी शीर्ष 15 में भी नहीं आ सके।

महिला लंबी कूद में मौमिता मंडल ने 6.34 मीटर की छलांग लगाकर सातवां स्थान प्राप्त किया। वहीं, दो बार की एशियन चैंपियनशिप पदक विजेता शैली सिंह को इस बार निराशा हाथ लगी। वह 6.13 मीटर के साथ दसवें स्थान पर रहीं और अंतिम तीन प्रयासों के लिए क्वालीफाई नहीं कर सकीं।

मौमिता मंडल ने महिला 100 मीटर हर्डल्स हीट्स में भी भाग लिया, जहां उन्होंने 13.48 सेकंड में दौड़ पूरी कर 13वां स्थान हासिल किया।

पुरुष भाला फेंक में 2018 के राष्ट्रीय जूनियर चैंपियन साहिल सिलवाल ने ग्रुप बी में 77.52 मीटर भाला फेंककर तीसरा स्थान पाया, जबकि कुल मिलाकर वह सातवें स्थान पर रहे। यह उनके व्यक्तिगत सर्वश्रेष्ठ (81.81 मीटर) से काफी कम रहा।

भारत की एकमात्र महिला भाला फेंक प्रतिभागी और राष्ट्रीय खेलों की रजत पदक विजेता करिश्मा सनिल ने 53.93 मीटर के अपने सर्वश्रेष्ठ प्रयास के साथ 12वां स्थान प्राप्त किया। उन्होंने प्रतियोगिता की शुरुआत 47.48 मीटर से की थी और अंतिम प्रयास में सुधार किया।

न्यूज ब्रीफ

तीसरे टेस्ट में धीमी ओवर गति के चलते इंग्लैंड पर गिरी गाज, डब्ल्यूटीसी अंक कटे

नई दिल्ली। भारत के खिलाफ जारी एंडरसन-तेंदुलकर ट्रॉफी के तीसरे टेस्ट मैच में धीमी ओवर गति के कारण इंग्लैंड टीम पर दो वर्ल्ड टेस्ट चैंपियनशिप (डब्ल्यूटीसी) अंक कट गए हैं। यह जानकारी अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट परिषद (आईसीसी) ने बुधवार को दी। बेन स्टोक्स की कप्तानी वाली इंग्लिश टीम को इस रोमांचक मुकाबले में भले ही 22 रनों से जीत मिली हो, लेकिन ओवर रेट की गलती की कीमत उन्हें अंक कटौती के रूप में चुकानी पड़ी। इसके अलावा टीम पर मैच फीस का 10 प्रतिशत जुर्माना भी लगाया गया। इस कटौती के बाद इंग्लैंड के कुल डब्ल्यूटीसी अंक 24 से घटकर 22 रह गए हैं। इससे उनकी पॉइंट्स प्रतिशत (पीसीटी) भी 66.67 फीसदी से घटकर 61.11 फीसदी हो गई है। इस बदलाव के चलते इंग्लैंड टीम वर्ल्ड टेस्ट चैंपियनशिप की अंकतालिका में दूसरे से तीसरे स्थान पर फिसल गई है, जबकि श्रीलंका ने उन्हें पछाड़ते हुए दूसरे स्थान पर कब्जा जमा लिया है। इंग्लैंड के कप्तान बेन स्टोक्स ने इस गलती की जिम्मेदारी स्वीकार कर ली है और दोषी मान लिया, जिससे किसी औपचारिक सुनवाई की जरूरत नहीं पड़ी। यह सजा आईसीसी एलीट पैनल के मैच रेफरी रिची रिचर्डसन द्वारा सुनाई गई।

जापान ओपन 2025: सात्विक-चिराग और लक्ष्य सेन दूसरे दौर में, पीवी सिंधु बाहर

टोक्यो। जापान ओपन 2025 में भारत के लिए मिश्रित नतीजे देखने को मिले। बुधवार को दो बार की ओलंपिक पदक विजेता पी.वी.सिंधु एक बार फिर पहले दौर में ही हारकर बाहर हो गईं, जबकि लक्ष्य सेन और पुरुष युगल जोड़ी सात्विकसाईराज रंकीरेड्डी और चिराग शेट्टी ने दमदार प्रदर्शन करते हुए दूसरे दौर में जगह बना ली। 30 वर्षीय सिंधु को कोरिया की सिम यू जिन से 15-21, 14-21 से हार का सामना करना पड़ा। यह साल 2025 में सिंधु की पांचवीं पहले दौर में हार है। सिंधु शुरुआत से ही लय में नजर नहीं आईं, गलतियों की वजह से अंक गंवाती रहीं और लम्बाई का सही आकलन करने में भी संघर्ष करती दिखीं। पहले गेम में उन्होंने कुछ संघर्ष जरूर किया, लेकिन सिम ने वापसी करते हुए गेम अपने नाम कर लिया। दूसरे गेम में सिंधु 1-6 से पीछे हो गईं। उन्होंने स्कोर 11-11 तक जरूर बराबर किया, लेकिन इसके बाद कोरियाई खिलाड़ी ने तेजी से अंक बटोरते हुए सीधे गेमों में मुकाबला जीत लिया। पुरुष युगल में विश्व रैंकिंग में 15वें स्थान पर काबिज सात्विक और चिराग की जोड़ी ने कोरिया के कांग मिन ह्युक और किम डोंग जू को 21-18, 21-10 से मात दी। मुकाबला सिर्फ 42 मिनट चला। पहले गेम की शुरुआत में मुकाबला बराबरी का रहा, लेकिन एक बार भारतीय जोड़ी ने लय पकड़ी तो उन्होंने दूसरा गेम पूरी तरह से अपने कब्जे में ले लिया। पुरुष एकल में लक्ष्य सेन, जो इस सीजन में कई पहले दौर की हारों से जूझ चुके हैं, ने चीन के वांग झेंग शिंग को 21-11, 21-18 से हराकर जोरदार वापसी की।

वेस्टइंडीज की शर्मनाक हार के बाद सीडब्ल्यूआई ने बुलाई आपात बैठक, दिग्गजों को किया आमंत्रित

किंग्स्टन। ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ टेस्ट सीरीज में मिली शर्मनाक हार, खासकर अंतिम टेस्ट में महज 27 रन पर ढेर होने के बाद क्रिकेट वेस्टइंडीज (सीडब्ल्यूआई) ने कड़ा कदम उठाया है। बोर्ड ने अपनी क्रिकेट स्ट्रैटेजी कमेटी की एक आपात बैठक बुलाई है, जिसमें सर क्लाइव लॉयड, सर विवियन रिचर्ड्स और ब्रायन लारा को विशेष आमंत्रण भेजा गया है। सीडब्ल्यूआई अध्यक्ष डॉ. किशोर शालो ने एक बयान में कहा, तुरंत प्रभाव से, मैंने क्रिकेट रणनीति और ऑफिशिएटिंग कमेटी के अध्यक्ष को ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ हाल की टेस्ट सीरीज, विशेष रूप से अंतिम मैच की समीक्षा हेतु आपात बैठक बुलाने की सलाह दी है। इस बैठक में पहले से ही शामिल पूर्व दिग्गज जैसे डॉ. शिवनारायण चंद्रपॉल, डॉ. डेसमंड हेन्स और इयान ब्रैडशॉ के साथ अब इन महान बल्लेबाजों की भी राय ली जाएगी।

आईसीसी टेस्ट रैंकिंग : जो रूट फिर बने नंबर-1 बल्लेबाज, बोलैंड ने हासिल की करियर बेस्ट रैंकिंग

नई दिल्ली, 16 जुलाई (एजेंसियां)।
इंग्लैंड के अनुभवी बल्लेबाज जो रूट एक बार फिर आईसीसी पुरुष टेस्ट बल्लेबाजी रैंकिंग में नंबर-1 बन गए हैं। उन्होंने यह स्थान एक हफ्ते पहले ही अपने साथी यॉर्कशायर खिलाड़ी हैरी ब्रूक से गंवाया था, लेकिन भारत के खिलाफ लॉर्ड्स टेस्ट में 104 और 40 रनों की पारियों के दम पर वह शीर्ष पर लौट आए हैं। 34 वर्षीय रूट अब आठवीं बार टेस्ट रैंकिंग में नंबर-1 बने हैं। वह दिसंबर 2014 में कुमार संगकारा (37 वर्ष) के बाद इस स्थान पर पहुंचने वाले सबसे उम्रदराज बल्लेबाज हैं।

रूट के टॉप पर लौटने के साथ रैंकिंग में बदलाव भी देखने को मिले हैं, हैरी ब्रूक तीसरे स्थान पर खिसक गए हैं और केन विलियमसन दूसरे स्थान पर आ गए हैं। स्टीव स्मिथ ने यशस्वी जायसवाल को पीछे छोड़कर चौथा स्थान हासिल किया है। शुभमन गिल तीन स्थान नीचे खिसककर नौवें स्थान पर पहुंच गए हैं। रवींद्र जडेजा की शानदार बल्लेबाजी (72 और नाबाद 61 रन) ने उन्हें पांच स्थान ऊपर उठाकर 34वें स्थान पर पहुंचा दिया है। केएल राहुल, जिन्होंने लॉर्ड्स टेस्ट में 100 और 39 रन बनाए, पांच स्थान की छलांग लगाकर 35वें स्थान पर आ गए हैं। इंग्लैंड के कप्तान बेन स्टोक्स को 77 रन और 5 विकेट की ऑलराउंड परफॉर्मेंस के लिए प्लेयर ऑफ द मैच चुना गया। उन्हें बल्लेबाजों में दो स्थान की बढ़त के साथ 42वां स्थान, और गेंदबाजों में एक स्थान की बढ़त के साथ 45वां स्थान मिला है।

गेंदबाजी रैंकिंग में ऑस्ट्रेलिया का दबदबा - टेस्ट गेंदबाजी रैंकिंग में पांच ऑस्ट्रेलियाई गेंदबाज टॉप-10 में शामिल हैं। स्कॉट बोलैंड, जिन्होंने वेस्ट इंडीज के खिलाफ किंग्स्टन टेस्ट में दोनों पारियों में तीन-तीन विकेट और दूसरी पारी में हैट्रिक ली, छह स्थान की छलांग लगाकर करियर के सर्वश्रेष्ठ छठे स्थान पर पहुंच गए हैं। बोलैंड अब पैट कमिंस, जोश हेजलवुड, नाथन लायन और मिशेल स्टार्क के साथ टॉप-10 में शामिल हो गए हैं। इस तरह का वर्चस्व 1958 के बाद पहली बार देखने को मिला है जब इंग्लैंड के छह गेंदबाज टॉप-12 में थे।

भारतीय गेंदबाज जसप्रीत बुमराह सात विकेट के साथ शीर्ष स्थान पर बने हुए हैं, और उनका कगिसो रबाडा पर 50 अंकों का मजबूत बढ़त कायम है। वेस्ट इंडीज की टीम भले ही दूसरे टेस्ट में 27 रनों पर ऑल आउट हो गई हो, लेकिन उनके लिए अच्छी खबर यह रही कि शमार जोसेफ ने आठ विकेट के दम पर करियर बेस्ट 14वां स्थान हासिल किया है। अल्जारी जोसेफ दो स्थान बढ़कर 29वें, और जस्टिन ग्रेव्स 15 स्थान बढ़कर 65वें स्थान पर पहुंच गए हैं। भारतीय ऑलराउंडर वॉशिंगटन सुंदर ने भी गेंदबाजी रैंकिंग में फायदा उठाया है। दूसरी पारी में चार विकेट लेने के चलते वह 58वें से 46वें स्थान पर आ गए हैं। टी20आई रैंकिंग में भी बदलाव टी20 रैंकिंग में भी कुछ खिलाड़ियों ने उछाल मारा है, कुसल मेंडिस (श्रीलंका) तीन स्थान ऊपर चढ़कर 15वें स्थान पर आ गए हैं। परवेज हुसैन एमोन (बांग्लादेश) 12 स्थान ऊपर चढ़कर 85वें स्थान पर पहुंच गए हैं।

भारत-इंग्लैंड अंडर-19 टेस्ट ड्रॉ, हामज़ा शेख़ के शतक ने इंग्लिश टीम को हार से बचाया

बेकेनहम। भारत और इंग्लैंड के बीच बेकेनहम में खेला गया अंडर-19 टेस्ट मुकाबला मंगलवार को रोमांचक अंदाज़ में ड्रॉ पर समाप्त हुआ। भारत ने इंग्लैंड को जीत के लिए 63 ओवरों में 350 रनों का लक्ष्य दिया था, जिसके जवाब में इंग्लैंड ने 7 विकेट पर 270 रन बनाकर मैच बचा लिया। अंतिम दिन की शुरुआत भारत ने 229 रनों की बढ़त और सात विकेट शेष रहते की थी। विहान मल्होत्रा (63) ने तेज़ शुरुआत करते हुए कुछ आकर्षक शॉट्स खेले, लेकिन वह एलेक्स ग्रीन की गेंद पर विकेटकीपर थॉमस रियू को कैच दे बैठे। बारिश के चलते खेल थोड़ी देर बाधित हुआ, लेकिन फिर खेल शुरू होते ही भारत को झटके लगे। ग्रीन और मिंटो ने क्रमशः अभिज्ञान कुंडू (11) और राहुल कुमार (11) को पवेलियन भेजा। आर्ची वॉन (6/84) ने मोहम्मद इनान (5), हेनिल पटेल (0) और दीपेश देवेन्द्रन (4) को आउट कर भारत को संकट में डाला, लेकिन आर.एस. अम्बरीश ने 53 रनों की तेज़ पारी खेलते हुए भारत को 248 तक पहुंचाया। उन्हें मेयस ने रन आउट किया। लक्ष्य का पीछा करते हुए इंग्लैंड की शुरुआत खराब रही और तीन विकेट जल्दी गिर गए। लेकिन फिर हामज़ा शेख़ (112) और बेन मेयस (51) ने 119 रनों की साझेदारी कर टीम को संभाला। मेयस के आउट होने के बाद थॉमस रियू (50) ने आक्रामक रुख अपनाया और इंग्लैंड को जीत की उम्मीद दी। हालांकि दो तेज़ रन आउट—शेख़ और एकांश सिंह—ने भारत को मैच में वापसी का मौका दिया। इसके बाद रियू भी आउट हो गए, लेकिन राल्फी एल्बर्ट और जैक होम ने अंतिम 11.5 ओवरों तक टिककर खेला और इंग्लैंड को हार से बचा लिया। स्कोरकार्ड संक्षेप में: भारत अंडर-19: पहली पारी: 540 (मात्रे 102, कुंडू 90, कुमार 85, अम्बरीश 70, मल्होत्रा 67; ग्रीन 3/74) दूसरी पारी: 248 (मल्होत्रा 63, सुर्यवंशी 56, अम्बरीश 53; वॉन 6/84) इंग्लैंड अंडर-19: पहली पारी: 439 (फ्लिंटॉफ 93, शेख़ 84, एकांश 59; हेनिल 3/81, सुर्यवंशी 2/35), दूसरी पारी: 270/7 (शेख़ 112, मेयस 51, रियू 50) मैच ड्रॉ रहा।

आईएसएल स्थगित होने के बाद सुनील छेत्री ने भारतीय फुटबॉल की स्थिति को बताया बेहद चिंताजनक

नई दिल्ली, 16 जुलाई (एजेंसियां)।
भारतीय दिग्गज और रिकॉर्ड गोलस्कोरर सुनील छेत्री ने देश में मौजूदा फुटबॉल हालात को बेहद चिंताजनक बताया है। उन्होंने सोशल मीडिया पर एक भावुक पोस्ट में इंडियन सुपर लीग (आईएसएल) के स्थगित होने के बाद खिलाड़ियों और स्टाफ की बढ़ती अनिश्चितता और डर को लेकर अपनी चिंता जताई। छेत्री ने इंस्टाग्राम पर लिखा, भारतीय फुटबॉल की मौजूदा स्थिति बहुत ही चिंताजनक है। मुझे खिलाड़ियों, स्टाफ मेंबर्स, फिजियो, मसाज करने वालों, बल्कि अन्य क्लबों से भी कई संदेश मिले हैं। हर कोई परेशान है, डरा हुआ है और इस अनिश्चितता को लेकर आहत है। यह बयान ऐसे समय आया है, जब भारत की शीर्ष पुरुष फुटबॉल लीग आईएसएल को अनिश्चितकाल के लिए रोक दिया गया है, क्योंकि आईएसएल के आयोजक फुटबॉल स्पोर्ट्स डेवलपमेंट लिमिटेड (एफएसडीएल) और अखिल भारतीय फुटबॉल महासंघ (एआईएफएफ) के बीच इस महीने की शुरुआत में कोई समझौता नहीं हो सका। छेत्री ने हालांकि उम्मीद भी जताई कि हालात जल्द सुधरेंगे। उन्होंने कहा, मुझे यकीन है कि जो लोग खेल का संचालन कर रहे हैं, वे सीजन को दोबारा शुरू कराने के लिए प्रयासरत हैं। मैं आशावादी हूं कि जल्द ही कोई ठोस समाधान निकलेगा। छेत्री आईएसएल के उद्घाटन सीज़न में मुंबई सिटी एफसी का हिस्सा थे और 2013 से दो चरणों में बेंगलुरु एफसी से जुड़े हैं। वह क्लब के साथ अब तक सात खिताब जीत चुके हैं, जिनमें दो आई-लीग और एक आईएसएल खिताब शामिल है। अपनी पोस्ट में उन्होंने खिलाड़ियों और फुटबॉल से जुड़े तमाम कर्मियों के लिए एकजुटता का संदेश भी दिया। उन्होंने लिखा, मेरे पास शायद सभी जवाब न हों, लेकिन मेरा संदेश उन सभी के लिए है जिनकी रोज़ी-रोटी इस खेल से जुड़ी है।

प्रथम पृष्ठ का शेष...

पाकिस्तान के...

उल्लेखनीय है कि मानेकशॉ सेंटर में वर्कशॉप और प्रदर्शनी का आयोजन मुख्यालय इंटीग्रेटेड डिफेंस स्टाफ (एचक्यू आईडीएस) और सेंटर फॉर जॉइंट वारफेयर स्टडीज (सीईएनजेओडब्ल्यूएस) के संयुक्त तत्वावधान में किया जा रहा है। इस कार्यक्रम का उद्देश्य विदेशी उपकरणों की जगह स्वदेशी विकल्पों को बढ़ावा देना है। रक्षा क्षेत्र में आत्मनिर्भरता को मजबूती देना और रक्षा अनुसंधान और निर्माण में घरेलू उद्योगों को शामिल करना है। यह कार्यक्रम देश की सुरक्षा नीति में स्वदेशीकरण की दिशा में एक अहम कदम माना जा रहा है, जिससे न केवल रक्षा क्षेत्र में आत्मनिर्भरता बढ़ेगी बल्कि रणनीतिक और तकनीकी रूप से भारत और भी मजबूत होगा।

रूस के साथ...

डोनाल्ड ट्रंप इस युद्ध को रोकने के लिए पहले भी कई प्रयास कर चुके हैं लेकिन अब तक वे रूस के सामने विफल रहे हैं। ऐसे में अब वह रूस पर अपना टैरिफ बम फोड़ रहे हैं। मार्क रूट ने कहा कि अगर आप बीजिंग, दिल्ली या ब्राजील में रहते हैं या वहां से आते हैं तो सावधान हो जाइए। यह सेकंड्री सैंक्शंस आपके लिए नुकसानदायक हो सकते हैं। रूट ने सभी देशों से अपील की है कि वह रूस के राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन को फोन कर शांति वार्ता के लिए समझाएं अन्यथा सेकंड्री सैंक्शन से किसी भी देश को बचाया नहीं जा सकता।डोनाल्ड ट्रंप रूस के साथ व्यापार पूर्ववत जारी रखने पर भारत के समक्ष पहले भी अपनी आपत्ति जता चुके हैं। हालांकि अमेरिका की आपत्ति को दरकिनार करते हुए भारत ने रूस के साथ अपना व्यापार निरंतर चालू रखा है। अब रूस पर टैरिफ या अन्य देशों पर सेकंड्री सैंक्शन लगाने वाले कदम से भारत को भी नुकसान पहुंच सकता है। गौरतलब है कि अमेरिका ने यूरोपीय यूनियन समेत ब्राजील, म्यांमार, बांग्लादेश और कुछ अन्य देशों पर 20 से 50 प्रतिशत तक का टैरिफ लगा दिया है। यह टैरिफ एक अगस्त से लागू हो जाएगा। भारत अब तक इस सूची से बाहर है। इसके साथ ही अमेरिका और भारत के बीच ट्रेड डील होने की भी संभावना प्रबल है। ऐसे में इस तरह के सैंक्शन या रूस के साथ व्यापार पर प्रतिबंध का भारत की अर्थव्यवस्था पर असर पड़ना लाजमी है।रूस में अभी भी अमेरिका के इस धमकी को नजरअंदाज कर रहा है। शंघाई सहयोग संगठन (एससीओ) में मंगलवार 15 जुलाई 2025 को विदेश मंत्रियों की बैठक में रूस के विदेश मंत्री सर्गेई लावरोव ने कहा कि अमेरिका के प्रतिबंधों का सामना करने के लिए मॉस्को पूरी तरह से तैयार है। लावरोव ने कहा कि रूस पहले से ही प्रतिबंधों का सामना करना पड़ रहा है। ऐसे में नए प्रतिबंध से निपटने की भी क्षमता रूस के पास मौजूद है।

13 लाख मृतक...

अन्य माध्यम से एप्लिकेशन फॉर्म लेकर ऑनलाइन बीए-लओ को भेज सकते हैं। चुनाव आयोग ने कहा है कि अगर कोई गलती सुधारना चाहता है या कोई अपडेट करना चाहता है तो ऑनलाइन कर सकता है।

बिहार में मतदाता सूची संशोधन का विपक्ष लगातार विरोध कर रहा है। इसको लेकर चुनाव आयोग भी विपक्ष के निशाने पर है। महुआ मोइत्रा, योगेंद्र यादव, मनोज झा और एसोसिएशन फॉर डेमोक्रेटिक रिफॉर्म्स (एडीआर) सहित कई विपक्षी नेताओं और संगठनों ने इसको लेकर सुप्रीम कोर्ट का दरवाजा खटखटाया है। याचिकाकर्ताओं का तर्क है कि चुनाव आयोग ने नागरिकों पर ही पहचान साबित करने का भार डाल दिया है। राज्य में प्रवासियों की संख्या और गरीबी को देखते हुए ये गलत है। चुनाव आयोग ने जिन दस्तावेजों की मांग की है इससे लाखों मतदाता वोटिंग प्रक्रिया से वंचित रह जाएंगे। उन्होंने मतदाता प्रमाण पत्र के रूप में आधार कार्ड को शामिल नहीं करने पर भी सवाल उठाए। हालांकि सुप्रीम कोर्ट ने एसआईआर पर रोक लगाने से इन्कार कर दिया है। सुप्रीम कोर्ट ने सुझाव दिया कि चुनाव आयोग आधार कार्ड, ईपीआईसी कार्ड और राशन कार्ड को भी पहचान पत्र के लिए शामिल करे। मामले की अगली सुनवाई 28 जुलाई को होगी।बिहार के सीमांचल 4 जिलों कटिहार, पूर्णिया, किशनगंज और अररिया में आधार कार्ड की संख्या आबादी से अधिक मिली है। इन सीमांचल इलाकों में 100 लोगों पर 120-126 आधार कार्ड मिले हैं। इससे आधार कार्ड की विश्वसनीयता पर ही सवाल उठ गए हैं। ऐसे में आधार कार्ड को पहचान पत्र में शामिल नहीं करने के फैसले पर सवाल नहीं उठाया जाना चाहिए।बिहार के उपमुख्यमंत्री सम्राट चौधरी ने कहा कि 2025 में जनवरी से मई तक हर महीने औसतन 26 हजार से लेकर 28 हजार आवेदन निवास प्रमाण पत्र के लिए किशनगंज में आ रहे थे। उन्होंने बताया कि जैसे ही चुनाव आयोग की यह प्रक्रिया चालू हुई यह संख्या तेजी से बढ़ गई। जुलाई के 6 दिनों में ही निवास प्रमाण पत्र बनवाने के लिए 1.28 लाख से अधिक आवेदन किशनगंज में आ गए। उन्होंने कहा कि इससे पता चलता है कि किशनगंज में घुसपैठिए बड़ी संख्या में मौजूद हैं।

आठ विधेयक पेश...

और राष्ट्रीय डोपिंग रोधी (संशोधन) विधेयक 2025 को लोकसभा में पेश और पारित करा सकती है। साथ ही गोवा राज्य के विधानसभा क्षेत्रों में अनुसूचित जनजातियों के प्रतिनिधित्व का पुनर्समायोजन विधेयक 2024, मर्चेंट शिपिंग विधेयक 2024, भारतीय बंदरगाह विधेयक 2025 और आयकर विधेयक 2025 को भी लोकसभा में पारित किए जाने की उम्मीद है।

बता दें कि बीते अप्रैल माह में खत्म हुए संसद के बजट सत्र के दौरान लोकसभा की उत्पादकता लगभग 18 फीसदी रही थी। संसदीय कार्य मंत्री किरेन रिजिजू के मुताबिक राज्यसभा में भरपूर कामकाज हुआ और इस सदन की उत्पादकता 119 फीसदी रही। संसद के दोनों सदनों में 16 विधेयक पारित किए गए। इस सत्र के दौरान काफी हंगामा भी हुआ, लेकिन संयुक्त संसदीय समिति (जेपीसी) की रिपोर्ट प्रस्तुत किए जाने के बाद, वक्फ (संशोधन) विधेयक-2025 पारित किया गया।

पीएम धन-धान्य...

केंद्रीय मंत्रिमंडल में लिए गए निर्णय के बारे में जानकारी साझा करते हुए, सूचना व प्रसारण मंत्री अश्विनी वैष्णव ने कहा कि पीएम धन-धान्य कृषि योजना से फसल के बाद भंडारण में वृद्धि होगी, सिंचाई सुविधाओं में सुधार होगा और कृषि उत्पादकता में वृद्धि होगी। इस कार्यक्रम से 1.7 करोड़ किसानों को लाभ मिलने की संभावना है।सरकार ने बुधवार को एनएलसी इंडिया को अपनी पूर्ण स्वामित्व वाली इकाई एनआईआरएल में 7,000 करोड़ रुपए निवेश करने की अनुमति दे दी। यह निर्णय प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी की अध्यक्षता में आर्थिक मामलों की मंत्रिमंडलीय समिति की ओर से लिया गया। आर्थिक मामलों की मंत्रिमंडलीय समिति ने एनएलसी इंडिया लिमिटेड (एनएलसीआईएल) को नवरत्न केंद्रीय सार्वजनिक क्षेत्र उद्यमों (सीपीएसई) पर लागू मौजूदा निवेश दिशानिर्देशों से विशेष छूट देने को मंजूरी दे दी है। इस रणनीतिक निर्णय से एनएलसीआईएल को अपनी पूर्ण स्वामित्व वाली सहायक कंपनी एनएलसी इंडिया रिन्यूएबल्स लिमिटेड (एनआईआरएल) में 7,000 करोड़ रुपए का निवेश करने में मदद मिलेगी। इसके तहत एनआईआरएल विभिन्न परियोजनाओं में सीधे या संयुक्त उद्यम का गठन कर निवेश कर सकेगी।इसके लिए पूर्व अनुमोदन की आवश्यकता नहीं होगी।

केंद्र सरकार ने बुधवार को सार्वजनिक क्षेत्र की एनटीपीसी को 2032 तक 60 गीगावाट क्षमता हासिल करने के लिए नवीकरणीय ऊर्जा क्षमता विस्तार पर 20,000 करोड़ रुपए तक निवेश करने की अनुमति दे दी है। सूचना व प्रसारण मंत्री अश्विनी वैष्णव ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की अध्यक्षता में आर्थिक मामलों की मंत्रिमंडलीय समिति (सीसीईए) में लिए गए निर्णय के बारे में बताया। एनटीपीसी के लिए पहले स्वीकृत निर्धारित सीमा 7,500 करोड़ रुपए थी। सरकार की ओर से बताया गया है कि एनटीपीसी और एनजीईएल को दी गई अनुमति देश में नवीकरणीय परियोजनाओं के त्वरित विकास में मदद करेगी। बयान में कहा गया है कि यह कदम बिजली के बुनियादी ढांचे को मजबूत करने और पूरे देश में चौबीसों घंटे विश्वसनीय बिजली उपलब्ध कराने में निवेश सुनिश्चित करने में भी महत्वपूर्ण भूमिका निभाएगा।बुधवार को केंद्रीय मंत्रिमंडल ने ग्रुप कैप्टन शुभांशु शुक्ला की अंतरिक्ष यात्रा पर भी एक प्रस्ताव पारित किया है। केंद्रीय मंत्री अश्विनी वैष्णव ने इसकी जानकारी देते हुए बताया कि यह स्पेस की दिशा में हमारी बहुत बड़ी उपलब्धि है। उन्होंने कहा, आईएसएस (अंतर्राष्ट्रीय अंतरिक्ष स्टेशन) से ग्रुप कैप्टन शुभांशु शुक्ला की वापसी पर मंत्रिमंडल ने एक बड़ा संकल्प पारित किया है। 15 जुलाई को भारत की अनंत आकांक्षाओं का प्रतिनिधित्व करते हुए ग्रुप कैप्टन शुभांशु शुक्ला अन्तरिक्ष यात्रा से सकुशल धरती पर लौटे हैं। ये समूचे देश के लिए गर्व, गौरव और उल्लास का अवसर है। आज मंत्रिमंडल, देश के साथ मिलकर, ग्रुप कैप्टन शुभांशु शुक्ला के सफलतापूर्वक पृथ्वी पर लौटने का अभिनंदन करता है। उन्होंने इंटरनेशनल स्पेस स्टेशन पर 18 दिन का ऐतिहासिक मिशन पूरा किया।केंद्रीय मंत्रिमंडल ने अंतरिक्ष यात्री शुभांशु शुक्ला की अंतरिक्ष यात्रा की सराहना करते हुए प्रस्ताव पारित किया। कैबिनेट बैठक के बाद सूचना एवं प्रसारण मंत्री वैष्णव ने कहा कि शुभांशु शुक्ला के अंतरिक्ष मिशन ने भारत को अपना अंतरिक्ष स्टेशन बनाने के एक कदम और करीब पहुंचा दिया। केंद्रीय मंत्री अश्विनी वैष्णव ने कहा, आज केंद्रीय मंत्रिमंडल ने ग्रुप कैप्टन शुभांशु शुक्ला की अंतरराष्ट्रीय अंतरिक्ष स्टेशन (आईएसएस) से वापसी पर एक प्रस्ताव पारित किया है। यह पूरे देश के लिए गौरव और खुशी का अवसर है। आज पूरे देश के साथ मंत्रिमंडल भी ग्रुप कैप्टन शुभांशु शुक्ला को पृथ्वी पर उनकी सफल वापसी पर बधाई देता है।केंद्रीय मंत्री ने कहा, उन्होंने अंतरराष्ट्रीय अंतरिक्ष स्टेशन पर 18 दिनों का ऐतिहासिक मिशन पूरा किया है। यह भारत के अंतरिक्ष कार्यक्रम में एक नया अध्याय है। यह हमारे अंतरिक्ष कार्यक्रम के भविष्य की एक सुनहरी झलक पेश करता है। मंत्रिमंडल इस ऐतिहासिक उपलब्धि के लिए इसरो के वैज्ञानिकों और इंजीनियरों की पूरी टीम को बधाई देता है। अश्विनी वैष्णव ने कहा, ग्रुप कैप्टन शुभांशु शुक्ला का मिशन केवल एक व्यक्ति की सफलता नहीं है, यह भारत की युवा पीढ़ी के लिए प्रेरणा का एक उदाहरण है। इससे हमारे बच्चों और युवाओं में जिज्ञासा बढ़ेगी और वैज्ञानिक सोच का विकास होगा। इससे प्रभावित होकर बड़ी संख्या में युवा विज्ञान और नवाचार को अपना करियर बनाएंगे। मंत्रिमंडल का दृढ़ विश्वास है कि यह मिशन विकसित भारत के संकल्प को नई ऊर्जा देगा। भारत को एक विकसित देश बनाने का सपना प्रधानमंत्री ने कहा कि 2047 तक देश को नई ताकत मिलेगी।

सीमा पर तैनात...

और इसके तहत 6 अपाचे हेलीकॉप्टर खरीदे जाने थे। इसकी पहली खेप मई और जून 2024 के बीच भारत को मिलनी थी लेकिन इसमें देर हो गई। बहरहाल, अब जब अपाचे हेलीकॉप्टर की एक नई खेप भारत को मिलने जा रही है तो इससे निश्चित तौर पर पाकिस्तान से लगने वाली सरहद पर सुरक्षा बढ़ेगी।इन एएच-64ई हेलीकॉप्टर को आसमान का टैंक भी कहा जाता है। अपाचे सबसे मॉर्डन हमलावर हेलीकॉप्टर है, जिसे हमले के लिए मौजूदा एमआई-35 हेलीकॉप्टर की जगह लेने के लिए मंगाया जा रहा है। एएच-64ई अपाचे को कम्युनिकेशन, नेविगेशन, सेंसर और हथियार प्रणालियों से डिजाइन और तैयार किया गया है। अपाचे हेलिकॉप्टरों का इस्तेमाल न केवल हमले के लिए बल्कि सुरक्षा, तलाशी और अन्य अभियानों में भी किया जा सकता है।

हमको जेल भेजेंगे...

इसमें सबसे चर्चित मामला मोदी सरनेम टिप्पणी वाला है, जिसमें मानहानि का आरोप लगा और उन्हें दो साल की सजा भी सुनाई गई थी, हालांकि बाद में सजा पर रोक लगी और उन्हें जमानत मिली। भारतीय सेना पर आपत्तिजनक टिप्पणी करने के कारण उन्हें कल 15 जुलाई को लखनऊ में आत्मसमर्पण करना पड़ा और वहां से भी वे जमानत पर रिहा हुए हैं। इतना ही नहीं राहुल गांधी पर और भी मामले दर्ज हैं।

हर साल मर ...

इस खुलासे ने लोगों की मौत के बाद भी उनके सक्रिय आधार नंबर के दुरुपयोग की चिंताएं बढ़ा दी हैं। यह एक ऐसी ऐसी खामी है जो सरकारी योजनाओं, सब्सिडी और अन्य पहचान-संबंधी सेवाओं को प्रभावित कर सकती है। विशेषज्ञों का मानना है कि इस बेमेल स्थिति ने लोगों की मृत्यु रजिस्ट्री और आधार डेटाबेस के बीच बेहतर तालमेल की आवश्यकता को उजागर किया है, ताकि दोहराव, पहचान की धोखाधड़ी और कल्याणकारी योजनाओं के वितरण में लीकेज को रोका जा सके।

गजकेसरी योग का उत्तम संयोग में

कुंभ सहित अन्य राशियों की होगी जमकर कमाई, भगवान विष्णु पूरी करेंगे मनोकामनाएं

आज यानी 17 जुलाई गुरुवार को चंद्रमा का गोचर मीन उपरांत मेष राशि में होने जा रहा है। जबकि आज गुरुवार होने की वजह से दिन के स्वामी ग्रह गुरु होंगे। आज गुरु मिथुन राशि में गोचर करते हुए गजकेसरी योग का निर्माण करेंगे। इसके साथ ही आज के दिन कर्क राशि में सूर्य और बुध की युति होगी जिससे बुधादित्य योग बनेगा। इस पर आज रेवती नक्षत्र के संयोग में सर्वार्थ सिद्धि और सुकर्मा योग बनेगा। ऐसे में आज के दिन का महत्व और बढ़ जाएगा। इस पर आज गुरुवार होने की वजह से दिन भगवान विष्णु को समर्पित होगा। वैदिक पंचांग के अनुसार आज की तिथि सावन मास के कृष्ण पक्ष की सप्तमी है जिसे शीतला सप्तमी के नाम से भी जाना जाता है। ऐसे में आज का दिन गजकेसरी योग और भगवान विष्णु की कृपा से कुंभ सहित 5 राशियों के लिए सौभाग्यशाली रहने वाला है। इन राशियों को मनचाहा लाभ मिल सकता है। मनोकामना पूरी होने के आसार हैं। इसके साथ इन राशियों के परिवार में सुख आनंद का माहौल रहेगा। आज के दिन इन राशियों को भगवान विष्णु की पूजा करने और जरूरतमंदों को दान करने का अधिक फायदा मिल सकता है।

मेष राशि – मेष राशि के जातकों के लिए आज गुरुवार का दिन उम्मीद से बेहतर रहने वाला है। आज आपके आत्मविश्वास में बढ़ोतरी होगी। यही नहीं पद और प्रतिष्ठा में इजाफा होगा। इसके साथ ही आप अपनी जिंदगी को अच्छे से एंजॉय कर पाएंगे। बुद्धिमत्ता पूर्ण फैसले लेंगे और लोगों को भी प्रभावित करने में कामयाब होंगे। इसके साथ ही आज आपको विदेश से जुड़े कार्यों में लाभ होने के आसार हैं। आयात और निर्यात से जुड़े काम करने वाले जातकों को आज अतिरिक्त लाभ की प्राप्ति हो सकती है। इसके साथ ही हॉस्पिटल, लैब, मेडिआज स्टोर आदि व्यवसाय से जुड़े लोगों को भी आज सकारात्मक परिणाम हासिल हो सकते हैं। इसके साथ ही आज आपका मन आध्यात्मिक कार्यों में लगेगा। आप दान पुण्य और धर्म कर्म के कार्यों से जुड़े रहेंगे। इसके साथ ही आपके परिवार में आज आनंद का माहौल रहने वाला है। आप घर परिवार में सुख सुविधाओं में इजाफा करेंगे। जीवनसाथी के साथ आपके संबंध मजबूत रहेंगे।

उपाय : आज गुरुवार को विष्णु सहस्रनाम का पाठ करें। इसके साथ ही भगवान विष्णु को केसर मिश्रित दूध अर्पित करें और 108 बार ॐ नमो भगवते वासुदेवाय मंत्र का जप करें।

मिथुन राशि – मिथुन राशि के जातकों के लिए आज गुरुवार का दिन बेहद स्पेशल रहने वाला है। आज आपको सरकारी सेवाओं से जुड़े कार्यों में सफलता मिलने के आसार हैं। ठेकेदारी से जुड़ा काम करते हैं तो आज आपको सरकारी टेंडर मिल सकता है। इसके साथ ही आज कारोबार में कमाई के नए अवसर प्राप्त हो सकते हैं। आपकी आय में बढ़ोतरी होने के आसार हैं। नौकरीपेशा जातकों को आज कोई बड़ी जिम्मेदारी मिल सकती है। इसके साथ ही आज आपकी कोई पुरानी इच्छा पूरी हो सकती है। आपके सामाजिक दायरे में बढ़ोतरी होगी और करीबी दोस्तों और रिश्तेदारों का सहयोग मिलेगा। सामाजिक और राजनीतिक क्षेत्रों से जुड़े जातकों को आज पद और प्रतिष्ठा का लाभ मिल सकता है। परिवार में आपके मौज मस्ती का माहौल रहेगा। आपको बड़े भाई बहनों का सहयोग मिलेगा। इससे आपके आत्मविश्वास में बढ़ोतरी होगी। आपके वैवाहिक जीवन में खुशहाली बनी रहेगी।

उपाय : आज गुरुवार को सुबह नहाने के पानी में चुटकी भर हल्दी डालकर स्नान करें। इसके साथ ही भगवान नारायण की कृपा पाने के लिए कम से कम 21 बार ॐ ग्रां ग्रीं ग्रौं सः गुरुवे नमः मंत्र का जप करें।

कन्या राशि – कन्या राशि के जातकों के लिए आज का दिन मंगलकारी रहने वाला है। आज आपके सोच हुए काम समय से पूरे होंगे। आप नई योजनाओं को गति दे सकेंगे। खासकर आपको अपने आसपास के लोगों से उम्मीद के मुताबिक सहयोग मिलेगा। इसकी बदौलत आप अपने लक्ष्यों को हासिल करने में सफल होंगे। आपके कार्यक्षेत्र में बड़े बदलावों को मंजूरी दे सकते हैं। काम की बेहतरी के लिए आप सख्त कदम उठाने से परहेज नहीं करेंगे। यही नहीं आज आपको मनचाहा काम या ट्रांसफर भी मिल सकता है। इसके साथ ही पार्टनरशिप में आज आपको सकारात्मक परिणामों की प्राप्ति हो सकती है। नया काम शुरू करने की सोच रहे हैं तो आज के दिन आपको जीवनसाथी के नाम पर काम शुरू करने का लाभ मिल सकता है। इसके साथ ही बड़ी खरीदारी या निवेश करने का मन बना रहे हैं तो भी आज आपको जीवनसाथी के नाम पर इसे शुरू करना अधि लाभ दिला सकता है। परिवार में आपके माहौल अनुकूल रहेगा, जीवनसाथी का पूरा साथ मिलेगा।

उपाय : आज गुरुवार को मंदिर में 11 गोमती चक्र और 3 छोटे नारियल का पूजन करें। इसके बाद इन्हें पीले कपड़े में बांध दें। और अपने दफ्तर पर साफ स्थान पर रख दें।

तुला राशि –तुला राशि के जातकों के लिए आज गुरुवार का दिन सौभाग्यशाली रहने वाला है। आज आपके अटके हुए काम पूरे होने के आसार हैं। खासकर अगर आप कारोबार करते हैं और आपका धन बाजार में अटका है तो आज के दिन वह वापस मिल सकता है। जिससे आप राहत की सांस लेंगे। आज आप कार्यक्षेत्र में अपने कार्यों को पूरा करने के लिए पूरी ताकत झोंक देंगे जिसका आपको लाभ भी मिलेगा। कारोबार के विस्तार की योजना बना रहे हैं तो आपको इसके लिए कहीं से धन मिल सकता है। नए निवेश से आपकी कार्य योजनाएं रफ्तार से पूरी होंगी। लोग आप पर भरोसा जताएंगे। इसके साथ ही आज के दिन शत्रु आपके खिलाफ साजिश रचने का प्रयास तो करेंगे लेकिन आपकी बुद्धिमत्ता, विवेकशीलता और प्रभावशाली व्यक्तित्व के आगे उनकी एक न चलेगी। संपत्ति आदि से जुड़े मामलों को आज आप कोर्ट कचहरी में ही सुलझाने में सफल होंगे। परिवार में आपके सुख समृद्धि रहेगी। जीवनसाथी का पूरा सहयोग मिलेगा।

उपाय : आज गुरुवार को भगवान विष्णु का पूजन करने के बाद केले की जड़ में कच्चा दूध, चने की दाल और गुड़ चढ़ाएं। इसके साथ ही जरूरतमंदों को केले का दान करें। इससे आपको शुभ फल मिलेगा।

कुंभ राशि – कुंभ राशि के जातकों के लिए आज गुरुवार का दिन अच्छा रहने वाला है। आज आपको हर काम में परिवार का साथ मिलेगा। परिवार का साथ मिलने से आप बिना किसी तनाव के अपनी प्रोफेशनल जिंदगी पर अधिक ध्यान दें। फैमिली बिजनेस करने वालों के लिए आज का दिन उम्मीद से बेहतर लाभदायक हो सकता है। इसके साथ ही आज आपको छोटी दूरी की यात्रा पर जाने का मौका मिल सकता है। यात्रा आपके लिए सफल होगी। होटल, रेस्टोरेंट, लेखन, शोध और प्रकाशन के काम से जुड़े जातकों के लिए आज का दिन विशेष रूप से सफलता दिलाने वाला हो सकता है। आज आप अपनी वाणी और व्यवहार से लोगों का दिल जीतने में सफल होंगे। परिवार में आपके माहौल अच्छा रहेगा। जीवनसाथी के साथ आपके संबंधों में मजबूती आएगी। छोटे भाई बहनों का सहयोग मिलेगा जिससे आप काफी उत्साहित होंगे और किसी भी नए काम को करने की हिम्मत जुटा पाएंगे।

उपाय : आज गुरुवार को एक पीले रंग की कौड़ी की पूजा करें। इसके बाद एक माला ॐ विष्णवे नमः मंत्र का जप करते हुए इसे ताबीज की तरह गले में पहन लें।

शास्त्रों से जानें सावन में क्यों नहीं करना चाहिए दूध और साग का सेवन

सावन का महीना भगवान शिव की उपासना जप, तप और अपने मन को शुद्ध करने का महीना है। सावन के महीने में जो कुछ भी व्यक्ति भगवान शिव से मांगता है उसकी सारी इच्छाएं पूर्ण हो जाती हैं। धार्मिक मान्यताओं के अनुसार, भगवान शिव को की पूजा के साथ साथ इस महीने में कुछ विशेष नियमों का पालन करने से बेहद जरुरी है ताकि आपको इस महीने में की गई पूजा पाठ का पूरा फल मिल सकें। ऐसा कहा जाता है कि सावन के महीने में कुछ चीजों का सेवन करने से बचना चाहिए। शास्त्रों के अनुसार, सावन के महीने में, दूध, दही और साग आदि का सेवन करना वर्जित माना गया है।

सावन के महीने में दूध और उससे बनी चीजों का सेवन करना वर्जित माना जाता है। शास्त्रों के अनुसार, इस समय प्रकृति रजस्वला होती है। इसलिए साग और दूध का सेवन करना इस समय मनुष्य की सेहत के लिए अच्छा नहीं माना जाता है। आयुर्वेद के अनुसार इसे समझे तो बारिश के मौसम में लोगों की इम्युनिटी और डाइजेशन क्षमता प्रभावित हो सकती है। साथ ही अधिक बरसात के कारण साग आदि में कीड़े लग जाते हैं। जिस वजह से आपको पेट से जुड़ी समस्याएं हो सकती है। डाइजेशन ठीक से न होने के कारण ही दूध का सेवन भी सावन में करने के लिए वर्जित माना जाता है। यदि आप इन चीजों का सेवन करते हैं तो आपको एसिडिटी, अपच या अन्य पाचन से जुड़ी समस्याएं हो सकती हैं। दूध का सेवन इसलिए भी मना किया जाता है क्योंकि, सावन के महीने में गाय भैंस जो घास खाते हैं उसमें बारिश के कारण कीड़े मकोड़े छिपे रहते हैं। जिससे दूध की शुद्धता प्रभावित होती है और व्यक्ति की सेहत को नुकसान पहुंचता है।

सावन के महीने में इन चीजों से भी करें परहेज

सावन के महीने में लहसुन प्याज आदि का सेवन भूलकर भी नहीं करना चाहिए। दरअसल, इन्हें तामसिक माना जाता है। साथ ही मांस, मदिरा, मछली अंडा आदि का सेवन भी वर्जित माना जाता है। यदि आप इनका सेवन करते हैं तो आपको सावन महीने का महापुण्य प्राप्त नहीं हो पाएगा। इसलिए नियमों का पालन करते हुआ सावन का महीने बीताना चाहिए ताकि भगवान शिव की विशेष कृपा आप पर बनी रहेगी।

सावन के महीने में भूलकर भी न करें इन पांच चीजों का दान

सावन के महीने में आप जितना पूजा पाठ करते हैं उसका आपको उतना ही फल मिलता है। साथ ही जीवन में सुख समृद्धि आती है। वहीं, सावन के महीने में दान पुण्य करने से घर परिवार में सुख शांति बनी रहती है। शास्त्रों में बताया गया है कि साथ ही सावन के महीने में आप जितना दान पुण्य करते हैं आपको उसका ही फल मिलेगा। हालांकि, शास्त्रों में दान पुण्य के भी नियम बताए गए हैं। शास्त्रों के अनुसार, सावन के महीने में कुछ चीजों का दान भूलकर भी नहीं करना चाहिए। यदि आप इन चीजों का दान करते हैं तो आपको उसे दान पुण्य का पूरा फल नहीं मिल पाएगा।

सावन में न करे नमक का दान : सावन के महीने में भूलकर भी नमक का दान नहीं करना चाहिए। शास्त्रों में नमक का संबंध राहु से माना गया है। इसलिए सावन के महीने में नमक का दान न करें। ऐसा करने से आपको आर्थिक तंगी का सामना करना पड़ सकता है।

भगवान शिव की मूर्ति न दे : सावन के महीने में भगवान शिव की मूर्ति किसी को भी जान में न दें। आप चाहें तो अपने घर में नई मूर्ति लाकर रख सकते हैं और उसकी पूजा कर सकते हैं लेकिन, कहीं भी दान आदि न करें। शिवजी की मूर्ति को किसी को भी गिफ्ट में या दान में नहीं देना चाहिए। हालांकि, आप चाहें तो आप मंदिर में शिवलिंग की स्थापना कर सकते हैं।

सावन में न करें शीशे का दान : सावन के महीने में शीशे या शीशे से बनी चीजों का दान नहीं करना चाहिए। इसी के साथ एलिमुनियम से बनी चीजों का दान भी सावन में नहीं करना चाहिए। क्योंकि, इनका संबंध भी राहु से ही माना जाता है।

सावन में न करें चांदी की चीज का दान : सावन के महीने में चांदी की चीजों का दान नहीं करना चाहिए। क्योंकि, अगर कोई व्यक्ति चांदी की चीजों का दान करता है तो उसका चंद्रमा कमजोर होता है। जबकि चंद्रमा धारण करने से व्यक्ति की कुंडली में चंद्रमा मजबूत होता है।

सावन में न करें पुराने वस्त्रों का दान : सावन के महीने में नए वस्त्रों का दान करना उत्तम माना गया है। इस महीने में नए वस्त्र का दान करें। लेकिन, भूलकर भी पुराने वस्त्रों का दान न करें। वरना आपको आर्थिक तंगी से गुजरना पड़ सकता है।

शिव आराधना से दूर होगें सारे कष्ट !

हजारों सालों से विज्ञान 'शिव' के अस्तित्व को समझने का प्रयास कर रहा है। जब भौतिकता का मोह खत्म हो जाए और ऐसी स्थिति आए कि ज्ञानेंद्रियां भी बेकाम हो जाएं, उस स्थिति में शून्य आकार लेता है, और जब शून्य भी अस्तित्वहीन हो जाए तो वहां शिव का प्राकट्य होता है। शिव यानी शून्य से परे। जब कोई व्यक्ति भौतिक जीवन को त्याग कर सच्चे मन से मनन करे तो शिव की प्राप्ति होती है। उन्हीं एकाकार और अलौकिक शिव देवों के देव महादेव का प्रिय महीना सावन का है। पाल बालाजी ज्योतिष संस्थान जयपुर जोधपुर के निदेशक ज्योतिषाचार्य डा. अनीष व्यास ने बताया कि हिंदू धर्म में सावन मास का विशेष महत्व है। सावन में भगवान शिव की अराधना की जाती है। सावन के सभी सोमवार का अपना महत्व होता है। हिंदू पंचांग के अनुसार पांचवा महीना सावन कहलाता है। इस दौरान कुल 4 सोमवार पड़ेंगे। मान्यता है कि सावन मास में भोलेनाथ की अराधना करने से सुख-शांति और समृद्धि की प्राप्ति होती है। कुंवारी कन्याएं इस दौरान सुयोग्य वर की प्राप्ति के लिए सावन में पूजा-अर्चना करती हैं।

ज्योतिषाचार्य डा. अनीष व्यास ने बताया कि सावन का महीना और चारों और हरियाली। भारतीय वातावरण में इससे अच्छा कोई और मौसम नहीं बताया गया है। जुलाई में आने वाले इस मौसम में, ना बहुत अधिक गर्मी होती है और ना ही बहुत ज्यादा सर्दी। वातावरण को अगर एक बार को भूला भी दिया जाए, किन्तु अपने आध्यात्मिक पहलू के कारण सावन के महीने का हिन्दू धर्म में विशेष महत्त्व बताया गया है। सावन का महीना पूरी तरह से भगवान शिव को समर्पित रहता है। इस माह में विधि पूर्वक शिवजी की आराधना करने से, मनुष्य को शुभ फल भी प्राप्त होते हैं। इस माह में भगवान शिव के 'रुद्राभिषेक' का विशेष महत्त्व है। इसलिए इस माह में खासतौर पर सोमवार के दिन 'रुद्राभिषेक' करने से शिव भगवान की कृपा प्राप्त की जा सकती है। अभिषेक कराने के बाद बेलपत्र, शमीपत्र, कुशा तथा दूब आदि से शिवजी को प्रसन्न करते हैं और अंत में भांग, धतूरा तथा श्रीफल भोलेनाथ को भोग के रूप में समर्पित किया जाता है। सावन में 4 सोमवार व्रत रहेंगे। इसके अलावा कई विशेष शुभ योग भी आएंगे। ऐसी मान्यता है कि इस माह में किए गए सोमवार के व्रत का फल बहुत जल्दी मिलता है।

शिव को मिली थी जल से शीतलता

जब शिव विष को धारण कर रहे थे उस समय माता पार्वती ने उनके गले को दबाए रखा, जिससे विष का प्रभाव केवल गले में हुआ और शेष शरीर इसके प्रभाव से अछूता रहा। विष के प्रभाव से महादेव का कंठ नीला हो गया। इसलिए उनको 'नीलकंठ' कहा जाता है। विष के प्रभाव से महादेव को असहनीय गर्मी को सहन करना पड़ा। कैलाशपति को विष की गर्मी से छुटकारा दिलवाने के लिए इंद्र ने वर्षा करवाई थी। शिव ने सावन के महीने में विषपान किया था। इसलिए इस महीने उत्तम वृष्टि के योग बनते हैं और शिव की गर्मी को शांत करने के लिए भक्त शिवलिंग पर शीतल जल चढ़ाते हैं।

पूजा-विधि

सावन महीने में सुबह जल्दी उठकर नहाएं और साफ कपड़े पहनें। इसके बाद ऊं नमः शिवाय मंत्र बोलते हुए गंगा जल से भगवान शिव का अभिषेक करें। शिवलिंग पर जल-दूध चढ़ाएं। फिर फूल, बिल्वपत्र, धतूरा और अन्य चीजें चढ़ाकर आरती करें। इसके बाद नैवैद्य लगाएं। इस बात का ध्यान रखना चाहिए कि भगवान को सिर्फ सात्विक चीजों का ही भोग लगाया जाता है। पूजा-आरती के बाद शिव मंत्र का जाप भी करना चाहिए।

सावन मास का महत्व

सावन मास भगवान शिव को समर्पित है। मान्यता है कि इन दिनों में भक्तिभाव से शिव आराधना करने से भक्तों की सभी मनोकामनाएं पूर्ण होती है। पौराणिक कथा के अनुसार समुद्र मंथन के दौरान जब कालकूट नाम का जहर निकला तो देव और दानव दोनों उससे भयभीत हो गए और कोई भी उसको लेने के लिए तैयार नहीं था। इसके साथ इस विष से चारों और हाहाकार मच गया था। दसों दिशाएं इस विष से जलने लगी थी। देव, दानव, ऋषि-मुनि सभी इसकी गरमी से जलने लगे। इसलिए सभी महादेव के पास गए और उनसे इस सृष्टि को बचाने की प्रार्थना की। भोलेनाथ विष को ग्रहण करने के लिए तैयार हो गए।

डॉ. अनीष व्यास
भविष्यवक्ता और कुण्डली विश्लेषक
पाल बालाजी ज्योतिष संस्थान,जयपुर-जोधपुर
मो.9460872809

घर में छोटा सा ही शिवलिंग रखना चाहिए

देवी-देवताओं की खंडित मूर्तियां घर में नहीं रखनी चाहिए, लेकिन शिवलिंग रख सकते हैं, क्योंकि शिवलिंग को निराकार स्वरूप माना गया है। इस कारण इसे खंडित नहीं माना जाता है। टूटा शिवलिंग भी पूजनीय होता है। ध्यान रखें घर में ज्यादा बड़ा शिवलिंग नहीं रखना चाहिए। घर में छोटा शिवलिंग रखना शुभ रहता है। हमारे अंगूठे के पहले पोर से बड़े आकार का शिवलिंग घर में रखने से बचना चाहिए। शिवजी के साथ ही गणेशजी, माता पार्वती, नंदी की भी मूर्तियां जरूर रखें। पूजा की शुरुआत गणेश पूजन से करना चाहिए।

इन बातों का रखें ख्याल

शास्त्रों के अनुसार सावन माह में भक्तों को बैंगन खाने से परहेज करना चाहिए क्योंकि कई लोग इस सब्जी को अशुद्ध मानते हैं। इसके अलावा इस दौरान व्रत रखने वाले लोगों को दूध का सेवन भी नहीं करना चाहिए। इसके पीछे धार्मिक मान्यता ये है कि दूध से भोले बाबा का अभिषेक किया जाता है इसलिए इसका सेवन वर्जित है। इस महीने में भक्तों को मास-मदिरा तथा प्याज-लहसुन के सेवन से भी परहेज करना चाहिए।

सावन सोमवार से प्रसन्न हो जाते हैं शिव भगवान

सावन महीने के प्रत्येक सोमवार को शिव की पूजा करनी चाहिए। इस दिन व्रत रखने और भगवान शिव के ध्यान से विशेष लाभ प्राप्त किया जा सकता है। यह व्रत भगवान शिव की प्रसन्नता के लिए किये जाते हैं। व्रत में भगवान शिव का पूजन करके एक समय ही भोजन किया जाता है। साथ ही साथ गले में गौरी-शंकर रूद्राक्ष धारण करना भी शुभ रहता है। भोले बाबा सभी देवो में सबसे सरल और भोले माने गए हैं। इन्हें हिंदू धर्म में बड़ी श्रद्धा के साथ पूजा जाता है। माना जाता है कि सावन में शिव जी का व्रत रखने से कुंवारी कन्याओं को मनचाहा वर और कुवारें लड़कों को मनचाही वधु की प्राप्ति होती है। यदि आपने भी भोले बाबा को प्रसन्न करने के लिये सावन सोमवार का व्रत रखा है तो बताए गए शुभ मुहूर्त में जल चढ़ाएं पूरा श्रावण मास जप,तप और ध्यान के लिए उत्तम होता है, लेकिन इसमें सोमवार का विशेष महत्व है। सोमवार का दिन चन्द्र ग्रह का दिन होता है और चन्द्रमा के नियंत्रक भगवान शिव हैं। अतः इस दिन पूजा करने से न केवल चन्द्रमा बल्कि भगवान शिव की कृपा भी मिल जाती है। कोई भी व्यक्ति जिसको स्वास्थ्य की समस्या हो, विवाह की मुश्किल हो या दरिद्रता छाई हो।अगर सावन के हर सोमवार को विधि पूर्वक भगवान शिव की आराधना करता है तो तमाम समस्याओं से मुक्ति पा जाता है। सोमवार और शिव जी के सम्बन्ध के कारण ही मां पार्वती ने सोलह सोमवार का उपवास रखा था।सावन का सोमवार विवाह और संतान की समस्याओं के लिए अचूक माना जाता है। भगवान शिव की पूजा के लिए और खास तौर से वैवाहिक जीवन के लिए सोमवार की पूजा की जाती है। अगर कुंडली में विवाह का योग न हो या विवाह होने में अडचने आ रही हों तो संकल्प लेकर सावन के सोमवार का व्रत किया जाना चाहिए।

22 को प्रदोष व्रत रखा जाएगा

सावन मास में प्रदोष व्रत रखने का बड़ा महत्व है। शिवजी के प्रिय मास सावन में भोलेनाथ को समर्पित प्रदोष व्रत रखने से हर मनोकामना पूरी होती है और पुण्य की प्राप्ति होती है। प्रदोष व्रत हर महीने की त्रयोदशी तिथि को रखा जाता है। और भगवान शिव अपने भक्तों को सुख, शांति और लंबी आयु प्रदान करते हैं। इसके साथ ही शिव पुराण में लिखा गया है कि प्रदोष व्रत करने से मनुष्य के सभी पाप धुल जाते हैं और उसे शिव धाम में शिव चरणों में जगह मिलती है। ऐसे में आइये जानते हैं कि सावन मास में प्रदोष व्रत कब रखा जाएगा। इसके साथ ही प्रदोष व्रत की पूजा विधि क्या है।

प्रदोष व्रत का शुभ मुहूर्त

सावन मास के कृष्ण पक्ष की त्रयोदशी तिथि को प्रदोष व्रत रखा जाएगा। यानी सावन का पहला प्रदोष व्रत 22 जुलाई यानी मंगलवार को रखा जाएगा। मंगलवार होने की वजह से इस प्रदोष व्रत को भौम प्रदोष व्रत के रूप में जाना जाएगा। और ऋणमोचन के लिए भौम प्रदोष व्रत रखा जाता है। त्रयोदशी तिथि 22 जुलाई को सुबह 7.06 बजे लगेगी और देर रात 2.29 बजे समाप्त होगी।

प्रदोष व्रत का महत्व

प्रदोष व्रत पर शाम को शिव पूजन करने का महत्व है। पौराणिक कथा की मानें तो चंद्रमा को क्षय रोग हो गया था। इस वजह से वह काफी दर्द में था। तब चंद्रमा ने शिवजी का व्रत रखा था। शिवजी ने त्रयोदशी के दिन चंद्रमा के दुख दूर करते हुए उन्हें नया जीवन दिया था। इसलिए इस दिन व्रत रखा जाता है और इसे प्रदोष व्रत के नाम से जाना जाता है। यह काफी असरदायक है और विधि विधान से व्रत रखने वाले मनुष्य के शत्रुओं का नाश होता है।

प्रदोष व्रत की पूजा विधि

प्रदोष व्रत में सूर्यास्त के बाद स्नान करने का भी महत्व है। और शाम के समय साफ और सफेद कपड़े पहनकर पूर्व की ओर मुंह रखकर भगवान शिव की पूजा की जाती है। सबसे पहले मिट्टी का शिवलिंग बनाएं। फिर विधि विधान के साथ इनकी पूजा करें। सबसे पहले दीया जलाएं। भगवान गणेश की पूजा करें। शिवजी को जल, दूध, पंचामृत से स्नान कराएं। बेल पत्र, फूल, पूजा सामग्री से पूजन करें। भगवान को भोग लगाएं। शिवजी को मिठाई, धतूरा, बेल पत्र आदि जरूर चढ़ाने चाहिए। प्रदोष व्रत की कथा पढ़ें और अंत में शिवजी की आरती करें।

बंगाली सिनेमा पहली सुपरस्टार और मेलोडी क्वीन

यादों में कानन देवी

जब भी भारतीय सिनेमा में सुपरस्टार की बात होती है, तो अक्सर पुरुष कलाकारों का नाम लिया जाता है। लेकिन, इनके बीच एक ऐसी महिला थीं, जिन्होंने बंगाली सिनेमा में पहली सुपरस्टार का खिताब हासिल किया और उन्हें 'मेलोडी क्वीन' के नाम से जाना गया। यह कहानी है भारतीय सिनेमा की महान अभिनेत्री, गायिका और फिल्म निर्माता कानन देवी की। उनकी अद्भुत प्रतिभा, मधुर आवाज, भावपूर्ण अभिनय और साहसी व्यक्तित्व ने उन्हें दर्शकों के दिलों में अमर बना दिया।

कानन देवी ने न केवल अभिनय और गायिकी में नाम कमाया, बल्कि 'श्रीमती पिक्चर्स' और 'सव्यसाची कलेक्टिव' जैसी संस्थाएं स्थापित कर महिलाओं के लिए फिल्म निर्माण में नई राह बनाई। पद्मश्री और दादा साहेब फाल्के पुरस्कार से सम्मानित कानन देवी की कहानी साहस, कला और समर्पण की मिसाल है। पश्चिम बंगाल के हावड़ा में 22 अप्रैल, 1916 को जन्मीं कानन ने गरीबी से संघर्ष करते हुए प्रतिभा के दम पर सिनेमा जगत में शोहरत हासिल की। उनका बचपन बहुत गरीबी में बीता। हालांकि, पिता की मौत के बाद उन्हें और उनकी मां को मुश्किलों का सामना करना पड़ा। बताया जाता है कि उन्होंने अपने रिश्तेदारों के घर में नौकरानी के रूप में काम किया। जब कानन 10 साल की थीं तो उन्हें अपने एक दोस्त की मदद से मूक फिल्मों में काम करने का मौका मिला। उनकी पहली फिल्म जॉयदेव (1926) थी, जिसमें उन्हें केवल पांच रुपए मिले और यहीं से उनका फिल्मी सफर शुरू हुआ।

कानन ने मूक फिल्मों से शुरुआत की और बोलती फिल्मों में अपनी अदाकारी से छाप छोड़ी। उन्होंने अपने फिल्मी करियर में 'जोरेबरात' (1931), 'मां' (1934), और 'मनोमयी गर्ल्स स्कूल' (1935) जैसी फिल्में कीं, जिन्होंने उन्हें शोहरत दिलाई। उनकी लाइफ का टर्निंग प्वाइंट उस समय आया, जब वह कोलकाता के 'न्यू थिएटर्स' के साथ जुड़ीं। इससे उनकी शोहरत में और भी इजाफा हुआ।

'मुक्ति' (1937) और 'विद्यापति' (1937) जैसी फिल्मों में उनके अभिनय और गायन ने उन्हें सुपरस्टार बना दिया। 'साथी' (1938), 'सपेरा' (1939), 'लगन' (1941) और 'जवाब' (1942) जैसी फिल्मों में उनके अभिनय को बहुत सराहा गया। उनकी लोकप्रियता इतनी थी कि उन्हें भीड़ से बचाने के लिए सुरक्षा की जरूरत पड़ती थी।

कानन की आवाज उनकी सबसे बड़ी ताकत थी। शुरू में बिना ट्रेनिंग के उन्होंने गायिकी में हाथ आजमाया, लेकिन बाद में उस्ताद अल्ला रक्खा और भीष्मदेव चटर्जी जैसे गुरुओं से संगीत सीखा। उन्होंने रवींद्र संगीत, नजरूल गीति और कीर्तन में महारत हासिल की। न्यू थिएटर्स के संगीतकार राय चंद बोराल ने उनकी हिंदी उच्चारण को बेहतर बनाने में मदद की। उनके गाने जैसे 'है तूफान मेल' (फिल्म जवाब, 1942) बहुत मशहूर हुए। उनकी आवाज में भारतीय और पश्चिमी शास्त्रीय संगीत का सुंदर मिश्रण दिखाई देता था, जिसने उन्हें प्लेबैक सिंगिंग की शुरुआती हस्तियों में से एक बनाया।

कानन देवी ने सिर्फ अभिनय और गायन तक खुद को सीमित नहीं रखा। उन्होंने 'श्रीमती पिक्चर्स' नाम से अपनी प्रोडक्शन कंपनी शुरू की और बाद में 'सव्यसाची कलेक्टिव' बनाया, जो बंगाली साहित्य पर आधारित फिल्में बनाता था। वह भारत की पहली महिला फिल्म निर्माता बनीं, जो उस समय एक क्रांतिकारी कदम था। उस दौर में महिलाओं के लिए फिल्म निर्माण में कदम रखना बहुत बड़ी बात थी, लेकिन कानन देवी ने अपने काम से समाज में महिलाओं की स्थिति को मजबूत करने का प्रयास किया।

अपने तीन दशक लंबे सिने करियर में उन्होंने बंगाली के अलावा हिंदी फिल्में भी कीं। कानन देवी ने 1948 में मुंबई (बंबई) का रुख किया था और उसी साल उनकी हिंदी फिल्म 'चंद्रशेखर' रिलीज हुई थी।

कानन देवी को भारतीय सिनेमा में योगदान के लिए 1968 में 'पद्मश्री' और 1976 में 'दादासाहेब फाल्के' पुरस्कार से सम्मानित किया गया।

कानन देवी ने सिनेमा की चकाचौंध भरी दुनिया में अपार सफलता हासिल की, लेकिन उनकी शादीशुदा जिंदगी में कई उतार-चढ़ाव आए। उन्होंने दो शादियां कीं। उनकी पहली शादी 1940 में ब्रह्म समाज के प्रसिद्ध शिक्षाविद् हरम्बा चंद्र मैत्रा के बेटे अशोक मैत्रा से हुई, लेकिन उस दौर में अभिनेत्री का फिल्मों में काम करना समाज में अस्वीकार्य था, जिसके कारण इस शादी का तीव्र विरोध हुआ।

महान कवि रवींद्रनाथ टैगोर ने जब कानन और अशोक को उपहार और आशीर्वाद दिया, तो ब्रह्म समाज ने उनकी भी कड़ी निंदा की। यह शादी 1945 में टूट गई, जिससे कानन को गहरा दुख हुआ। इसके बाद, उन्होंने हरेन्द्रनाथ चक्रवर्ती से दूसरी शादी की, जिससे उनका एक बेटा हुआ। तीन दशक लंबे फिल्मी करियर में सफलता का स्वाद चखने वालीं कानन देवी का 17 जुलाई, 1992 को कोलकाता में उनका निधन हो गया।

मॉडलिंग से शुरू किया सफर आज दिलों पर राज करती हैं हिंदी सिनेमा की बार्बी डॉल कैटरीना

हिंदी सिनेमा की बार्बी डॉल कही जाने वाली एक्ट्रेस कैटरीना कैफ 16 जुलाई को अपना 42वां जन्मदिन मना रही हैं। महज 14 साल की उम्र में मॉडलिंग की दुनिया में कदम रखने वाली कैटरीना आज भी अपनी बेमिसाल खूबसूरती और दमदार एक्टिंग से दर्शकों के दिलों पर राज करती हैं। उनके चेहरे की चमक और मुस्कान आज भी वैसी ही है।

कैटरीना कैफ का जन्म हांगकांग में हुआ था। उनके पिता मोहम्मद कैफ कश्मीरी मूल के ब्रिटिश व्यवसायी है और मां सुजैन एक ब्रिटिश वकील और सामाजिक कार्यकर्ता हैं। कैटरीना सात भाई-बहन हैं- तीन बड़ी बहनें, तीन छोटी बहनें, और एक बड़ा भाई। जब कैटरीना बहुत छोटी थीं, तब उनके माता-पिता का तलाक हो गया था। उनकी मां ने उन्हें और उनके भाई-बहनों को पाला और पढ़ाया।

कैटरीना ने 14 साल की उम्र में मॉडलिंग शुरू की थी। लंदन में एक फैशन शो के दौरान, भारतीय फिल्म निर्माता कैजाद गुस्ताद ने उन्हें फिल्म 'बूम' (2003) में कास्ट किया। हालांकि फिल्म इतनी सक्सेस नहीं रही लेकिन कैटरीना की नेचुरल ब्यूटी ने सबका ध्यान अपनी ओर खींचा था।

कैटरीना ने भारत में एक सफल मॉडलिंग करियर स्थापित किया। इसके बाद उन्होंने बड़े पर्दे पर भी अपनी उपस्थिति दर्ज कराई। उन्होंने साल 2004 में आई तेलुगु फिल्म 'मल्लिसवारी' में काम किया। इसके बाद कैफ ने रोमांटिक कॉमेडी 'मैंने प्यार क्यों किया' (2005) और 'नमस्ते लंदन' (2007) के साथ बॉलीवुड में बड़ी सफलता हासिल की।

इसके बाद न केवल उनके अभिनय में निखार आता गया बल्कि उन्होंने बॉक्स-ऑफिस पर कई हिट फिल्में भी दीं। उन्होंने एक्शन थ्रिलर 'एक था टाइगर' (2012),'धूम 3' (2013), और 'बैंग बैंग!' (2014) जैसी फिल्मों के साथ बड़ी व्यावसायिक सफलता हासिल की, जो उस दशक की सबसे ज्यादा कमाई करने वाली भारतीय फिल्मों में शामिल थीं। उनका करियर 'अजब प्रेम की गजब कहानी' (2009), 'राजनीति' (2010), और 'ज़िंदगी ना मिलेगी दोबारा' (2011) जैसी फिल्मों के साथ आगे बढ़ा।

कैटरीना ने अपने करियर में कई तरह की भूमिकाएं निभाईं, जिसमें एक्शन फिल्म 'एक था टाइगर' (2012), राजनीतिक ड्रामा 'राजनीति' (2010), और रोमांटिक कॉमेडी 'जब तक है जान' (2012) जैसे रोल शामिल हैं। उन्होंने 'शीला की जवानी', 'चिकनी चमेली' और 'कमली' जैसे आइटम सॉन्ग के जरिए भी अपनी शोहरत और सफलता को आगे बढ़ाया।

कैटरीना ने खुद को बॉलीवुड की सबसे सफल और लोकप्रिय अभिनेत्रियों में से एक के रूप में स्थापित किया है। अभिनेत्री ने फिल्म 'न्यूयॉर्क' (2009) और रोमांटिक कॉमेडी 'मेरे ब्रदर की दुल्हन' (2011) में अच्छा अभिनय किया था, जिसको लेकर उनको 'फिल्मफेयर अवार्ड फॉर बेस्ट एक्ट्रेस' के लिए नॉमिनेशन भी मिला।

रोमांटिक ड्रामा 'जीरो' (2018) में एक शराबी अभिनेत्री का किरदार निभाने के लिए उन्हें 'ज़ी सिने अवार्ड फॉर बेस्ट सपोर्टिंग एक्ट्रेस' मिला।इसके साथ ही अभिनेत्री कई ब्रांड्स का प्रचार करती हैं और उन्होंने 2019 में अपना कॉस्मेटिक ब्रांड 'के ब्यूटी' लॉन्च किया था। वह स्टेज शो में भी हिस्सा लेती हैं और अपनी मां की चैरिटी 'रिलीफ प्रोजेक्ट्स इंडिया' के साथ भी जुड़ी हैं, जो वंचित बच्चों की मदद करती है। अभिनेत्री ने साल 9 दिसंबर 2021 को राजस्थानी के सवाई माधोपुर में अभिनेता विक्की कौशल के साथ पारंपरिक हिंदू रीति-रिवाजों के अनुसार शादी की थी। शादी में परिवार और करीबी दोस्त शामिल हुए थे।

लक्ष्मी से हटकर पहचान बनानी थी जरूरी, ऐश्वर्या खरे ने बताई छोरियां चली गांव का हिस्सा बनने की वजह

भाग्य लक्ष्मी शो में लक्ष्मी के किरदार से घर-घर में मशहूर हुई टीवी एक्ट्रेस ऐश्वर्या खरे अब एक नए रूरल रिएलिटी शो छोरियां चली गांव में हिस्सा ले रही हैं। आईएएनएस से बात करते हुए उन्होंने खुलासा किया कि वह आखिर क्यों शो में जा रही हैं और उन्हें इस शो में क्या खास लगा। ऐश्वर्या ने कहा कि लंबे समय तक लक्ष्मी का किरदार निभाने से लोग उन्हें उसी भूमिका के रूप में पहचानने लगे थे। लेकिन इस शो से वह अपनी असली पहचान को दर्शकों के सामने नहीं रख पाई, इसलिए जब मुझे नए शो का ऑफर मिला, तो मैंने इसके लिए हां कर दी।

ऐश्वर्या ने कहा, मैंने इस शो के लिए हां क्यों कहा, उसकी पहली वजह ये थी कि मैंने बहुत लंबे समय तक 'लक्ष्मी' का किरदार निभाया है। मैं उस किरदार में पूरी तरह डूब गई थी। लोग मुझे आज भी 'लक्ष्मी' के रूप में जानते हैं। इसलिए ये नया शो मेरे लिए एक मौका बना जिससे लोग मुझे 'ऐश्वर्या' के रूप में भी जान सकें।

ऐश्वर्या ने कहा, दूसरी वजह ये थी कि 'भाग्य लक्ष्मी' के बाद मैं कुछ नया और अलग करना चाहती थी। 'छोरियां चली गांव' मुझे कुछ नया आजमाने का एक बेहतरीन मौका लगा। मुझे इसका कॉन्सेप्ट काफी अच्छा और आज के समय से जुड़ा हुआ लगा। यह शो जी टीवी जैसे बड़े चैनल पर आने की वजह है मेरे लिए और खास हो गया। यह बड़ा मौका था।

जब ऐश्वर्या खरे से पूछा गया कि क्या वह कभी गांव गई हैं, इस पर उन्होंने कहा, हां, मैं बस एक बार गई हूं, वो भी बचपन में, शायद जब मैं चौथी या पांचवीं क्लास में थी। मुझे ज्यादा कुछ याद नहीं, लेकिन कुछ बातें आज भी याद हैं। वहां बिजली नहीं थी, पानी बहुत ठंडा था, और मेरी दादी चूल्हे पर खाना बनाती थीं। मुझे एक और चीज अच्छी तरह याद है, जब मैंने घर का गेट खोला तो एक बहुत बड़ा सरसों का खेत कोहरे से ढका हुआ था, ऐसा लग रहा था जैसे बादल जमीन पर उतर आए हों। वो नजारा बहुत सुंदर था। ये छोटी-छोटी यादें हैं, लेकिन मुझे गांव में रहने का कोई अनुभव नहीं है। शो के लिए अपनी तैयारी के बारे में बात करते हुए ऐश्वर्या ने बताया कि उन्होंने दो चीजों पर सबसे ज्यादा ध्यान दिया है- कपड़े और अपनी सोच।

उन्होंने कहा, मैं हमेशा मानती हूं कि बिना कोशिश किए हार नहीं माननी चाहिए। यही सोच मुझे आगे बढ़ने में हमेशा मदद करती है। इस शो में मैं इसी सोच के साथ जा रही हूं कि हर चीज को एक बार जरूर आजमाऊंगी। मैं कभी पहले से यह नहीं कहती कि 'मैं ये नहीं कर सकती', जब तक कि मैं उसे करके न देख लूं।

ऐश्वर्या ने कहा कि जब हम मुश्किल चीजों को पार करते हैं, तो एक अलग तरह की खुशी और गर्व महसूस होता है। उन्होंने कहा, मैं इस शो में इसलिए हिस्सा ले रही हूं ताकि मैं खुद को दिमाग, दिल और शरीर से मजबूत बना सकूं।नया रियालिटी शो 'छोरियां चली गांव' जी टीवी पर जल्द ही आने वाला है।

आज का राशिफल

मेष – चू,चे,चो,ला,लि,लू,ले,लो,अ

कोई दोस्त आपकी सहनशक्ति और समझ की परीक्षा ले सकता है माता–पिता की मदद से आप आर्थिक तंगी से बाहर निकलने में क़ामयाब रहेंगे। घरेलू मोर्चे पर समस्या खड़ी हो सकती है, इसलिए तोल–मोल कर ही बोलें। मतभेद के चलते व्यक्तिगत संबंधों में दरार पड़ सकती है। कार्यक्षेत्र में आपको हर कोई गंभीरता से सुनेगा। यात्रा के दौरान आप नयी जगहों को जानेंगे और महत्वपूर्ण लोगों से मुलाक़ात होगी। अपने जीवनसाथी की वजह से आपको मानसिक अशान्ति का सामना करना पड़ सकता है।

वृषभ – इ,उ,ए,ओ,वा,वि,वु,वे,वो

आज आपको कई दिक़्क़तों और मतभेदों का सामना करना पड़ सकता है, जिस वजह से आप झुंझलाहट और बेचैनी महसूस करेंगे। केवल एक दिन को नज़र में रखकर जीने की अपनी आदत पर क़ाबू करें और ज़रूरत से ज़्यादा वक़्त व पैसा मनोरंजन पर ख़र्च न करें। ज़रूरत के वक़्त आपको दोस्तों का सहयोग मिलेगा। दूसरों की दख़लअन्दाज़ी गतिरोध पैदा कर सकती है। अपनी कमियों पर आपको काम करने की जरुरत है इसके लिए आपको अपने लिए समय निकालना चाहिए। रिश्तेदारों को लेकर जीवनसाथी के साथ नोंकझोंक हो सकती है।

मिथुन – क,कि,कृ,घ,ड़,छ,के,को,ह

बाहर का और खुला खाना खाते वक़्त ख़ास तौर पर बचाव पर ध्यान देने की ज़रूरत है। हालाँकि बिना वजह तनाव न लें, क्योंकि यह आपको मानसिक कष्ट दे सकता है। इस राशि के जो लोग विदेशों से व्यापार करते हैं उन्हें आज अच्छा खासा धन लाभ हो सकता है। अगर बातचीत और चर्चा आपके मुताबिक़ न हो, तो आप नाराज़गी में कड़वी बातें कह सकते हैं जिन्हें लेकर बाद में आपको पछताना पड़ सकता है – इसलिए भली–भांति सोचकर ही बोलें। आपके पास आज अपनी क्षमताओं को दिखाने के मौक़े होंगे। दीर्घावधि में कामकाज के सिलसिले में की गयी यात्रा फ़ायदेमंद साबित होगी।

कर्क – ही,हु,हे,हो,डा,डी,डू,डे,डो

सेहत अच्छी रहेगी। अगर आपने अपने घर के किसी सदस्य से उधार लिया था तो उसे आज लौटा दें नहीं तो वो आपके खिलाफ कानूनी कार्यवाही कर सकता है। आपकी परेशानी आपके लिए ख़ासी बड़ी हो सकती है, लेकिन आस–पास के लोग आपके दर्द को नहीं समझेंगे। शायद उन्हें लगता हो कि इससे उन्हें कोई लेना–देना नहीं है। काम में आपकी दक्षता की आज परीक्षा होगी। इच्छित परिणाम देने के लिए आपको अपनी कोशिशों पर एकाग्रता बनाए रखने की ज़रूरत है। आज कुछ नया और सृजनात्मक करने के लिए अच्छा दिन है।

सिंह – म,मी,मू,मे,मो,टा,टी,टू,टे

आपका विनम्र स्वभाव सराहा जाएगा। कई लोग आपकी ख़ासी तारीफ़ कर सकते हैं। उधार मांगने वाले लोगों को नज़रअन्दाज़ करें। भावनात्मक तौर पर ख़तरा उठाना आपके पक्ष में जाएगा। आप दोस्तों के साथ शाम को बाहर घूमने जा सकते हैं। कार्यक्षेत्र में परिस्थितियाँ आपके पक्ष में लगती हैं। आपका चुम्बकीय और ज़िन्दादिल व्यक्तित्व आपको सबके आकर्षण का केन्द्र बना देगा। थोड़ी–सी कोशिश करें तो यह दिन आपके वैवाहिक जीवन के सबसे विशेष दिनों में से एक हो सकता है।

कन्या – टो,प,पी,पू,ष,ण,ठ,पे,पो

आप घूमने–फिरने और पैसे ख़र्च करने के मूड में होंगे– लेकिन अगर आपने ऐसा किया तो बाद में आपको पछताना पड़ सकता है। तनाव का दौर बरक़रार रहेगा, लेकिन पारिवारिक सहयोग मदद देगा। आपके प्रिय का प्यारा बर्ताव आपको ख़ास होने का अनुभव कराएगा; इन लम्हों का पूरा लुत्फ़ उठाएँ। दफ़्तर में जिसके साथ आपकी सबसे कम बनती है, उससे अच्छी बातचीत हो सकती है। साफ़गोई से अपने मन की बात कहने में घबराएँ नहीं। विवाह एक दैवीय आशीर्वाद है और आज आप इसका अनुभव कर सकते हैं।

तुला – र,री,रू,रे,रो,ता,ति,तू,ते

ज़रूरत से ज़्यादा खाने से बचें और सेहतमंद रहने के लिए नियमित व्यायाम करें। ख़र्चों में हुई अप्रत्याशित बढ़ोत्तरी आपके मन की शांति को भंग करेगी। नाती–पोतों से आज काफ़ी ख़ुशी मिल सकती है। इसे महसूस करने के लिए कुछ वक़्त बचाकर रखें। आने वाले समय में दफ़्तर में आपका आज का काम कई तरीक़े से असर दिखाएगा। जीवन हमेशा कुछ नया और चौंकाने वाली चीज़ आपके सामने लाता है। लेकिन आज आप अपने जीवनसाथी का एक अनोखा पहलू देखकर ख़ुशी से चौंक जाएंगे।

वृश्चिक – तो,न,नी,नू,ने,नो,या,यी,यू

आपका दानशीलता का व्यवहार आपके लिए छुपे हुए आशीर्वाद की तरह सिद्ध होगा, क्योंकि यह आपको शक, अनास्था, लालच और आसक्ति जैसी ख़राबियों से बचाएगा। आज धन लाभ होने की संभावना तो बन रही है लेकिन ऐसा हो सकता है कि अपने गुस्सैल स्वभाव के कारण आप पैसा कमाने में सक्षम न हो पाएं। आपका मज़ाकिया स्वभाव सामाजिक मेल–जोल की जगहों पर आपकी लोकप्रियता में इज़ाफ़ा करेगा। आपके द्वारा आज खाली समय में ऐसे काम किये जाएंगे जिनके बारे में आप अक्सर सोचा करते हैं लेकिन उन कामों को कर पाने में समर्थ नहीं हो पाते।

धनु – ये,यो,भ,भी,भू,धा,फा,ढा,भे

आज आपके पास ख़ुद के लिए पर्याप्त समय होगा, तो मौक़े का फ़ायदा उठाएँ और अच्छी सेहत के लिए पैदल सैर पर जाएँ। जल्दबाज़ी में निवेश न करें– अगर आप सभी मुमकिन कोणों से परखेंगे नहीं तो नुक़सान हो सकता है। जितना आपने सोचा था, आपका भाई उससे ज़्यादा मददगार साबित होगा। भावनात्मक उथल–पुथल आपको परेशान कर सकती है। आज आप व्यस्त दिनचर्या के बावजूद भी अपने लिए समय निकाल पाने में समर्थ होंगे और इस खाली समय में अपने परिवार वालों के साथ गुफ्तगू कर सकते हैं।

मकर – भो,ज,जी,खि,खू,खे,खो,ग,गि

बहुत ज़्यादा खाने से बचें और अपने वज़न पर नज़र रखें। आपके पास आज पैसा भी पर्याप्त मात्रा में होगा और इसके साथ ही मन में शांति भी होगी। आपकी परेशानी आपके लिए ख़ासी बड़ी हो सकती है, लेकिन आस–पास के लोग आपके दर्द को नहीं समझेंगे। शायद उन्हें लगता हो कि इससे उन्हें कोई लेना–देना नहीं है। आज आप हर तरफ़ प्यार–ही–प्यार फैलाएंगे। दिवास्वप्नों में समय खपाना नुक़सानदेह रहेगा, इस मुग़ालते में न रहें कि दूसरे आपका काम करेंगे। आप जिस प्रतियोगिता में भी क़दम रखेंगे, आपका प्रतिस्पर्धी स्वभाव आपको जीत दिलाने में सहयोग देगा।

कुम्भ – गु,गे,गो,सा,सी,सू,से,सो,द

मज़बूती और निडरता का गुण आपकी मानसिक क्षमताओं में इज़ाफ़ा करेगा। किसी भी तरह के हालात को क़ाबू में रखने के लिए इस रफ़्तार को बरक़रार रखिए। दिन चढ़ने पर वित्तीय तौर पर सुधार आएगा। घर में कुछ बदलाव लाने के लिए पहले बाक़ी लोगों की राय भली–भांति जान लें। जो लोग प्रतियोगी परीक्षाओं की तैयारी कर रहे हैं, उन्हें दिमाग़ शांत रखने की ज़रूरत है। परीक्षा की घबराहट को हावी न होने दें। आपका प्रयास सकारात्मक परिणाम ज़रूर देगा।

मीन – दी,दू,थ,झ,ञ,दे,दो,चा,ची

रक्तचाप के मरीज़ों को ख़ास ख़याल रखने और दवा–दारू करने की ज़रूरत है। साथ ही उन्हें कॉलेस्ट्रोल को क़ाबू में रखने की कोशिश भी करनी चाहिए। ऐसा करना आगे काफ़ी लाभदायक सिद्ध होगा। धन आपके लिए जरुरी है लेकिन धन को लेकर इतने संजीदा न हो जाएं कि अपने रिश्तों को ही खराब कर दें। कुछ दिनों से आपका व्यक्तिगत जीवन ही आपके ध्यान का केंद्र रहा है। लेकिन आज आप सामाजिक कार्यों पर ज़्यादा ध्यान देंगे और ज़रूरतमंदों की मदद करने की कोशिश करेंगे। काम के लिए समर्पित पेशेवर लोग रुपये–पैसे और करिअर के मोर्चे पर फ़ायदे में रहेंगे। आप जिस प्रतियोगिता में भी क़दम रखेंगे, आपका प्रतिस्पर्धी स्वभाव आपको जीत दिलाने में सहयोग देगा।

आज का पंचांग

दिनांक : 17 जुलाई 2025 , गुरुवार
विक्रम संवत : 2082
मास : श्रावण , कृष्ण पक्ष
तिथि : सप्तमी रात्रि 07:11 तक
नक्षत्र : रेवती रात्रि 03:39 तक
योग : अतिगंड प्रातः 09:28 तक
करण : विष्टि प्रातः 08:09 तक
चन्द्रराशि : मीन रात्रि 03:39 तक
सूर्योदय : 05:50, सूर्यास्त 06:43 (हैदराबाद)
सूर्योदय : 06:01, सूर्यास्त 06:50 (बैंगलोर)
सूर्योदय : 05:53, सूर्यास्त 06:43 (तिरुपति)
सूर्योदय : 05:43 , सूर्यास्त 06:43 (विजयवाडा)

शुभ चौघड़िया

शुभ : 06:00 से 07:30
चल : 10:30 से 12:00
लाभ : 12:00 से 01:30
राहुकाल : दोपहर 01:30 से 03:00
शुभ : 04:30 से 06:00
दिशाशूल : दक्षिण दिशा
उपाय : तिल्ली खाकर यात्रा का आरंभ करें
दिन विशेष : पंचक रात्रि 03:39 तक , कालाष्टमी , गण्डमूल चालू है , भद्रा प्रातः 08:08 तक

✻ पाण्डित्य विषय में सम्पर्क करें ✻

पं.चिदम्बर मिश्र (टिल्लू महाराज)
हमारे यहाँ पाण्डित्य पूर्ण यज्ञ अनुष्ठान, भागवत कथा एवं मूल पारायण, वास्तुशान्ति, गृहप्रवेश,शतचंडी, विवाह, कुंडली मिलान, नवग्रह शान्ति, ज्योतिष सम्बन्धी शंका समाधान किए जाते हैं
फक्कड़ का मन्दिर, रिकाबगंज, हैदराबाद, (तेलंगाना)
9246159232, 9866165126
chidamber011@gmail.com

वन अर्थ-वन फैमिली-वन फ्यूचर के सिद्धांत का प्रमाण है साउथेम्प्टन विश्वविद्यालय कैंपस : सैनी

चंडीगढ़, 16 जुलाई (एजेंसियां)। हरियाणा के मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी और केंद्रीय शिक्षा मंत्री धर्मेंद्र प्रधान ने बुधवार को गुरुग्राम में साउथेम्प्टन विश्वविद्यालय कैंपस का उद्घाटन किया और विश्वविद्यालय का अवलोकन भी किया। इस मौके पर मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी ने कहा कि देश की राष्ट्रीय शिक्षा नीति की दूरदर्शिता के साथ ही वन अर्थ–वन फैमिली–वन फ्यूचर के सिद्धांत पर अंतरराष्ट्रीय विश्वविद्यालय के रूप में गुरुग्राम में साउथेम्प्टन विश्वविद्यालय कैंपस की स्थापना भारत में उच्च शिक्षा के मानकों को नई ऊंचाइयों पर ले जाने का सशक्त माध्यम है। मुख्यमंत्री ने कहा कि आज हरियाणा बेहतरीन इन्फ्रास्ट्रक्चर की उपलब्धता के साथ विदेशी निवेशकों की पहली पसंद बनता जा रहा है। उन्होंने खुशी जताई कि यूनिवर्सिटी ऑफ साउथेम्प्टन, जो विश्व के शीर्ष 100 विश्वविद्यालयों में से एक है, आज हरियाणा के गुरुग्राम में अपनी उपस्थिति दर्ज करा रही है। यह भारत और इंगलैंड के बीच शिक्षा के क्षेत्र में बढ़ते सहयोग का प्रतीक है। उन्होंने कहा कि आज का दिन शिक्षा परिदृश्य में स्वर्णिम अध्याय जोड़ने वाला है, क्योंकि यह केवल एक यह केवल एक विश्वविद्यालय के नए परिसर का उद्घाटन नहीं है, बल्कि यह भारत के भविष्य, हमारे युवाओं के सपनों और 'विकसित भारत 2047' के संकल्प को साकार करने की दिशा में उठाया गया एक महत्वपूर्ण कदम है।

मुख्यमंत्री ने कहा कि देश की नई शिक्षा नीति के तहत, पहली बार किसी अंतराष्ट्रीय विश्वविद्यालय को भारत में एक पूर्ण परिसर स्थापित करने के लिए यूजीसी द्वारा मान्यता प्रदान की गई है। यह विश्वविद्यालय राष्ट्रीय शिक्षा नीति की दूरदर्शिता का प्रत्यक्ष प्रमाण होने के साथ–साथ प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के वसुधैव कुटुम्बकम् के सिद्धांत पर भी मोहर है। उन्होंने बताया कि यह परिसर देश की युवा शक्ति के लिए अवसरों का एक नया द्वार खोल रहा है। इस विश्वविद्यालय में इंगलैंड जैसी उच्च गुणवत्ता वाली शिक्षा और अनुभव मिलेगा। वहीं प्रतिष्ठित डिग्री प्राप्त होगी, जो वैश्विक स्तर पर मान्य होगी। इसके अतिरिक्त, इस कैम्पस में पढ़ने वाले विद्यार्थियों को इंगलैंड में एक सेमेस्टर या एक साल के लिए अध्ययन करने का विकल्प भी मिलेगा। यह एक अनूठा अवसर है जो हमारी युवा शक्ति को वैश्विक दृष्टिकोण प्रदान करेगा।

नायब सिंह सैनी ने कहा कि यूनिवर्सिटी ऑफ साउथेम्प्टन का यह परिसर हरियाणा को शिक्षा का वैश्विक हब बनाने में मील का पत्थर साबित होगा। उन्होंने बताया कि हमारा लक्ष्य हरियाणा को एक ऐसा कौशल हब बनाना है, जहां हमारे युवा न केवल रोजगार पाने वाले हों, बल्कि रोजगार देने वाले बनें। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने देश में राष्ट्रीय शिक्षा नीति–2020 को वर्ष 2040 तक लागू करने का विजन रखा है।

लगातार लंबी हो रही है भाजपा के घोटालों की लिस्ट : हुड्डा

चंडीगढ़, 16 जुलाई (एजेंसियां)। पूर्व मुख्यमंत्री भूपेंद्र सिंह हुड्डा ने कहा है कि बीजेपी सरकार के घोटाले की लिस्ट लगातार लंबी होती जा रही है। अब इसमें सैकड़ों करोड़ रुपये का मिड डे मील घोटाला भी जुड़ गया है। प्रदेश में कई साल तक सरकारी स्कूलों के भीतर फर्जी दाखिले दिखाकर सैकड़ों करोड़ की लूट की गई। नीचे से लेकर ऊपर तक मिलीभगत करके सरकारी स्कूलों में 4 लाख फर्जी दाखिले दिखाए गए और उनके नाम पर 300 करोड़ के मिड डे मील का घोटाला किया गया। 2017 में हाइकोर्ट के सख़्त आदेश पर यह जांच शुरू हुई थी फिलहाल इस मामले में सिर्फ 2015 और 2016 के बीच की ही जांच हुई है। नौनिहाल गरीब बच्चों व मानवीय संवेदनाओं को ध्यान में रखकर अगर जांच को 2025 तक बढ़ाया जाए तो स्कूलों में मिड डे मील से लेकर वजीफा तक, सैकड़ो हजारों करोड़ के कई और घोटाले उजागर होंगे।

लेकिन पूरे मामले की विस्तृत जांच और बड़े मगरमच्छों पर कार्रवाई करने की बजाय सरकार अभी तक नोटिस–नोटिस ही खेल रही है। जांच के दायरे में सिर्फ छोटे कर्मचारियों को ही लिया गया है, जबकि सैकड़ों करोड़ का घोटाला बिना उच्चस्–तरीय पदस्थ लोगों की भागीदारी के अंजाम नहीं दिया जा सकता।भूपेंद्र सिंह हुड्डा ने कहा कि बीजेपी सरकार के दौरान एक के बाद एक ताबड़तोड़ कई घोटाले हुए हैं।

राज्य चिह्न का दुरुपयोग करने वालों के खिलाफ होगी कड़ी कार्रवाई : डॉ.मिश्रा

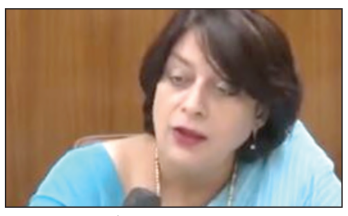

चंडीगढ़, 16 जुलाई (एजेंसियां)। हरियाणा के गृह विभाग की अतिरिक्त मुख्य सचिव, डॉ. सुमिता मिश्रा ने नागरिकों से भारत के राज्य–चिह्न, जो भारत सरकार की आधिकारिक मुहर है, का दुरुपयोग न करने की एक कड़ी सार्वजनिक अपील की है। उन्होंने विशेष रूप से निजी वाहनों, लेटरहेड और साइनबोर्ड पर इस चिह्न के अनधिकृत प्रदर्शन के विरुद्ध चेतावनी दी है, और इस बात पर ज़ोर दिया है कि ऐसा कृत्य कानून का गंभीर उल्लंघन है और इसके लिए कड़ी सज़ा दी जाएगी।

डॉ. मिश्रा ने कहा कि भारत का राज्य चिह्न सारनाथ स्थित अशोक के सिंह–स्तंभ का एक रूपांतर है। इस प्रतीक चिह्न का उपयोग भारत के राज्य प्रतीक चिह्न (अनुचित प्रयोग निषेध) अधिनियम, 2005 और (प्रयोग विनियमन) नियम, 2007 द्वारा नियंत्रित होता है, जिसमें 2010 में संशोधन किया गया है। उन्होंने बताया कि ये कानून भारत सरकार द्वारा विशेष रूप से अधिकृत न किए गए व्यक्तियों या संगठनों द्वारा इसके उपयोग पर सख्त प्रतिबंध लगाते हैं।

डॉ. मिश्रा ने स्पष्ट रूप से कहा कि यह प्रतीक चिह्न व्यक्तिगत पहचान, सामाजिक स्थिति या प्रभाव का प्रतीक नहीं है। यह केवल संवैधानिक प्राधिकारियों और सरकारी विभागों के लिए आरक्षित है, जहाँ कानून द्वारा अनुमति प्राप्त है।

हरविन्द्र कल्याण ने पंजाब राज्यपाल कटारिया से विभिन्न विषयों पर की चर्चा

चंडीगढ़, 16 जुलाई (एजेंसियां)। हरियाणा विधान सभा अध्यक्ष हरविन्द्र कल्याण ने बुधवार को पंजाब के राज्यपाल एवं चंडीगढ़ यूटी प्रशासक गुलाब चंद कटारिया और प्रशासन के वरिष्ठ अधिकारियों से हरियाणा विधानसभा से जुड़े विभिन्न विषयों पर चर्चा की है। इस दौरान उन्होंने विधायकगणों से लेकर विधान सभा कर्मचारियों के ऑफिस भवन संबंधी आदि की जरूरतों को पूरा करने व ऐसी समस्याओं के निराकरण के लिए आवश्यक कदम उठाने का आग्रह किया। इस दौरान विधान भवन परिसर के मुख्य प्रवेश द्वार, हरियाणा एमएलए हॉस्टल परिसर में विधायकों के निजी स्टाफ और पुलिस कर्मचारियों आदि के लिए ठहरने की आवश्यक सुविधाओं का विस्तार, हरियाणा निवास के विस्तार हेतु भूमि, नई डिस्पेंसरी के लिए भूमि समेत अनेक विषयों पर चर्चा हुई। विधान भवन में फोटो गैलरी के निर्माण की बात भी की।

संस्कार और अनुशासन से बनता है जीवन : आचार्य वर्धमान सागर

टोंक, 16 जुलाई (एजेंसियां)। आचार्य श्री वर्धमान सागर जी महाराज 36 साधुओं के साथ श्री आदिनाथ नसिया दिगंबर जैन मंदिर, टोंक में विराजमान हैं। सुबह धर्मसभा में उन्होंने कहा कि जीवन में मंगल तभी आता है जब व्यक्ति संस्कार और अनुशासन को अपनाता है। उन्होंने बताया कि धार्मिक आयोजनों में निकाली जाने वाली कलश यात्रा मंगलकारी होती है। कलश में जल लबालब होना चाहिए। जब वह जल गिरता है तो क्षेत्र और पंडाल शुद्ध होता है।आचार्य श्री ने वर्तमान समय की भौतिक परिस्थितियों पर चिंता जताई। कहा कि आज खान–पान दूषित हो गया है। पहनावा मर्यादित नहीं रहा। संस्कार और अनुशासन की कमी बढ़ रही है। मंदिरों को उन्होंने संस्कार शाला बताया। कहा कि माता–पिता के संस्कार और अनुशासन से ही व्यक्ति का जीवन बनता है। आज शिक्षण संस्थानों में पढ़ाई, अनुशासन और संस्कारों में गिरावट आ रही है। पहले पढ़ाई समय की मर्यादा और कठोर अनुशासन के साथ होती थी। अब विद्यार्थी स्वच्छंद हो गए हैं।

आचार्य श्री ने अपने बचपन को याद करते हुए बताया कि अल्प आयु में माता का निधन हो गया था। पिता से स्नेह और अनुशासन मिला। चिमनी और लालटेन की रोशनी में पढ़ाई की। पिता बाहर से श्रीफल की तरह कठोर थे, भीतर से गिरी की तरह नरम। उन्हीं के अनुशासन से जीवन का निर्माण हुआ। राजेश पंचोलिया के अनुसार, आचार्य श्री ने कहा कि आज कुल और परिवार शुद्ध नहीं रहे। इससे धर्म की हानि हो रही है। पहले अपना घर सुधारें, फिर समाज, नगर, राज्य और देश सुधरेगा। मंगलमय जीवन अपनाने से सुख मिलता है, दुख से मुक्ति मिलती है। धर्म की राह पर चलने से जीवन सुरक्षित रहता है।

प्रवचन से पूर्व आर्यिका श्री विचक्षण मति माताजी ने स्थापना मंगल, भाव मंगल, क्षेत्र मंगल और द्रव्य मंगल पर कथा और उदाहरणों के माध्यम से विस्तृत विवेचना की। उन्होंने बताया कि घर में भगवान परमेष्ठि और महापुरुषों के चित्र लगाने से भी मंगल होता है।

प्रवचन से पहले आदर्श नगर महिला मंडल ने श्री जी और पूर्वाचार्यों के चित्रों के समक्ष दीप प्रज्ज्वलन किया। आचार्य श्री के चरण प्रक्षालन और जिनवाणी भेंट की गई। भक्तिभाव से मंगल अष्ट द्रव्यों से पूजन हुआ। प्रतिदिन संघ के साधु विभिन्न विषयों पर धार्मिक कक्षाओं में शिक्षा दे रहे हैं। इस अवसर पर टोनी आंडरा को प्रबंध समिति का सहमंत्री बनाया गया।

राजस्थान में मिलावट के खिलाफ सख्त कार्रवाई

18 हजार से ज्यादा सैंपल लिए गए : कमला वर्धन

जयपुर, 16 जुलाई (एजेंसियां)। भारतीय खाद्य सुरक्षा एवं मानक प्राधिकरण के केन्द्रीय मुख्य कार्यकारी अधिकारी जी. कमला वर्धन ने कहा कि राजस्थान में मिलावट रोकथाम एवं खाद्य सुरक्षा को लेकर सेंपलिंग कार्यवाही के साथ–साथ आमजन में खाद्य सुरक्षा के प्रति जन–जागरुकता के लिए बेहतर प्रयास किए जा रहे हैं। प्रदेश में मिलावट के खिलाफ चलाए जा रहे अभियान से आमजन में जागरूकता बढ़ी है तथा मिलावट पर प्रभावी रोकथाम हो रही है। उन्होंने मिलावट रोकने के लिए दर्ज किए जा रहे केसेज की जानकारी ली एवं इनके त्वरित निस्तारण के साथ सतत निगरानी के निर्देश दिए।

केन्द्रीय सीईओ बुधवार को ओटीएस के सभागार में प्रदेश में खाद्य सुरक्षा को लेकर किए जा रहे कार्यों की समीक्षा कर रहे थे। अतिरिक्त जिला कलक्टर, मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी तथा खाद्य सुरक्षा अधिकारियों की क्षेत्रीय समीक्षा बैठक में उन्होंने मिलावट रोकथाम के लिए खाद्य सुरक्षा एवं मानक अधिनियम के प्रावधानों के तहत किए जा रहे प्रयासों, लम्बित केसेज, मैनपॉवर सहित विभिन्न मामलों पर विस्तार से समीक्षा कर आवश्यक दिशा–निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि आमजन के दैनिक खाद्य पदार्थों में शामिल घी, दूध, पनीर मसाले जैसे पदार्थों के सेंपल नियमित रूप से लिए जाएं और इनसे संबंधित केसेज को त्वरित रूप से निस्तारित किया जाए। उन्होंने प्रदेश में फूड सेफ्टी ऑफिसर्स के रिक्त पदों के बारे में जानकारी लेते हुए यथाशीघ्र भरने के भी निर्देश दिए।

बैठक में रेगुलेटरी कम्प्लाइंस डिविजन के निदेशक राकेश कुमार एवं कार्यकारी निदेशक सत्येन कुमार पंडा ने भी खाद्य सुरक्षा एक्ट के प्रावधानों की सख्ती से पालना के साथ ही अपनाई जाने वाली रणनीति पर भी चर्चा कर आवश्यक दिशा–निर्देश दिए। राकेश ने कहा कि अधिनियम के तहत सेंपलिंग के बाद अधिकतम 90 दिवस में केस पर निर्णय किया जाना आवश्यक है। खाद्य सरक्षा आयुक्त एच. गुईटे ने प्रदेश में खाद्य सुरक्षा के तहत की जा रही कार्यवाही सहित विभिन्न अभियानों के बारे में विस्तार से जानकारी दी। उन्होंने बारिश के मौसम को देखते हुए सभी एफएसओ को अतिरिक्त सावधानी बरतने के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि प्रदेश में खाद्य सुरक्षा के तहत किए जाने वाली कार्यवाही की रियल टाइम मॉनिटरिंग एवं आमजन को आवश्यक जानकारी प्रदान करने के लिए एआई आधारित एप विकसित की जा रही है।

विधानसभा अध्यक्ष देवनानी से पुलिस महानिदेशक की मुलाकात

नये दायित्व के लिए दी बधाई

जयपुर, 16 जुलाई (एजेंसियां)। राजस्थान विधान सभा अध्यक्ष वासुदेव देवनानी से बुधवार को यहां विधान सभा में राजस्थान के नवनियुक्त पुलिस महानिदेशक राजीव कुमार शर्मा ने शिष्टाचार मुलाकात की। पुलिस महानिदेशक शर्मा ने विधान सभा अध्यक्ष देवनानी का पुष्प गुच्छ भेंट कर अभिवादन किया।

देवनानी ने इस नवीन दायित्व के लिए शर्मा को बधाई एवं शुभकामनाएं दी। विधान सभा अध्यक्ष देवनानी ने पुलिस महानिदेशक से राजस्थान विधान सभा, विधायक आवास परिसर व कॉन्स्टिट्यूशन क्लब ऑफ राजस्थान और अजमेर से संबंधित विभिन्न सुरक्षा व्यवस्थाओं पर चर्चा की। देवनानी से भारतीय पुलिस सेवा के अधिकारी राजीव कुमार शर्मा की राज्य के पुलिस महानिदेशक के रूप में पदभार ग्रहण के पश्चात यह पहली शिष्टाचार भेंट थी।

मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा की पहल पर

टीबीमुक्त राजस्थान की ओर तेजी से बढ़ते कदम

अब तक 74 लाख से अधिक लोगों की स्क्रीनिंग

जयपुर, 16 जुलाई (एजेंसियां)। मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा के नेतृत्व में चिकित्सा विभाग टीबी मुक्त भारत अभियान के अंतर्गत राजस्थान को टीबी मुक्त बनाने के निर्धारित लक्ष्य की प्राप्ति के लिए प्रतिबद्धता के साथ कार्य कर रहा है। प्रदेश में 25 जून, 2025 से चल रहे सक्रिय क्षय रोग खोज अभियान के माध्यम से अब तक 74 लाख (44 प्रतिशत) से अधिक अति संवेदनशील जनसंख्या की घर–घर जाकर स्क्रीनिंग की जा चुकी है। अभियान का लक्ष्य 1.67 करोड़ संवेदनशील व्यक्तियों तक पहुंचना है। स्क्रीनिंग में अब तक 2,35,054 व्यक्तियों में टीबी के लक्षण पाए गए हैं, जिन्हें पुष्टि हेतु स्वास्थ्य संस्थानों में रेफर किया गया है।

प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के टीबी मुक्त भारत के संकल्प की दिशा में मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा के निर्देशानुसार प्रभावी रणनीति के साथ काम किया जा रहा है। स्क्रीनिंग का अभियान 21 जुलाई 2025 तक चलेगा, जिसका उद्देश्य टीबी के छिपे मामलों की शीघ्र पहचान कर समय पर निःशुल्क उपचार उपलब्ध कराना है। उन्होंने बताया कि अभियान के अंतर्गत पीएलएचआईवी, डायबिटीज रोगी, 60 वर्ष से अधिक आयु वर्ग, कुपोषित व्यक्ति, धूम्रपान/मद्यपान करने वाले, प्रवासी श्रमिक, आदिवासी समुदाय, पूर्व टीबी रोगी तथा खनन एवं निर्माण स्थलों, जेलों एवं शहरी झुग्गी बस्तियों में रहने वाले लोगों की घर–घर जाकर स्क्रीनिंग की जा रही है।

अति संवेदनशील जनसंख्या की स्क्रीनिंग सुनिश्चित करने के लिए राज्य और जिला स्तर पर अधिकारियों को जिम्मेदारियां सौंपी गई हैं। अभियान की प्रगति की दैनिक समीक्षा भी की जा रही है। राजस्थान में घर–घर जाकर क्षय रोग के लक्षणों की जांच का यह अभियान, राष्ट्रीय क्षय उन्मूलन लक्ष्य की दिशा में एक निर्णायक कदम है। जिला टीमों की मेहनत और आमजन की भागीदारी से समय पर अधिकतम रोगियों की पहचान संभव हो रही है, जिससे संक्रमण की श्रृंखला को तोड़ा जा रहा है।

मुख्यमंत्री के सतत पर्यवेक्षण के चलते प्रदेश में टीबी मुक्त ग्राम पंचायत अभियान के तहत वर्ष 2024 में 3,350 ग्राम पंचायतों को टीबी मुक्त घोषित किया गया है, जिससे समुदाय स्तर पर जागरूकता और भागीदारी में वृद्धि हुई है। इस

अभियान में राजस्थान देशभर में तीसरे स्थान पर रहा है। अभियान के तहत अब तक 35,117 निक्षय मित्र पंजीकृत हो चुके हैं, जो टीबी मरीजों को पोषण, मानसिक सहयोग और आवश्यक सुविधाएं उपलब्ध करवा रहे हैं।

निक्षय पोर्टल के माध्यम से टीबी मरीजों की पहचान, उपचार, एवं भुगतान की रियल टाइम निगरानी सुनिश्चित की जा रही है। टेक्नोलॉजी के साथ टीबी उन्मूलन की ओर सटीक और तेज कदम बढ़ाते हुए राज्य में टीबी रोगी खोज अभियान का सर्वेक्षण आशा डिजिटल हेल्थ ऐप के माध्यम से किया जा रहा है, और इसकी रीयल टाइम निगरानी डैशबोर्ड के जरिए सुनिश्चित की जा रही है। सभी संभावित मामलों में नाट आधारित परीक्षण को प्राथमिकता देकर राज्य ने सटीक व शीघ्र निदान की दिशा में उल्लेखनीय प्रगति की है। सहभागिता आधारित मॉडल के तहत एनजीओ, सीएसआर भागीदारों और निजी चिकित्सकों की सहभागिता से टीबी नियंत्रण प्रयासों को मजबूती मिली है। जिला स्तर पर इंटर–डिपार्टमेंटल समन्वय के माध्यम से पुलिस, महिला एवं बाल विकास, शिक्षा, श्रम विभाग जैसे विभागों के साथ मिलकर सुगठित व समग्र रणनीति बनाई जा रही है। संवेदनशील समूहों पर केंद्रित, माइक्रो प्लानिंग, 100 प्रतिशत डेटा प्रविष्टि और रिपोर्टिंग के साथ अभियान का संचालन हो रहा है।

चिकित्सा एवं स्वास्थ्य मंत्री गजेन्द्र सिंह खींवसर के निर्देशानुसार जिला और ब्लॉक स्तर पर नाट मशीन (629) माइक्रोस्कोपी, एक्स–रे मशीन, लैब तकनीशियन आदि की क्षमता वृद्धि के प्रयास किए गए हैं। चिकित्सा विभाग द्वारा वर्ष 2024 में राज्य में कुल 1,71,415 टीबी रोगियों का नोटिफिकेशन किया गया, जो निर्धारित लक्ष्य का 101 प्रतिशत है। जून 2025 तक 89,132 टीबी रोगियों का नोटिफिकेशन किया गया है, जो लक्ष्य का 110 प्रतिशत है। गौरतलब है कि नाट तकनीक टीबी की जल्दी और सटीक पहचान करने में सक्षम है, जिससे रोगी को समय पर उपचार मिल पाता है और संक्रमण का प्रसार भी रोका जा सकता है।

शुभ लाभ DAILY

कर्नाटक में मल्टीप्लेक्स और सिनेमाघरों में टिकट की कीमत 200 रुपये तय

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो।
फिल्म प्रेमियों के लिए एक स्वागत योग्य कदम उठाते हुए, कर्नाटक सरकार ने राज्य के सभी सिनेमाघरों और मल्टीप्लेक्स में सिनेमा टिकटों की कीमत 200 रुपये तक सीमित करने का आदेश जारी किया है।

यह निर्देश भाषा या स्थान की परवाह किए बिना एक समान टिकट मूल्य निर्धारण को अनिवार्य करता है और कर्नाटक में प्रदर्शित होने वाली सभी फिल्मों पर लागू होता है। यह कदम सिनेमा प्रेमियों के लिए राहत की बात है, जो लंबे समय से टिकट की आसमान छूती कीमतों की शिकायत करते रहे हैं, खासकर उन मल्टीप्लेक्स में जहाँ लोकप्रिय गैर-कन्नड़ फिल्मों के टिकट अक्सर 1,000 रुपये से अधिक होते हैं। सरकार के इस आदेश का उद्देश्य मूल्य निर्धारण को मानकीकृत करना और अधिक लोगों को सिनेमाघरों में लौटने के लिए प्रोत्साहित करना है। कन्नड़ फिल्म उद्योग मंदी का सामना कर रहा है, दर्शकों की घटती संख्या के कारण कई सिंगल-स्क्रीन सिनेमाघर बंद हो गए हैं। कर्नाटक में अन्य भाषाओं की बड़ी बजट की फिल्मों द्वारा भारी कमाई करने के बावजूद, स्थानीय फिल्मों को संघर्ष करना पड़ा है।

कई लोगों का मानना है कि टिकटों की ऊँची कीमतें दर्शकों के दूर रहने का एक कारण थीं, खासकर उन मल्टीप्लेक्सों से जहाँ दरें सिंगल-स्क्रीन सिनेमाघरों की तुलना में काफी अधिक थीं। टिकट की कीमतों पर सीमा लगाने का प्रस्ताव सबसे पहले 2025-26 के राज्य बजट में रखा गया था, और अब सरकार द्वारा आधिकारिक आदेश जारी करने के साथ, उम्मीद है कि किफायती होने से सिनेमाघरों और मल्टीप्लेक्स दोनों में दर्शकों की संख्या बढ़ेगी। इस कदम को कोविड के बाद ओटीटी प्लेटफॉर्म्स के बढ़ते दबदबे की प्रतिक्रिया के रूप में भी देखा जा रहा है। कई दर्शक घर पर ही फिल्में देखना पसंद कर रहे हैं और नई फिल्में सिनेमाघरों में रिलीज होने के कुछ ही हफ्तों बाद स्ट्रीमिंग प्लेटफॉर्म पर आ रही हैं, जिससे सिनेमाघरों में दर्शकों की संख्या में भारी गिरावट देखी गई है। इस नवीनतम कदम से, सरकार को उम्मीद है कि इससे राज्य भर में थिएटर संस्कृति को फिर से जीवंत किया जा सकेगा और साथ ही फिल्म उद्योग की रिकवरी में भी मदद मिलेगी।

बेंगलूरु में डिजिटल गिरफ्तारी के संदिग्ध मामले में बेस्कॉम कर्मचारी ने आत्महत्या की

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो।
बेंगलूरु विद्युत आपूर्ति कंपनी (बेसकॉम) के एक कर्मचारी ने 14 जुलाई की रात कर्नाटक के रामनगर जिले के चन्नपटना तालुक स्थित अपने पैतृक गाँव केलागेरे में डिजिटल गिरफ्तारी और जबरन वसूली के संदिग्ध मामले में आत्महत्या कर ली। 15 जुलाई की सुबह यह मौत सामने आई। मृतक कुमारा के. (48) पिछले 25 वर्षों से बेंगलूरु के बीटीएम लेआउट में रह रहे थे। वह बेस्कॉम में कार्यरत थे। वह विवाहित थे और उनका एक आठ साल का बेटा है। उन्होंने एक हस्तलिखित एक पृष्ठ का नोट छोड़ा है जिसमें उन्होंने विक्रम गोस्वामी, जिन्होंने खुद को केंद्रीय जाँच ब्यूरो (सीबीआई) का अधिकारी बताया था, पर उन्हें धमकाने और जबरन वसूली का आरोप लगाया है। विक्रम गोस्वामी ने कथित तौर पर दो हफ्ते पहले कुमारा को सीबीआई अधिकारी होने का दावा करते हुए फोन किया था। उन्होंने दावा किया कि कुमारा के खिलाफ गिरफ्तारी वारंट लंबित है और गिरफ्तारी से बचने के लिए 1,95,000 की मांग की थी। कुमारा ने कथित तौर पर भुगतान कर दिया। कुमारा ने दावा किया

कि दो हफ्तों की अवधि में उन्होंने विक्रम गोस्वामी को कुल 11 लाख ट्रांसफर कर दिए। जब विक्रम गोस्वामी ने 2.75 लाख और मांगे, तो कुमारा इसे बर्दाश्त नहीं कर सके। उनकी पत्नी सावित्रम्मा की शिकायत पर कार्रवाई करते हुए, एम. के. डोड्डी पुलिस ने विक्रम गोस्वामी के खिलाफ आत्महत्या के लिए उकसाने का मामला दर्ज किया है। उनकी शिकायत के अनुसार, कुमारा डरे हुए थे और पिछले 15 दिनों से एक व्यक्ति से टूटी-फूटी हिंदी में बात कर रहे थे। एक वरिष्ठ पुलिस अधिकारी ने कहा कि सुराग और कार्यप्रणाली डिजिटल गिरफ्तारी का मामला दर्शाती है।

केंद्रीय मंत्री ललन सिंह पहुंचे लखीसराय, 472 करोड़ रुपये की योजनाओं की सौगात दी

लखीसराय (एजेंसियां)।
लखीसराय जिले के सूर्यगढ़ा प्रखंड को बुधवार को केंद्र और राज्य सरकार की ओर से बड़ी सौगात मिली। केंद्रीय जल शक्ति मंत्री और मुंगेर के सांसद ललन सिंह ने बिहार सरकार के ग्रामीण कार्य मंत्री अशोक चौधरी के साथ मिलकर 472 करोड़ रुपये की सड़क और पुल निर्माण परियोजनाओं का शिलान्यास किया। इन योजनाओं में 34 करोड़ रुपये की लागत से बनने वाली 19 सड़कें और 13 करोड़ रुपये से बनने वाले दो पुल शामिल हैं, जिनसे ग्रामीण क्षेत्रों की कनेक्टिविटी को मजबूती मिलेगी। यह शिलान्यास कार्यक्रम सूर्यगढ़ा बाजार में आयोजित किया गया, जहां जदयू कार्यकर्ताओं और आमजनों ने दोनों मंत्रियों का गर्मजोशी से स्वागत किया। मंच से संबोधित करते हुए ललन सिंह ने कहा कि चुनाव के दौरान उन्होंने जो वादे ग्रामीणों से किए थे, उन्हें अब धरातल पर उतारने का समय आ गया है। उन्होंने कहा कि यह परियोजनाएं न सिर्फ यातायात सुविधा को सुदृढ़ करेंगी, बल्कि गांवों में विकास की नई लकीर भी खींचेंगी।

उन्होंने कहा कि शिलान्यास की गई योजनाएं लखीसराय जिले के दूरदराज के गांवों को मुख्य बाजार और अन्य बुनियादी सुविधाओं से जोड़ने का काम करेंगी। ग्रामीण कार्य मंत्री अशोक चौधरी ने कहा कि बिहार सरकार की प्राथमिकता गांव-गांव तक सड़क, पुल और आधारभूत संरचना पहुंचाना है। उन्होंने भरोसा दिलाया कि इन परियोजनाओं के पूरा होते ही हजारों लोगों को सीधा लाभ मिलेगा, खासकर किसान और छोटे व्यापारी इससे सबसे अधिक लाभान्वित होंगे।

केंद्रीय मंत्री ललन सिंह ने आरजेडी और नेता प्रतिपक्ष तेजस्वी यादव पर भी जमकर निशाना साधा। उन्होंने तेजस्वी पर तंज कसा कि तेजस्वी यादव मुख्यमंत्री बनने के लिए मुंगेरीलाल के हसीन सपने देख रहे हैं, जबकि बिहार की जनता अब विकास चाहती है, न कि भ्रम फैलाने वाली राजनीति।

गोपाल खेमका हत्याकांड में थानेदार निलंबित, लापरवाही के आरोप में पटना आईजी ने की कार्रवाई

पटना (एजेंसियां)।
पटना के गांधी मैदान थाना के थानेदार राजेश कुमार को सस्पेंड कर दिया गया है। पटना एसएसपी कार्तिकेय शर्मा की अनुशंसा पर आईजी जितेंद्र राणा ने यह कार्रवाई की है। आरोप है कि एसएचओ राजेश कुमार इस मामले में लापरवाह पाए गए। इतना ही नहीं विधि व्यवस्था बनाए रखने में लगातार असफल पाए जाने का भी आरोप लगा। इन सब आरोपों की जांच के बाद एसएसपी ने आईजी को निलंबन की अनुशंसा की। इसके बाद पटना आईजी ने यह कार्रवाई की।

दरअसल, चर्चित उद्योगपति गोपाल खेमका की हत्या के बाद उनके छोटे भाई संतोष खेमका ने पुलिस पर बड़ी लापरवाही का आरोप लगाते हुए कहा कि घटना के

डेढ़ घंटे बाद गांधी मैदान थाने की पुलिस मौके पर पहुंची। घटनास्थल पर कई खोखे गिरे पड़े थे, जिस पर पुलिसकर्मियों द्वारा ईट और बांस-बल्ले से घेराबंदी की गई। कहा कि बिहार पुलिस की कार्यशैली यह सोचने पर मजबूर कर देती है कि आज हम कितने सुरक्षित हैं। परिवार वालों का आरोप है कि पुलिस को सूचना देने के बावजूद लगभग डेढ़ से दो घंटे तक पुलिस नहीं पहुंची। परिवार वालों ने बिहार सरकार पर आरोप लगाते हुए कहा कि इस सरकार में कोई भी सुरक्षित नहीं है, अपराधियों का मनोबल अब इतना बढ़ गया है कि वे घर पर चढ़कर हत्याएं कर रहे हैं।

गोपाल खेमका की हत्या किसी और ने नहीं बल्कि कारोबारी अशोक साव ने करवाई थी। इसके लिए उसने डेढ़ महीना पहले ही साजिश रची थी। पुलिसिया पूछताछ में उमेश यादव द्वारा बताया गया कि घटना करने के लिए चार लाख रुपये की सुपारी तय की गई थी। 50 हजार रुपये एडवांस के रूप में दिए गए। शेष बची राशि घटना होने के अगले दिन गंगापथ पर अशोक साव द्वारा दिया गया था। पुलिस ने छापेमारी अशोक साव को गिरफ्तार कर लिया था। अशोक साव ने पूछताछ के दौरान बताया कि जमीन एवं बांकीपुर क्लब का विवाद होने के कारण गोपाल खेमका की हत्या करवाया गया।

अमेरिका में बेटे-बेटी बने डॉक्टर, संकल्प पूरा करने को मां ने कांवड़ियों के लिए बिछाया 1.25 किमी कारपेट

भागलपुर (एजेंसियां)।
सावन मास के पावन अवसर पर जब कांवड़ियों की भीड़ अजगैबीनाथ धाम सुल्तानगंज से बाबाधाम की ओर बढ़ रही है, तब जनसेवा और श्रद्धा का एक अद्भुत उदाहरण सामने आया है। नेपाल से आई शिवभक्त सुनीता यादव ने अपने बेटे और बेटी के अमेरिका में डॉक्टर बनने की खुशी में, कांवड़िया पथ पर करीब 1.25 किलोमीटर लंबा कारपेट बिछवाया है, जिससे हजारों कांवड़ियों को तपती सड़क और धूप से राहत मिली।

नेपाल की निवासी सुनीता यादव पेशे से नर्स हैं और भगवान शिव में गहरी आस्था रखती हैं। उन्होंने बताया कि उनका परिवार हर साल श्रावण में सुल्तानगंज से जल भरकर देवघर बाबाधाम में जलाभिषेक करता है। इस साल की सावन यात्रा उनके लिए खास है क्योंकि उनके पुत्र डॉ. प्रशांत यादव और पुत्री डॉ. सुष्मिता यादव अमेरिका के हॉकिंग जोन्स में डॉक्टर (एमडी) बन गए हैं। इस सफलता को ईश्वर की कृपा मानते हुए सुनीता यादव ने कांवड़ियों के लिए सेवा का संकल्प लिया। उसे साकार रूप देते हुए सुल्तानगंज के मुख्य चौक से रेलवे ओवरब्रिज तक कारपेट बिछवाया।

सावन की तपती धूप में जब हजारों कांवड़िये नंगे पांव कांवड़ यात्रा कर रहे हैं, तब यह कारपेट उनके लिए किसी वरदान से कम नहीं। कांवड़ियों ने इस सेवा भावना को हृदय से सराहा और मौके पर ही सुनीता यादव को धन्यवाद व आशीर्वाद दिया। कई श्रद्धालुओं ने कहा कि यदि अन्य लोग भी इस तरह की सेवा करें, तो कांवड़ यात्रा और अधिक सुगम और सहज हो सकती है। सुनीता यादव ने बताया कि उन्होंने भगवान शिव से यह संकल्प लिया था कि यदि उनके दोनों बच्चे डॉक्टर बन जाएंगे, तो वह शिवभक्तों की सेवा में कुछ योगदान अवश्य देंगी। उनका यह संकल्प अब पूर्ति के रूप में एक प्रेरणादायक पहल बनकर सामने आया है।

बरसात में जानलेवा बनी श्याम नगर की सड़क, हर दिन हादसे का खतरा

स्थानीय लोगों में आक्रोश

जहानाबाद (एजेंसियां)।
जहानाबाद के श्याम नगर मोहल्ला इन दिनों विकास से नहीं, बदहाल सड़कों से चर्चा में है। मलहचक मोड़ से श्याम नगर तक जाने वाली सड़क अब मोहल्ले के लोगों के लिए मुसीबत का दूसरा नाम बन चुकी है। बरसात ने पहले से ही जर्जर इस सड़क को पूरी तरह कीचड़, गड्ढों और जलभराव में तब्दील कर दिया है।

नाले की समुचित निकासी न होने के कारण बारिश होते ही पूरी सड़क जलमग्न हो जाती है। कीचड़ से भरे गड्ढे और बहते नाले के पानी में राह चलना मुश्किल हो गया है। बच्चे स्कूल जाते समय फिसलकर गिर जाते हैं, तो वहीं बाइक और साइकिल सवार आए दिन चोटिल हो रहे हैं। मोहल्ले की महिलाएं और बुजुर्ग भी घर से निकलने से डरने लगे हैं।

स्थानीय निवासियों का कहना है कि स्थिति इतनी खराब हो गई है कि आपात स्थिति में एंबुलेंस भी इस रास्ते से नहीं निकल सकती। बच्चों की सुरक्षा से लेकर बुजुर्गों की सुविधा तक सब खतरे में है, लेकिन किसी जनप्रतिनिधि या अधिकारी की आंख नहीं खुल रही है।

इलाके के लोगों ने बताया कि सड़क की मरम्मत को लेकर कई बार पार्षद से लेकर नगर परिषद तक शिकायतें की गईं। लेकिन हर बार केवल आश्वासन ही मिला, कार्रवाई कभी नहीं हुई। इस सड़क से कई शैक्षणिक संस्थानों के छात्र-छात्राएं रोज गुजरते हैं, और अधिकारियों की गाड़ियां दिनभर इसी रास्ते से दौड़ती हैं, फिर भी हालात जस के तस हैं।

श्याम नगर के निवासियों का कहना है कि यदि शीघ्र ही सड़क की मरम्मत या पुनर्निर्माण कार्य शुरू नहीं हुआ, तो वे आंदोलन और धरना-प्रदर्शन के लिए बाध्य होंगे। क्षेत्र की बदहाली जिले के शहरी विकास के खोखले दावों की पोल खोल रही है।

इंडिया गठबंधन के समर्थन में उतरे महात्मा गांधी के प्रपौत्र, बोले-

बिहार को संघी ताकतों से बचाना जरूरी

मधेपुरा (एजेंसियां)।
महात्मा गांधी के प्रपौत्र तुषार गांधी इन दिनों बिहार दौरे पर हैं। वे बदलो बिहार, लाओ नई सरकार अभियान के तहत 12 जुलाई को पश्चिम चंपारण के तुरकौलिया से पदयात्रा पर निकले हैं। बुधवार को वे सहरसा होते हुए मधेपुरा पहुंचे, जहां उन्होंने विभिन्न महापुरुषों की प्रतिमाओं पर माल्यार्पण किया।

जिला परिषद स्थित महात्मा गांधी की प्रतिमा पर माल्यार्पण के बाद पत्रकारों से बातचीत में तुषार गांधी ने कहा कि यह यात्रा बिहार की करीब 25 आंदोलनकारी संस्थाओं के वरिष्ठ नेताओं की सहमति से की जा रही है।

तुषार गांधी ने कहा कि कहा कि हम बिहार को संघी ताकतों से बचाना चाहते हैं। हमारा विरोध बीजेपी और आरएसएस से है। जो उनके साथ जाएगा, हम उसका भी विरोध करेंगे।

इसी कारण हम महागठबंधन के साथ खड़े हैं। मुख्यमंत्री नीतीश कुमार पर निशाना साधते हुए उन्होंने कहा कि 20 वर्षों की सरकार में इमारतें और चौड़ी सड़कें जरूर बनी हैं, लेकिन जनता की मूल समस्याएं जस की तस बनी हुई हैं। चंपारण से शुरू इस यात्रा के दौरान जहां-जहां वे पहुंचे, वहां लोगों ने शिक्षा, स्वास्थ्य, रोजगार जैसी कई समस्याएं बताईं। इस मौके पर शंभु शरण भारतीय, रामकृष्ण यादव, राजेंद्र प्रसाद यादव, महेंद्र यादव, संदीप यादव, हर्षवर्धन सिंह राठौर, निशांत यादव समेत कई लोग उपस्थित थे।

तुषार गांधी की यात्रा की शुरुआत चंपारण जिले के ऐतिहासिक स्थल तुरकौलिया से हुई, जहां कभी महात्मा गांधी ने किसानों के हक में आवाज बुलंद की थी। रविवार को वे उसी स्थल पर ऐतिहासिक नीम के पेड़ के नीचे पहुंचे, लेकिन वहां स्थानीय मुखिया विनय साह ने उन्हें मंच से जबरन हटवा दिया। इस घटनाक्रम को लेकर क्षेत्र में विरोध के स्वर भी उठे थे। उनके साथ हुए दुर्व्यवहार को लेकर नेता प्रतिपक्ष तेजस्वी यादव पूरे बिहारवासियों की तरफ से तुषार गांधी से माफी मांगी है। तेजस्वी ने कहा कि राष्ट्रपिता महात्मा गांधी जी और उनके विचारों एवं दर्शन का अनुयायी होने एवं देश की आजादी में उनके योगदान, समर्पण, त्याग व बलिदान के प्रति अपनी कृतज्ञता प्रकट करते हुए मैं समस्त बिहारवासियों की ओर से तुषार गांधी जी से हाथ जोड़कर माफी मांगता हूं।

सीएम नीतीश के गृह जिले में बाढ़ का रेड अलर्ट जारी

नालंदा (एजेंसियां)।
झारखंड में हो रही लगातार बारिश के कारण नालंदा में बाढ़ का खतरा उत्पन्न हो गया है। झारखंड के उदेरा स्थान से छोड़े गए भारी मात्रा में पानी के मद्देनजर नालंदा जिले में संभावित बाढ़ की स्थिति को देखते हुए जिला प्रशासन ने आपातकालीन कदम उठाए हैं। जिलाधिकारी कुंदन कुमार की अध्यक्षता में आयोजित आपातकालीन बैठक में जिले के पांच प्रखंडों में रेड अलर्ट घोषित किया गया है। जिला प्रशासन के अनुसार, उदेरा स्थान से 1 लाख 15 हजार क्यूसेक पानी छोड़ा गया है, जो पूर्व में छोड़े गए पानी की मात्रा से काफी अधिक है। इस कारण एकंगरसराय, हिलसा, अस्थावां, बिंद और गिरियक प्रखंड के बाढ़ प्रभावित होने की प्रबल संभावना है।

नालंदा के जिलाधिकारी ने संभावित बाढ़ की विभीषिका से बचने के लिए संबंधित अंचलों में रेड अलर्ट घोषित करते हुए तत्काल सुरक्षा उपाय अपनाने के निर्देश दिए हैं। लो लैंड एरिया और निचले क्षेत्रों में रहने वाले लोगों को मैकिंग के माध्यम से सुरक्षित ऊपरी स्थानों पर पहुंचने के लिए कहा गया है।

स्वामी, मुद्रक, प्रकाशक, सम्पादक गोपाल अग्रवाल द्वारा श्री शेषसाई इंटरप्राइजेज प्लॉट नंबर. 98/1, को-ऑपरेटिव इंडस्टीयल एस्टेट, गांधी नगर, बालानगर के पास मेडचेल-मल्काजगिरि जिला. हैदराबाद 500037, तेलंगाना स्टेट से मुद्रित तथा प्लॉट नं. ए-23/5 तथा 6, दूसरा माला, ओपीआईई, बालानगर, हैदराबाद, मेडचल मलकाजगिरी जिला, तेलंगाना राज्य-500037 से प्रकाशित। आर. एन. आई रजिस्टर्ड नं. TELHIN/2019/78163, फोन नं. 040-29551811. E-mail : dailyshubhlabh@gmail.com